मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	30.6	20.1
जमशेदपुर	32.2	19.1
डालटनगंज	32.8	16.6

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * * *

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

रांची एवं पटना से प्रकाशित | रांची ● सोमवार, 30 अक्टूबर 2023 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 02, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 193 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

सड़क दुर्घटना में छात्रों की मौत पर विरोध, सड़क पर उतरे स्कूली विद्यार्थी

संवाददाता। पाकुड़

सड़क दुर्घटना में जिया पानी गांव के पास शुक्रवार देर शाम तीन स्कूली छात्रों की मौत हो गई. इसके विरोध में छात्रों ने रविवार को पाकुड़-दुमका मुख्य मार्ग जाम कर दिया, जिससे आवागमन बाधित हो गया. प्लस टू हाई स्कूल की दर्जनों छात्र स्कूल की ड्रेस में घटनास्थल पर पहुंचकर सुबह से ही मृत छात्र के परिजनों को तत्काल सरकारी मुआवजा देने सहित सड़क सुरक्षा व्यवस्था और ब्रेकर बनाने की मांग की. सड़क पर उतरे छात्रों ने कहा कि मृतक तीनों छात्र उनके सहपाठी थे. छात्र 11वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थी थे, और उनके साथ पढ़ते थे. छात्रों की सड़क दुर्घटना में मौत के जिम्मेदार कहीं ना

कहीं शासन और प्रशासन है. वहीं छात्रों का कहना है कि घटनास्थल पर तीखा मोड़ है, और ढलान भी है, लेकिन सड़क सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं की गई है, पूर्व में भी कई बार यहां सड़क दुर्घटना हुई है और कई लोग इसके शिकार बन चुके हैं. अगर यहां ब्रेकर लगी होती तो घटना टल सकती थी. जाम के कारण गुमा मोड़ से लेकर आम्रपाली तक वाहनों की लंबी कतार लग गई. गोपीकांदर पुलिस मौके पर पहुंचकर छात्रों को समझाने का प्रयास कर रही है, लेकिन छात्र अपनी मांग पर अड़े हैं. बता दें कि सड़क दुर्घटना के शिकार हुए तीनों छात्र शुक्रवार की शाम खेलो झारखंड में भाग लेने के लिए रांची के लिए निकले थे और वह दुमका से बस पकड़कर रांची के लिए रवाना होने वाले थे. इसी बीच गुम्मा मोड़ के पास जिया पानी के पास दुर्घटना हो गई.

उग्र प्रदर्शन

- मुआवजे की मांग को लेकर छात्रों ने किया प्रदर्शन
- पाकुड़- दुमका मुख्य मार्ग घंटों रहा जाम

मृतक के परिजनों से मिले सांसद, हर संभव मदद का आश्वासन

पाकुड़। दुमका जिले के गोपीकांदर थाना क्षेत्र के जियापानी ढलान में शुक्रवार की रात हुए भीषण सड़क दुर्घटना में अमड़ापाड़ा प्रखंड क्षेत्र के मृत तीनों छात्रों के शोकाकुल परिजनों से मिल राजमहल लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय हांसदा ने शोक संवेदना व्यक्त की. सांसद , जिलाध्यक्ष श्याम यादव और जिला सचिव सुलेमान बास्की सर्वप्रथम अमड़ापाड़ा प्रखंड क्षेत्र के निपनियां गांव निवासी 17 वर्षीय मृतक जॉन मुर्मू के आवास पहुंचे.

वहां पहुंच सांसद ने मृतक के परिजनों को सांत्वना देते हुए आर्थिक सहयोग का भरोसा दिलाया. इसके

बाद सांसद विजय हांसदा, अमड़ापाड़ा प्रखंड के जाहेरटोला निवासी 19 वर्षीय मृतक बिट्टू मरांडी व 17 वर्षीय मृतक बाबूलाल मरांडी के परिजनों से मिलकर शोक संवेदना प्रकट की.

मौके पर प्रखंड सचिव जहीरुद्दीन मियां, युवा मोर्चा जिला सचिव उमर फारूक, केंद्रीय सदस्य अमित भगत, प्रखंड उपाध्यक्ष सह जिला सदस्य कोर्नेलियुस हेम्ब्रम, प्रखंड उपाध्यक्ष सह जिला सदस्य संतोष भगत, जिला सदस्य पप्पू भगत, जिला सदस्य प्रेम रजक, प्रखंड बीस सूत्री उपाध्यक्ष सज्जाद अंसारी, प्रखंड सह सचिव नाजिर किस्कू, प्रखंड कोषाध्यक्ष जाकिर अंसारी, धानो मरांडी, कालिदास मुर्मू, ईमरान अंसारी, आरिफ अंसारी, राजीव कुमार, नाजिर अंसारी, दिलीप रजवार, लखीराम हेम्ब्रम सहित अन्य उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

चिकित्सा बीमा की बैठक में भाग लेगा कर्मचारी महासंघ

आदित्यपुर । झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ त्रिपाठी गुट की बैठक रविवार को महासंघ कार्यालय आदित्यपुर में जिलाध्यक्ष अंजनी कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में हुई. इस बैठक में चिकित्सा विभाग झारखंड रांची द्वारा चिकित्सा बीमा योजना के लिए 31 अक्टूबर को आहूत बैठक में महासंघ के शामिल होने का निर्णय लिया गया. जिसमें प्रांतीय अध्यक्ष विमल कुमार सिंह, प्रांतीय संयुक्त सचिव प्रणव शंकर, जिलाध्यक्ष अंजनी कुमार सिन्हा भाग लेने जाएंगे. साथ ही राज्य महासंघ द्वारा 6 एवं 7 जनवरी 2024 को होने वाले प्रांतीय अधिवेशन को सफल बनाने पर चर्चा भी की गई. जिसके लिए क्षेत्र भ्रमण कर कर्मचारियों को जागरूक करने का निर्णय लिया गया. बैठक में विमल कुमार सिंह, प्रणव शंकर, अंजनी कुमार एवं अन्य कर्मचारी भाग शामिल थे.

बिरसा जयंती के लिए आयोजन समिति का गठन

चंदवा। 15 नवंबर को बिरसा मुंडा जयंती सह झारखंड का 23वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाने को लेकर चंदवा पूर्वी पंचायत के गुरीटांड़ स्थित बिरसा मुंडा स्मारक स्थल पर बिरसा मुंडा स्मारक समिति की बैठक की गई. बैठक की अध्यक्षता करमा मुंडा ने की. बैठक में आगामी 15 नवंबर को बिरसा मुंडा जयंती सह झारखंड स्थापना दिवस धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया तथा जयंती के अवसर पर गुरीटांड़ स्थित स्मारक स्थल पर मेला का भी आयोजन करने का निर्णय लिया गया है. इसको लेकर एक आयोजन समिति का गठन किया गया है, जिसमें अध्यक्ष बबन मुंडा को बनाया गया है. इसके अलावा सचिव पद पर बिनोद भगत, सह सचिव गणेश मुंडा है.

दहेज प्रथा को लेकर किया गया जागरूक

बोकारो। कसमार प्रखंड के दुर्गापुर पंचायत स्थित कुरको में दहेज मुक्त झारखंड सेवा संघ के बैनर तले दहेज प्रथा को लेकर रविवार को जागरूकता कार्यक्रम हुआ. इस अवसर पर दहेज मुक्त झारखंड सेवा संघ की बोकारो जिला अध्यक्ष सरिता देवी ने कहा कि वर्तमान समय में दहेज सभी समाज के लिए कोढ़ बन गया है. इसके कारण बेटियों को जन्म से पूर्व ही गर्भ में मार दे रहे हैं. धीरे-धीरे दहेज प्रथा विकराल रूप धारण कर रहा है, इसलिए समाज के सभी तबके को दहेज प्रथा के खिलाफ आवाज बुलंद करने की जरूरत है. दुर्गापुर पंचायत के उपमुखिया पंचानन महतो ने कहा कि बेहतर समाज निर्माण के लिए दहेज मुक्त समाज का निर्माण करना होगा. इसके लिए युवाओं को गोलबंद करना होगा.

पुलिस ने गरीबों के बीच किया वस्त्र वितरण

बोकारो। जिले के चंदनकियारी प्रखंड के अमलाबाद ओपी में राष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा परिषद और अमलाबाद ओपी पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में आर्थिक रूप से पिछड़े और गरीब महिलाओं के बीच साड़ी का वितरण किया गया. इस दौरान ओपी प्रभारी धनंजय कुमार ने कहा कि जरूरतमंद लोगों की मदद करना सबसे बड़ा पुण्य का काम है. उन्होंने कहा कि संत कबीर भी कह गये हैं कि मदद करनी है तो जरूरतमंद लोगों की करें. इससे वितरित किये गए कपड़ों का सदुपयोग होगा और जरूरत मंदों को काफी राहत मिलेगी. उन्होंने संपन्न लोगों से ऐसे नेक कामों में आगे आने की अपील की.

बच्चों की जान जोखिम में : कभी भी घट सकती है बड़ी दुर्घटना

जर्जर खपरैल स्कूल में पढ़ने को मजबूर बुंडू गांव के बच्चे

संवाददाता । किरीबुरु

नक्सल प्रभावित कोल्हान जंगल क्षेत्र अन्तर्गत टोंटो प्रखंड का बुंडू गांव स्थित मध्य विद्यालय काफी जर्जर स्थिति में है. दशकों पुरानी दो कमरे वाले इस स्कूल भवन का छत खपड़ा से छाया हुआ है. हल्की वर्षा से स्कूल के अंदर पानी चूने लगता है. इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो जाती है.

स्कूल के छत में लगा लकड़ी का बींब (धरन) भी काफी जर्जर हो चुका है. वह कभी भी टूटकर खपड़ा का पूरा छत के साथ कभी भी गिरकर बच्चों को भारी नुकसान पहुंचा सकता है. इस विद्यालय में 73 नामांकित बच्चे हैं. वर्ग 1 से लेकर 8 तक के छात्रों को पढ़ाने के लिये एक स्थायी शिक्षक सुनील मुर्मू एवं एक पारा शिक्षक पादरी लागुरी नियुक्त हैं. बच्चों का मध्याह्न भोजन बनाने के लिये दो खानसामा हैं.

गांव के सहायक मुंडा राजेश पूर्ति व अन्य ग्रामीणों ने बताया कि सरकार जल्द कम से कम पांच कमरों का नया स्कूल भवन बनाये, अन्यथा यह स्कूल भवन कभी भी गिर सकता है. पूर्व में दो कमरे का नया स्कूल भवन बनाया जा रहा था, लेकिन वह भारी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़कर आज तक भवन का निर्माण नहीं हो सका. इस अधूरे भवन के पूरे पैसे की निकासी की बात कही जा रही है. अगर स्कूल भवन का खपड़ा का छत गिरा तो बच्चों को भारी नुकसान के साथ-साथ शिक्षा पूरी तरह से प्रभावित होगा. ऐसा कहा जा रहा है कि पांच कमरों वाले नये स्कूल भवन की स्वीकृति मिल गई है, लेकिन अब तक बनना प्रारम्भ नहीं हुआ है. स्कूल का चापाकल भी खराब है. उसमें लगा सोलर सिस्टम पर जब तक धूप पड़ता है, तो पानी आता है, लेकिन पेड़ों की छाया आने पर यह चलना बंद हो जाता है. सरकार गांव की शिक्षा व्यवस्था को सुधारे.

जर्जर स्कूल भवन में बैठकर पढ़ते बच्चे (ऊपर). दो कमरों का भवन और स्कूल की स्थिति (नीचे).

जान का खतरा

- हल्की वर्षा से स्कूल के अंदर चूने लगता है पानी
- स्कूल के छत में लगा लकड़ी का बींब भी हो चुका है जर्जर

पूर्व छात्रों की बनी कमेटी, हर साल करेंगे मिलन समारोह

चांडिल। चांडिल प्रखंड के चौका के निकट बेड़ादा में स्थित होलीक्रॉस स्कूल में रविवार को पूर्व छात्र संगठन की बैठक हुई. बैठक में विद्यालय के पूर्व छात्र संगठन का गठन किया गया. लंबे समय अंतराल पर आपस में मिले छात्र-छात्राओं ने एक-दूसरे से बात की और विद्यालय की वर्तमान स्थिति, पठन-पाठन की स्थिति और विकास पर चर्चा की. विद्यालय के पहले का पठन-पाठन व माहौल और वर्तमान के पठन-पाठन व माहौल का आकलन भी किया. पूर्व छात्रों ने अब हर साल मिलन समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया. ऐसे में सभी एक-दूसरे से मिलकर सुख-दुख की बात कर सकेंगे और तालमेल बना सकेंगे. होलीक्रॉस स्कूल के पूर्व छात्र संगठन में जितेन दत्ता व बंटी महतो को अध्यक्ष, सतपति महतो व सुदामा सोरेन को उपाध्यक्ष और रोहत दत्ता, सचिन राय, अभिमन्यु बेसरा, अनिता महतो, पुष्पा मुर्मू व राहुल महतो को सलाहकार बनाया गया है.

अभिभावक व शिक्षकों की बैठक मदरसा में संपन्न

लातेहार । महुआडांड़ प्रखंड के मदरसा जामिया नूरिया जियाउल इस्लाम में रविवार को अभिभावक व शिक्षकों की बैठक हुई. बैठक में मदरसे में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावक शामिल हुए. अभिभावकों ने बच्चों की शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली और कई सुझाव दिये. प्रधानाध्यापक मुफ्ती शब्बीर सहर कादरी ने कहा कि बच्चों के विकास में अभिभावक की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है. मदरसा के साथ उनका अच्छा तालमेल और समन्वय वाला रिश्ता होना जरूरी है. उन्होंने आगे कहा कि हर अभिभावक को नियमित अंतराल पर मदरसा आना चाहिए. ताकि बच्चों के बारे में आपको शिक्षक से वास्तविक फीडबैक मिल सके. बच्चों को भी एक संदेश पहुंचे कि अभिभावक भी उनकी परवाह करते हैं.

आपकी बात

बच्चे देश के भविष्य हैं, उनका बचपन बचाना होगा. यह तभी संभव है, जब बाल मजदूरों का ग्राफ देशभर में शून्य होगा.

नाम : गोविंद खनाल
पद : बीबीए कार्यकर्ता
जन्मस्थल : पूर्वी नेपाल
कार्य क्षेत्र : संपूर्ण देश

पूर्वी नेपाल में जन्म लेने वाले गोविंद खनाल आज नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के नाम से बने चिल्ड्रेंस फाउंडेशन के वरिष्ठ कार्यकर्ता के रूप में बाल मजदूरी को जड़ से खत्म करने के अभियान से जुड़े हैं. वर्ष 2006-07 में वह बचपन बचाओ आंदोलन के राष्ट्रीय सचिव के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं. इस दौरान उन्होंने झारखंड के कई इलाकों खासकर कोडरमा, गिरिडीह, हजारीबाग और रांची में कई बाल मजदूरों को मुक्त करा कर उन्हें पढ़ाई से जोड़ते हुए उनका बचपन सुरक्षित किया. साथ ही लेबर कोर्ट के माध्यम से जालिम मालिकों से हर्जाना भी दिलाया. कोडरमा और गिरिडीह के अलावा बिहार के नवादा से सटे इलाकों में 500 से अधिक बाल मित्र ग्राम बनाए. फिर बाल संसद और बाल पंचायत का कॉन्सेप्ट लाकर उन गांवों की संपूर्ण जिम्मेवारी बच्चों को सुपुर्द कराया. इसके अलावा मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार आदि प्रांतों में भी संवैधानिक तरीके से बच्चों के संरक्षण और अधिकार दिलाने के प्रति निरंतर लड़ाई लड़ी. नेपाल निवासी स्व. भीम प्रसाद और तुलषा देवी के चार बेटे और दो बेटियों में तीसरे स्थान पर रहे गोविंद का बचपन भी बंधुआ बाल मजदूरी में भारत-नेपाल बॉर्डर स्थित एक टेलीफोन बूथ में गुजर रहा था. वर्ष 1996 में बाल मजदूरी विरोधी अभियान चलाते बचपन बचाओ आंदोलन के प्रणेता कैलाश सत्यार्थी का कारवां उधर से गुजरा. वहां गोविंद को देखते ही उन्होंने गोद में उठा लिया और फिर गोविंद के जीवन की तस्वीर ही बदल गई. कैलाश सत्यार्थी उन्हें दिल्ली मुक्ति आश्रम ले आए. वहां रहते हुए गोविंद ने उच्च शिक्षा ग्रहण की. कोडरमा के मनान, काजल कुमारी जैसे कई बच्चों को बाल अधिकार की शिक्षा देते हुए संयुक्त राष्ट्र समेत कई अंतरराष्ट्रीय मंच दिलवाए. रंजू नामक महिला के साथ गोविंद का दांपत्य जीवन बंधा और दो बेटे भी हुए. वह कहते हैं कि बच्चे देश के भविष्य हैं, उनकी जिंदगी खासकर उनका बचपन सुरक्षित करने की जरूरत है. यह तभी संभव है, जब बाल मजदूरों का ग्राफ देशभर में शून्य होगा. खासकर झारखंड के गुमला, सिमडेगा, रांची समेत अन्य जिलों से बच्चों और लड़कियों की काफी ट्रैफिकिंग हो रही है. इसे रोकने के लिए सरकार और प्रशासन के साथ ग्रामीणों को भी सजग और संवेदनशील बनना होगा.

स्काउट व गाइड का कैप्टन कोर्स नेतरहाट आवासीय विद्यालय में शुरू

संवाददाता । लातेहार

नेतरहाट आवासीय विद्यालय में भारत स्काउट और गाइड झारखंड द्वारा बेसिक स्काउट मास्टर और गाइड कैप्टन कोर्स की शुरूआत की गई. यह आगामी तीन नवंबर तक चलेगा. इसका उदघाटन विद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रसाद पासवान ने झंडोतोलन कर किया. इस प्रशिक्षण में खूंटी, पूर्वी सिंहभूम, गिरिडीह, पलामू, गढ़वा, लातेहार, पाकुड़, गुमला, सिमडेगा और रांची जिले के 70 से अधिक शिक्षक-शिक्षिकाएं भाग ले रहे हैं. मौके पर डॉ. प्रसाद पासवान ने कहा कि स्काउट व गाइड का प्रशिक्षण जीवन में नितांत आवश्यक है. प्रशिक्षण में लोगों में देशप्रेम की भावनाओं का संचार किया जाता है.

नगर पालिका सेवा प्रतियोगिता परीक्षा संपन्न

संवाददाता। जमशेदपुर

झारखंड नगर पालिका सेवा संवर्ग संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2023 जमशेदपुर के 10 परीक्षा केंद्रों में रविवार को शांतिपूर्ण संपन्न हुई. परीक्षा स्वच्छ वातावरण, शांतिपूर्ण व कदाचार मुक्त संपन्न कराने के लिए सभी केंद्रों पर स्टैटिक दंडाधिकारी सह सेन्टर ऑब्जर्वर के साथ पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई थी. इसके अलावा गश्ती दंडाधिकारी के साथ पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल तथा सभी परीक्षा केंद्र के लिए उड़न दस्ता दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई थी.

इन स्कूलों में बनाए गए थे परीक्षा केंद्र

जिले में आरकेएल लेडी इंदिरा सिंह हाई स्कूल, इंदिरानगर, गुलमोहर हाई स्कूल टेल्को, वैली व्यू स्कूल, अशोकनगर, विद्या भारती चिन्मया विद्यालय, टेल्को, शिक्षा निकेतन टेल्को, बारीडीह हाई स्कूल, बारीडीह, जमशेदपुर पब्लिक स्कूल, बारीडीह, केरला पब्लिक स्कूल, मानगो, दयानन्द पब्लिक स्कूल, साक्ची, राजेन्द्र विद्यालय, साक्ची में परीक्षा केन्द्र बनाया गया था. परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण यथा मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, ईयरफोन, डिजिटल डायरी, कैलकुलेटर, पेपर, गेजेट्स तथा लॉग बुक, पुस्तक, नोटबुक, इत्यादि परीक्षा हॉल में ले जाने की अनुमति नहीं थी.

तीन शिफ्ट में हुई परीक्षा

परीक्षा में लगभग 8500 परीक्षार्थी शामिल हुए. पहली पाली में सुबह 8 :15 के पश्चात किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा हॉल के अंदर आने की अनुमति नहीं थी. परीक्षा तीन पालियों में हुई. सभी केंद्रों पर सुबह 8 :30 बजे से 10 :30 बजे तक प्रथम शिफ्ट मैं हिंदी और अंग्रेजी भाषा, सुबह 11 :30 बजे से दोपहर 1 :30 तक द्वितीय शिफ्ट में ट्राइबल व रीजनल लैंग्वेज तथा दोपहर 3 :00 बजे से शाम 5 :30 बजे तक तृतीय शिफ्ट में तकनीकी ज्ञान की परीक्षा हुई.

निःशुल्क कोचिंग संस्थान हुआ डिजिटलाइजेशन

चाईबासा। समाज के बुद्धिजीवियों द्वारा संचालित निःशुल्क कोचिंग संस्थान, तांतनगर में डिजिटाइजेशन क्लास रूम का उद्घाटन तांतनगर थाना प्रभारी राहुल कुमार राम एवं बैंक अधिकारी मुकरु हेम्ब्रम के कर कमलों से किया गया. कोचिंग संस्थान का डिजिटलाइजेशन से विद्यार्थियों में काफी उत्साह है. अतिथि थाना प्रभारी ने कहा कि कोचिंग संस्थान के अपग्रेडन से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त होगी और वे मुख्य धारा से जुड़कर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बना सकेंगे. मौके पर संस्थान के अध्यक्ष जगन्नाथ बिरुवा, उपाध्यक्ष बसंत सामड, गंगाराम बिरुवा, महासचिव देवानंद बिरुली, एवं संस्थान के सदस्यगण उपस्थित थे.

इग्नू बीएड कार्यशाला-2 महिला विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में कई विषयों पर हुई चर्चा

प्रशिक्षुओं को तनाव मुक्ति की तकनीक का कराया अभ्यास

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय के लर्निंग सपोर्ट सेंटर में रविवार को इग्नू बीएड कार्यशाला-2 के 10वें दिन की शुरुआत प्रार्थना के साथ हुई. इग्नू बीएड प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर डॉ त्रिपुरा झा ने प्रार्थना के साथ कार्यशाला की शुरुआत की. उन्होंने प्रार्थना पश्चात नौवे दिन के चारों सत्रों के सहयोगपूर्ण अधिगम विधियां विषय शिक्षार्थियों को शिक्षण शास्त्र पाठ्यक्रम में शिक्षण विधियां से संबंधित सहयोगपूर्ण अधिगम प्रविधि के उपयोग की पुनरावृत्ति की. साथ ही संतुलित श्वसन एवं तनाव मुक्ति की तकनीकियों के अभ्यास की पुरावृत्ति की.

बीएड कार्यशाला-2 के 10वें दिन के सत्र विशेषज्ञ संजय भुइयां ने 'स्व की समझ' विषयक व्याख्यान द्वारा सामाजिक प्रभावों में स्वयं के प्रति स्वीकार्यता की समझ को विकसित करने वाले विभिन्न स्रोतों की विस्तार से चर्चा की. तीसरे एवं चौथे सत्र 'अभिनय द्वारा पर्यावरणीय मुद्दों की समझ' विषय के संसाधन सेवी मकसूदन कुमार, नाटक कला शिक्षक, बिहार प्रशिक्षु अध्यापकों में पर्यावरणीय मुद्दों को चुनौती देने के लिए क्लास रूम में अभिनय द्वारा सरलता से स्पष्ट किया एवं प्रशिक्षु छात्रों में समस्या को आत्मसात करने की समझ विकसित किया. कार्यशाला पश्चात सामूहिक क्रिया-कलाप के आकलन के लिए विभिन्न बिंदुओं जैसे पर्यावरणीय मुद्दों का चयन अपने पाठ कथा नाटकीयता की विस्तार से जानकारी दी.

खास बातें

- डॉ त्रिपुरा झा ने प्रार्थना के साथ कार्यशाला की शुरुआत की
- पर्यावरणीय मुद्दों को चुनौती देने के लिए छात्रों को दी गयी जानकारी

गौ ग्राम कुंभ कार्यक्रम में एक लाख एकल आचार्य लेंगे हिस्सा

संवाददाता। मैथन

चिरकुंडा क्षेत्र के जुनकुंदर ब्रह्मस्थान में रविवार को एकल विद्यालय अभियान चिरकुंडा संघ की अभ्यास बैठक हुई. विभिन्न विद्यालयों से आये आचार्यों के बीच पठन-पाठन सामग्री वितरण किया गया. बैठक में भावी कार्यक्रमों पर चर्चा की गई. बैठक की जानकारी देते हुए प्रशिक्षण प्रमुख देवनाथ महतो ने बताया कि आगामी 23 से 25 दिसंबर को धनबाद में गौ ग्राम कुंभ कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें पूरे देश से एक लाख एकल आचार्य हिस्सा लेंगे. इससे पहले 17 दिसंबर को युवक-युवतियों की विशाल हॉकी रैली निकाली जाएगी. उन्होंने बताया कि गौ ग्राम कुंभ में अमेरिका सहित विश्व के अन्य देशों से भी दो हजार प्रतिनिधि शामिल होंगे. बताया कि उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ की भी कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची एवं पटना से प्रकाशित | रांची ● सोमवार, 30 अक्टूबर 2023 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 02, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 193 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

झामुमो ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और ईडी को दी चुनौती

मेरे ? का जवाब दो

कहा-लाल और नीली खाली कुर्सियों में सभा करने से अच्छा है हाट-बाजार में करें सभा

कौशल आनंद। रांची

झारखंड मुक्ति मोर्चा ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के रांची आगमन, सभा और उनके भाषणों पर उन्हें जमकर घेरा. साथ ही साथ ईडी को लपेटे में लिया. पार्टी महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने सभा के खाली कुर्सियों का वीडियो दिखाते हुए कहा कि नड्डा जी विश्व की सबड़े बड़ी पार्टी का दावा करने वाले संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं. बाबूलाल को समझ में आता है, मगर नड्डा के समय लाल और नीली कुर्सी के बीच भाषण और सभा करने से बेहतर है, हाट-बाजार में करा लेते.

कम से कम बाबूलाल जिनकी संकल्प सभा विफल रही, अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष की लाज रखना चाहिए था. जहां सभा हुई वह हटिया विधानसभा का क्षेत्र था. ठीक कुछ ही दूरी पर रांची विधानसभा था, 2 किलोमीटर के बाद कांके और खिजरी विधानसभा क्षेत्र था.

इसके बाद बावजूद वोटर तो दूर छह विधानसभा मिलाकर जितने बूथ हैं, उतने पार्टी कार्यकर्ता भी नहीं पहुंचे. दरअसल यह आयोजनकर्ता की गलती नहीं है, पूरा मसला नड्डा जी का है, वह जिस प्रदेश से आते हैं, वहां का भी चुनाव वे नहीं जिता सकते हैं, आए थे झारखंड में भाजपा को जिताने का रोड मैप बनाने.

जेपी नड्डा से पूछे गए तीखे सवाल

सुप्रियो भट्टाचार्य ने जेपी नड्डा के एक सवाल और बातों पर उनसे तीखे सवाल किया और उन्हें चुनौती देते हुए जवाब मांगा...

- महिला, आदिवासी और दलित का दावा करने वाले जेपी नड्डा यह बताएं कि मणिपुर किस देश का प्रदेश है. वहां पर किसका शासन और प्रशासन है, इसके बावजूद आदिवासी महिलाओं के साथ जो हुआ वह क्या था. उनके प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और नड्डा जी इसके बारे में क्या कहते हैं. वे और उनके पीएम वहां क्यों नहीं गए.
- **आदिवासी दलित की बात करने वाली भाजपा यह बताए कि पूर्व राष्ट्रपति दलित समुदाय से आते थे, तब देश के लोकतंत्र के मंदिर शिलान्यास में तत्कालीन राष्ट्रपति के कोविंद को क्यों नहीं बुलाया गया. जब इसी संसद भवन का उदघाटन हो रहा था, तो वर्तमान आदिवासी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को क्यों नहीं बुलाया गया.**
- महिला सुरक्षा और बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली पार्टी यह बताए कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का मान बढ़ाने वाली महिला पहलवानों ने जब आपके एक सांसद ब्रजभूषण सिंह पर यौन शोषण का आरोप लगाया, केस हुआ इसके बावजूद भी उनकी गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई, सांसद पर पार्टी ने कार्रवाई नहीं क्यों नहीं की. क्यों पीएम के ईद-गिर्द चिपके फिरते हैं.
- भ्रष्टाचार की बात करने वाले नड्डा साहब यह बताने का कष्ट करें कि योगेंद्र तिवारी ने जिनका-जिनका नाम लिया है, उनका नाम पर पार्टी सार्वजनिक करे और योगेंद्र तिवारी ने सुनील तिवारी के माध्यम से बाबूलाल को पैसा दिया या नहीं, इस पर पार्टी श्वेत पत्र जारी करे.
- लैंड स्कैम की बात करने वाले जेपी नड्डा यह बताएं कि दुनिया का सबसे लैंड स्कैम केंद्र सरकार ने अडाणी के माध्यम से किया. एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की जमीन क्यों और किस आधार पर अडाणी को दे दी गयी.

ईडी को चुनौती, विश्वसनीयता पर उठाए सवाल

- नारायण राणे का संपत्ति ईडी ने भ्रष्ट्रचार के आरोप में जब्त कर लिया. इसके बाद किस आधार पर उन्हें केंद्र में मंत्री बना दिया गया.
- भ्रष्टाचार के आरोपी अजीत पवार जिस पर करोड़ों रुपए की अनियमितता पर ईडी ने कार्रवाई की. संपत्ति भी जब्त हुई, मगर किस आधार पर उन्हें महाराष्ट्र का उपमुख्यमंत्री बना दिया गया.
- गुजरात विद्युत विभाग ने अडाणी पर 3000 करोड़ अधिक बिलिंग का आरोप लगाया है. कोयला खरीदी गयी इंडिनोशिया से मगर बिलिंग ताईवान और अन्य जगह से हुई. यह पूरी तरह से मनी लॉन्ड्रिंग का मामला बनता है. सरकारी पैसों की हेरा-फेरी का मामला बनता है, इस पर ईडी ने क्या कारवाई की.
- देश में कई ऐसे मामले भाजपा शासित राज्य और केंद्र सरकार में अनियमितता के हर दिन आ रहे हैं, मगर ईडी मौन धारण किए हुए हैं, झारखंड में भी यही हो रहा है, इसलिए अब ईडी की साख पर सवाल खड़ा हो गया है. ईडी को अपनी विश्वनीयता साबित करनी होगी.

पीएम नरेंद्र मोदी पर भी झामुमो ने किया प्रहार

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि मिजोरम में एनडीए की सरकार है. वहां के सहयोगी दल ने पीएम को सार्वजनिक तौर पर कहा है कि आप यहां प्रचार के लिए न आएं, हम हार जाएंगे. यह बात किसी विपक्षी दल के नेता ने नहीं बल्कि एनडीए के सहयोगी दल के नेता ने सार्वजनिक रूप से कही है. यानी मतलब साफ है कि अब नेता और लोग पीएम और अमित शाह से परहेज करने लगे हैं. कनार्टक में पीएम जहां-जहां गए, वहां भाजपा चुनाव हार गयी. अमित शाह दिल्ली गए, भाजपा हार गयी. अब भाजपा नेता पूर्वोत्तर राज्य में जाने से बच रहे हैं. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री 15 नवंबर को रांची आ रहे हैं. बहुत अच्छी बात है. पिछली बार 15 नवंबर को बिरसा मुंडा जंयती पर जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया. इस बार किसी योजना को लॉन्च करने आ रहे हैं. चुनाव निकट आते ही अब पीएम को झारखंड की याद आने लगी है. पहले भाजपा ईडी, आईटी, सीबीआई का इस्तेमाल अपने लिए करती थी, अब राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति का भी इस्तेमाल चुनावी फायदे के लिए कर रही है.

रघुवर पर पुराने मामले की जांच चलती रहेगी, मगर बदले की भावना से कारवाई नहीं होगी

सुप्रियो ने पूर्व सीएम रघुवर दास को राज्य की राजनीति से बाहर करने पर कहा कि दरअसल भाजपा अब अपने नेताओं को बचाने के लिए सेफ जोन तलाश रही है. रघुवर को संवैधानिक पद पर बैठाना इसका प्रमाण है. रघुवर काल के जो पुराने मामले चल रहे हैं, वह चलती रहेगी, जांच में कोई आंच नहीं आएगी. मगर हमारी सरकार बदले की भावना से कोई कारवाई नहीं करेगी.

सेमीफाइनल में भारत : इंग्लैंड को भी हराया
टीम इंडिया ने लगाया 'जीत का सिक्सर'

वर्ल्ड कप में इंग्लैंड को 20 साल बाद हराया, शमी को 4 विकेट

लखनऊ. भारत ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 में लगातार छठी जीत हासिल की है. टीम ने इंग्लैंड को 100 रन से हराया. टीम इंडिया ने वर्ल्ड कप में इंग्लैंड को 20 साल बाद हराया है. टीम आखिरी बार 2003 में डरबन के मैदान पर 82 रन से जीती थी. लखनऊ के इकाना स्टेडियम में टीम इंडिया ने टॉस हारकर बल्लेबाजी की और 50 ओवर में 9 विकेट पर 229 रन बनाए. 230 रन का टारगेट चेज करने उतरी इंग्लैंड की टीम 34.5 ओवर में 129 रन बनाकर ऑलआउट हो गई. मोहम्मद शमी ने 4 और जसप्रीत बुमराह ने 3 विकेट झटके. जबकि कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा की स्पिन जोड़ी ने 3 बैटर्स को पवेलियन भेजा. भारतीय टीम अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के करीब पहुंच गई है. वहीं, इंग्लैंड की टीम टूर्नामेंट से बाहर होने के कगार पर आ गई है.

-विस्तृत खेल पेज पर

सर्राफा

सोना (बिक्री)	58,400
चांदी (किलो)	76,000

ब्रीफ खबरें

दो पैसेंजर ट्रेनें भिड़ीं 7 मरे, कई घायल

हैदराबाद। आंध्र के विजयनगरम जिले में दो ट्रेनों की टक्कर हो गई. हादसे में 7 लोगों की मौत की खबर है जबकि 40 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं. विशाखापत्तनम से आ रही यात्री ट्रेन रायगढ़ा जा रही थी. सूत्र ने बताया कि पैसेंजर और रगड़ा ट्रेन के बीच टक्कर हो गई. हादसे में तीन कोच क्षतिग्रस्त हुए. बचाव अभियान जारी है. सहायता और एम्बुलेंस के साथ स्थानीय प्रशासन और एनडीआरएफ राहत कार्य चला रहे हैं. दुर्घटना राहत ट्रेनें मौके पर पहुंच चुकी हैं.

नेतन्याहू ने एजेंसियों से माफी मांगी

येरूशलम। तीखी आलोचना के बाद इजराइल के पीएम नेतन्याहू ने अपने उस बयान के लिए माफी मांगी है, जिसमें उन्होंने हमास के हमले को रोकने में नाकामी को ले सुरक्षा एजेंसियों को दोषी माना था. उन्होंने 'एक्स' पर अपना मूल बयान हटाने के तुरंत बाद इसी मंच पर एक पोस्ट में कहा, मैं गलत था. प्रेसवार्ता के बाद मैंने जो बातें कही थीं, वह नहीं कही जानी चाहिए थी और मैं इसके लिए माफी मांगता हूं.

छग में राहुल गांधी ने की बड़ी घोषणा

राजनांदगांव। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को वादा किया कि यदि उनकी पार्टी छत्तीसगढ़ में सत्ता बरकरार रखती है, तो राज्य में मौजूदा स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत गरीबों को 10 लाख रुपए तक की मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी. राजनांदगांव जिला मुख्यालय और कवर्धा में चुनावी रैलियों में गांधी ने यह भी वादा किया कि भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपए दिए जाएंगे.

रंगदारी देने से इनकार करने पर व्यवसायी को गोली मारने का विरोध
व्यवसायी गुस्से में, दुकानें बंद रख धरना दिया

संवाददाता। धनबाद

अपराधियों द्वारा लगातार मिल रही धमकी व गोली कांड से धनबाद के व्यवसायी डरे हुए हैं. बैंक मोड़ मटकुरिया स्थित कार सेंटर के मालिक दीपक अग्रवाल को शनिवार रात अज्ञात अपराधियों ने रंगदारी नहीं देने पर गोली मार कर घायल कर दिया. गंभीर स्थिति में उन्हें जालान अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें कोलकाता रेफर कर दिया गया.

परिजनों के मुताबिक हालत स्थिर बनी हुई है. गोली उनकी गर्दन और जबड़े में लगी थी. व्यवसायी को गोली मारे जाने से व्यवसायी गुस्से में हैं. कारोबारियों ने रविवार को अपने प्रतिष्ठान बंद रखे और तीन घंटे धरने पर बैठकर पुलिस को अल्टीमेटम दिया. रणधीर वर्मा चौक पर धरना पर बैठे कई व्यवसायियों ने पुलिस को भी कोसा और उसके खिलाफ नारेबाजी की. व्यवसायियों के धरना में स्थानीय सांसद पीएन सिंह व विधायक राज सिन्हा भी शामिल हुए और पुलिस के साथ ही सरकार पर भी निशाना साधा. अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी. धरना-प्रदर्शन में जिले भर के व्यवसायी शामिल हुए.

पुलिस व अपराधियों के बीच सांठ-गांठ : पीएन सिंह

धरनास्थल पर सभा को संबोधित करते हुए सांसद पीएन सिंह ने कहा कि पुलिस और अपराधियों की सांठगांठ के कारण अपराध बढ़ रहे हैं. उन्होंने कहा कि नया बाजार के एक व्यापारी ने रंगदारी के लिए लगातार मिल रही धमकियों से परेशान होकर सुरक्षा की गुहार लगायी है. जब इसकी सूचना पुलिस पदाधिकारी को दी गई, तो तुरंत सांसद के पास फोन आया. फोन पर कहा गया- जय हिंद सर यह मेरा आदमी नहीं है.

तेज तर्रार अधिकारी की जरूरत : राज सिन्हा : चैंबर के आह्वान पर आयोजित धरना कार्यक्रम में विधायक राज सिन्हा ने कहा कि राज्य की विधि व्यवस्था चौपट हो गई है. डीजीपी से मिलकर कहा था कि धनबाद में एक तेज तर्रार अधिकारी की जरूरत है, जो क्राइम कंट्रोल कर सके. आपराधिक वारदातों पर पांच बार मुख्यमंत्री से भी मिला, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ. पूरा राज्य भय और आतंक के साए में जी रहा है.

अपराधियों का बोलबाला : चंद्रशेखर अग्रवाल : धरना स्थल पर पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल भी व्यापारियों को समर्थन देने पहुंचे. उन्होंने पुलिस पर हमला करते हुए कहा कि धनबाद में अपराधियों का बोलबाला है. कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई है. पुलिस को चूड़ी पहन लेनी चाहिए.

केरल में सीरियल ब्लॉस्ट
दो की मौत, 55 घायल

ईसाई कन्वेंशन सेंटर में एक के बाद एक हुए तीन धमाके

एजेंसी। कोच्चि

केरल के कलमश्शेरि में ईसाई समुदाय के एक सम्मेलन केंद्र में रविवार सुबह हुए धमाकों में एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई और 55 लोग घायल हुए हैं. घायलों में कई की हालत बेहद गंभीर है. केरल के डीजीपी शेख दरवेश साहब ने कहा कि विस्फोट आईईडी के कारण हुआ. कलमश्शेरि में ईसाई समुदाय के एक सम्मेलन केंद्र में उस वक्त धमाके हुए, जब सैकड़ों लोग प्रार्थना सभा के समापन पर एकत्र हुए थे. उन्होंने कहा कि जांच जारी है.

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने धमाके के बाद केरल के सीएम पिनराई विजयन से बात की और स्थिति का जायजा लिया. सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री के राज्य सरकार की मदद करने के निर्देश के बाद एनएसजी और एनआईए के दलों को केरल भेजा गया है. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जिस समय यह धमाके हुए उस समय कन्वेंशन सेंटर यहोवा के साक्षियों की प्रार्थना चल रही थी. धमाका हॉल के बीच में हुआ. सीएम पिनाराई विजयन ने घटना को बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना करार दिया.

शशि थरूर बोले- घटना से स्तब्ध और निराश : विस्फोटों पर दुख व्यक्त करते हुए कांग्रेस नेता शशि थरूर ने घटना की निंदा की और मामले में त्वरित पुलिस कार्रवाई की मांग की. सांसद ने कहा कि यहां धार्मिक सभा पर बम हमले से स्तब्ध और निराश हूं. मैं इसकी निंदा करता हूं और कार्रवाई की मांग करता हूं. मैं सभी नेताओं से इस बर्बरता की निंदा करने का आग्रह करता हूं.

संदिग्ध ने किया सरेंडर

केरल के एडीजीपी एमआर अजित कुमार ने कहा कि एक व्यक्ति ने कोडाकरा पुलिस स्टेशन में सरेंडर किया है. उसका दावा है कि ये धमाके उसी ने किए हैं. उसका नाम डोमिनिक मार्टिन है. वह सभा के एक ही समूह से थे. हम इसकी जांच कर रहे हैं. इससे पहले संदिग्ध ने फेसबुक पर लाइव पर आकर अपनी मंशा भी जाहिर की थी.

देश में बढ़ाई गई सुरक्षा

केरल में हुए सीरियल ब्लॉस्ट के बाद राजधानी दिल्ली समेत पूरे देश में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है. मुख्य बाजारों, गिरजाघरों, मेट्रो स्टेशनों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशनों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है. त्योहारी सीजन को देखते हुए पहले से ही अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है.

बड़ी पहल 31 मार्च 2024 तक दो लाख लोगों को मिलेगा आवास, 4106.67 करोड़ होंगे खर्च

हेमंत सरकार गरीबों को देगी 3 कमरे का मकान

प्रवीण कुमार। रांची

झारखंड के करीब 8 लाख लाभुकों को अबुआ आवास योजना का लाभ देने के लिए ग्रामीण विकास विभाग एक पोर्टल तैयार हो चुका है. इसे जैप आइटी के सहयोग से विकसित किया गया है. अगले 3 वर्ष में लगभग 16 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च कर राज्य सरकार अपनी निधि से जरूरतमंद लोगों को आवास उपलब्ध करवाएगी.

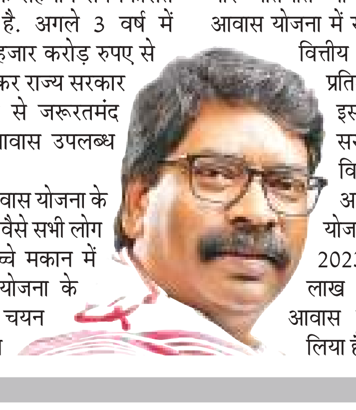

अबुआ आवास योजना के पात्र राज्य के वैसे सभी लोग होंगे, जो कच्चे मकान में रह रहे हैं. योजना के लाभुकों के चयन की प्रक्रिया राज्य स्थापना दिवस 15 नवंबर से शुरू की जाएगी. वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में केंद्र सरकार ने नये आवासों की स्वीकृति नहीं दी है. इसको लेकर राज्य और केंद्र सरकार के बीच कई बार बातचीत भी हुई. प्रधानमंत्री आवास योजना में राज्य सरकार की वित्तीय भागीदारी 40 प्रतिशत होता था. इसके बाद राज्य सरकार ने अपने वित्तीय स्रोत से अबुआ आवास योजना के तहत 2023-24 में दो लाख परिवारों को आवास देने का निर्णय लिया है.

- **3 साल में 16 हजार करोड़ से 8 लाख बेघरों को राज्य सरकार देगी अपना घर**
- **झारखंड स्थापना दिवस से शुरू होगी योजना, गरीबों को मिलेगी अपनी छत**

सरकार देगी घर बनाने के लिए दो लाख

अबुआ आवास योजना के तहत तीन कमरे के मकान के लिए प्रति आवास सरकार दो लाख रुपए लाभुकों को देगी. इस वित्तीय वर्ष में भी दो लाख आवास 31 मार्च 2024 तक स्वीकृत किए जाएंगे. इसमें 4106 . 67 करोड़ का खर्च आएगा. आगामी वित्तीय वर्ष 2024-25 में 3,50,000 आवास निर्माण की स्वीकृति दी जाएगी, जिसमें 7106.67 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे. वहीं, 2025-26 में 2,50,000 इकाई आवास स्वीकृत होंगे, जिसमें 5106.96 करोड़ रुपए खर्च होंगे. यानी अगामी तीन वर्षो में 16 हजार करोड़ से अधिक की राशि खर्च की जाएगी.

ग्रामीण विकास विभाग सॉफ्टवेयर डेवलप करेगा

लाभुकों के चयन के लिए ग्रामीण विकास विभाग ने सॉफ्टवेयर डेवलप कर लिया है. इसी से ग्रामसभा की अनुशंसा पर लाभुकों का चयन होगा. योग्य लाभुकों के आवेदन आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से लिया जाएगा. इसके लिए सुदूर इलाकों में शिविर लगेंगे, जहां लोगों से आवेदन लिए जाएंगे. इसे निर्धारित समय में पूरा किया जाएगा.

8 साल में सरकार ने 8294.21 करोड़ किए खर्च

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2016-17 से 23- 24 के बीच 15 लाख 82 हजार आवास स्वीकृत किए गए. इसमें राज्य सरकार ने 8294.21 करोड़ रुपये खर्च किए हैं. केंद्र संपोषित इस योजना में राज्य सरकार को 40% शेयर राज्य बजट से एलोकेशन करना होता है.

प्रधानमंत्री मोदी ने किया भगवान बिरसा को नमन

एजेंसी। नयी दिल्ली

मन की बात

- बिरसा की जयंती जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनेगी
- देश आदिवासी समाज का कृतज्ञ, जिन्होंने दिया बलिदान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा को नमन किया. वे आकाशवाणी पर रविवार को मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 106वीं कड़ी में देशवासियों से रूबरू थे. देशवासियों से अपने विचार साझा करते हुए मोदी ने आदिवासी समाज को भी नमन किया.

उन्होंने कहा कि भारत को अपनी संस्कृति को सुरक्षित करने वाले ऐसे हर प्रयास पर गर्व है, जो हमारी राष्ट्रीय एकता को मजबूती देने के साथ ही देश का नाम, देश का मान, सब कुछ बढ़ाते हैं. प्रधानमंत्री ने 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाये जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा हम सबके हृदय में बसे हैं और सकंल्प शक्ति पर अडिग रहना क्या होता है, यह हम उनके जीवन से सीख सकते हैं. इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने तिलका मांझी, टंट्या भील, वीर नारायण सिंह, वीर रामजी गोंड, वीर गुंडाधुर, भीमा नायक, कियांग नोबांग और रानी गाइदिन्ल्यू जैसे स्वतंत्रता सेनानियों को भी याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. उन्होंने कहा, देश अपने आदिवासी समाज का कृतज्ञ है, जिसने राष्ट्र के स्वाभिमान और उत्थान को हमेशा सर्वोपरि रखा है.

▼ ब्रीफ खबरें

कैमी से जारूलिया तक सड़क जर्जर

बहरागोड़ा। प्रखंड क्षेत्र के साकरा पंचायत अंतर्गत कैमी से जारूलिया तक सड़क पूरी तरह से जर्जर हो गई है. बनकटा पंचायत के कई गांवों को जोड़ने वाली यह मुख्य सड़क आवागमन करने वाले लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. विद्यार्थियों को स्कूल आने-जाने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है. आए दिन विद्यार्थी साइकिल से गिरकर घायल हो रहे हैं लेकिन इस सड़क की मरम्मत के लिए जनप्रतिनिधि से लेकर विभागीय अधिकारी तक कोई पहल नहीं कर रहा है.

एग्री क्लिनिक सेंटर पर सरसों बीज का वितरण

गढ़वा। अनुमंडल रंका एग्रीकल्चर क्लिनिक सेंटर पर किसानों के बीच 12 क्विंटल सरसों बीज का वितरण किया गया. रंका उतरी जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि राहुल तिवारी ने किसानों के बीच वितरण किया. मौके पर बीटीएम त्रिभुवन सिंह, प्रखंड समन्वयक कुणाल कुमार, एफटीसी सुदामा कुमार रवि, झामुमो के लवली उरांव, देवेन्द्र नाथ तिवारी, धर्मेन्द्र कुमार, जितेंद्र कुमार सहित काफी संख्या में किसान उपस्थित थे.

पंचायत सचिव को मुखिया ने दी विदाई

गावां। प्रखंड अंतर्गत सेरुआ पंचायत के पंचायत सचिव प्रभु हाजरा का तबादला कुछ दिन पहले हुआ. जिसके बाद रविवार को सेरुआ पंचायत के मुखिया गुरुसहाय रविदास द्वारा पंचायत सचिव को गुलदस्ता देकर विदाई दी गई, साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई. मुखिया गुरुसहाय रविदास ने बताया कि पंचायत सचिव प्रभु हाजरा के साथ लगभग दो माह काम करने का मौका मिला था. पंचायत सचिव प्रभु हाजरा ने कहा कि गावां प्रखंड कई वर्षों तक कार्य करने का मौका मिला.

स्ट्रोक दिवस पर लोगों को किया गया जागरूक

जमशेदपुर। विश्व स्ट्रोक दिवस के अवसर पर रविवार को एमजीएम के पूर्व डॉक्टर डॉ. निर्मल कुमार ने अपने बाराद्वारी स्थित क्लीनिक में लोगों को जागरूक किया. मौके पर चिकित्सकों के साथ-साथ मरीजों ने भी स्वस्थ्य जीवन शैली अपनाने का प्रण लिया. डॉ. निर्मल कुमार ने कहा कि इस भागदौड़ की जिंदगी मे जहां एक तरफ लोगों के खानपान में बदलाव हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ लोगों मे स्ट्रोक की समस्या बढ़ती जा रही है. व्यायाम से स्ट्रोक से बचा जा सकता है.

ईवीएम वेयर हाउस का किया निरीक्षण

पाकुड़। उपायुक्त- सह- जिला निर्वाचन पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार बरनवाल ने रविवार को ईवीएम वेयर हाउस के ऊपरी एवं नीचले तल्ले में बने ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया. निरीक्षण क्रम में डीसी ने ईवीएम वेयर हाउस के विधि व्यवस्था संबंधित आवश्यक पहलुओं की जांच की. ईवीएम वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी विकास कुमार त्रिवेदी से ली. ईवीएम मशीन, सीसीटीवी एवं अन्य उपकरणों की स्थिति तथा रखरखाव का जायजा लिया.

नाडेफ के निर्माण में अनियमितता का आरोप

चंदवा। प्रखंड क्षेत्र के बोदा पंचायत अंतर्गत लुकुईया गांव में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के द्वारा (कचरा प्रबंधन के लिए) नाडेफ का निर्माण करवाया जा रहा है. इस कार्य के लिए दुमका से ठेकेदार ने मजदूरों को बुलवाया है. इससे आसपास के ग्रामीण नाराज हैं. ग्रामीणों का कहना है कि गांव के लोगों को काम नहीं मिल रहा है और गांव में चल रहे योजनाओं में ठेकेदार बाहर से मजदूर बुलवाकर मनमाने ढंग से घटिया निर्माण करवा रहे हैं.

मतदाता पुनरीक्षण कार्य के तहत शिविर आयोजित

लातेहार। मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2024 के तहत दूसरे दिन भी 29 अक्टूबर को जिले के मतदान केंद्रों में विशेष शिविरों का आयोजन किया गया. शिविर में बीएलओ के द्वारा मतदाता सूची में नाम जोड़ना, विलोपित करना और त्रुटि सुधार का कार्य किया गया. लातेहार शहरी क्षेत्र के पर्यवेक्षक अतुल कुमार ने बताया कि चंदनडीह, अंबाटीकर, राजहार व डूरुआ समेत सभी मतदान केंद्रों में मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम-2024 के तहत कार्य किया गया.

जहां मर्जी शिकायत करो, प्रति बोतल 20 रुपये ज्यादा देने होंगे

संवाददाता । आदित्यपुर

जहां मर्जी शिकायत करो पर प्रति बोतल 20 रुपये ज्यादा देना होगा, यह कहना है सरकारी दुकानों में शराब बेच रहे दुकानदारों और वहां काम कर रहे कर्मचारियों का. यह हाल आदित्यपुर के प्रत्येक शराब दुकानों का है. यहां न कोई प्राइस लिस्ट बोर्ड है न ही ग्राहकों को कैशमेमो दिया जाता है.

इस वजह से रोज ग्राहकों के साथ दुकानदारों की बकझक होती है. ज्यादा कीमत लेने की शिकायत पर एक दुकान के कर्मचारी ने कहा कि 12 घंटे की नौकरी है, किंतु हमें 9000 रुपये प्रतिमाह मिलते हैं, जो न्यूनतम मजदूरी से भी कम है. इसलिए ज्यादा कीमत वसूलते हैं. बता दें कि आदित्यपुर में सरकारी दुकानों में शराब की अधिक कीमत वसूलने की काफी दिनों से शिकायत मिल रही है.

दुकान में शराब खरीदने आए ग्राहकों ने नाम और फोटो न छापने की शर्त पर बताया कि उनसे प्रति शराब की बोतल 20 रुपये अधिक ली जा रही है. चाहे क्वार्टर की बोतल हो या हाफ या फिर फुल.

खास बातें

- सरकारी दुकानों में शराब बेच रहे दुकानदारों की मनमानी
- न कोई प्राइस लिस्ट है और न ही मिलती है कैशमेमो

फुटपाथों पर करते हैं सेवन

आदित्यपुर के फुटपाथों पर शाम ढलते ही भुंजा दुकान, अंडे के ठेले, पार्कों आदि में शराब के शौकीन युवा खुलेआम शराब का सेवन करते हैं. इससे महिलाओं और बच्चों, खासकर ट्यूशन आदि पढ़ने जाने वाले विद्यार्थियों के मनमस्तिष्क पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है. हालांकि पुलिस सख्ती बरतती है, लेकिन वह नाकाफी साबित हो रहा है.

क्या कहते हैं दुकानदार

सरकारी शराब की दुकान में शराब बेच रहे युवक से पूछने पर बताया कि वे महज 9000 रुपये प्रतिमाह के पगार पर नौकरी कर रहे हैं. उन्हें 11000 रुपये देने की बात हुई थी, लेकिन 9000 रुपये ही मिल रहे हैं. दुकानदार ने यह बात कबूल की कि वे प्रति बोतल 10 रुपये अधिक लेते हैं चूंकि उन्हें तो सरकार न्यूनतम मजदूरी तक नहीं देती है.

आओ जानें

इतिहास के तथ्य

1. जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ अमेरिका की जानकारी के अनुसार, 1896 तक, भारत दुनिया के लिए हीरे का एकमात्र स्रोत था.
2. भारत ने अपने पिछले 10000 वर्षों के इतिहास में कभी किसी देश पर आक्रमण नहीं किया.
3. लगभग 300 वर्ष तक भारत पर किसी ने आक्रमण नहीं किया था लेकिन 1000 ई. में अफगानिस्तान के महमूद गजनबी ने भारत पर आक्रमण कर बहुत वध किए तथा भारतीय खजाने को लूटा.
4. अमेरिका के स्वतंत्र होने तथा भारत के परतंत्र होने का समय लगभग एक ही था.
5. प्रारंभ में ईस्ट इंडिया कंपनी भारत से माल लेकर यूरोप में व्यापार करती थी.
6. इंग्लैंड का भारत में आगमन सन 1600 ई- में रानी एलिजाबेथ के समय में हुआ था.
7. अंग्रेजों ने पाश्चात्य संस्कृति को भारत में लाने के लिए बहुत अधिक प्रयास किये.

132 केवी डीसी चंदनकियारी-गोविंदपुर ट्रांसमिशन लाइन चार्ज

झारखंड ट्रांसमिशन निगम की डीवीसी पर निर्भरता होगी खत्म!

कौशल आनंद। रांची

झारखंड ट्रांसमिशन निगम ने अपने नाम एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है. ट्रांसमिशन निगम ने डीवीसी पर निर्भरता खत्म करने के लिए नया आयाम हासिल किया है. निगम ने बंगाल में 24 टॉवर समेत कुल 275 टॉवर तैयार कर 132 केवी डीसी चंदनकियारी-गोविंदपुर ट्रांसमिशन लाइन को मानक वोल्टेज पर पिछले दिनों चार्ज कर दिया.

जानकारी के अनुसार डीवीसी कमांड एरिया में अब जेबीवीएनएल खुद विद्युत आपूर्ति कर सकता है. कहा जा रहा है कि डीवीसी कमांड एरिया के प्रमुख जिलों में इससे बिजली की आपूर्ति बेहतर होगी. साथ ही डीवीसी की बकाया राशि को लेकर बार-बार उठने वाले विवाद से भी बचा जा सकेगा. मालूम हो कि डीवीसी के बकाये को लेकर केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच आये दिन खींचतान होती रहती है. बता दें कि केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय ने राज्य सरकार के आरबीआई खाते से बकाये का पैसा सीधे काट लिया था. इससे भारी विवाद पैदा हुआ था. बाद में किस्तों में राज्य सरकार ने भुगतान किया. इन सबके बीच राज्य में बिजली की आधारभूत संरचना को मजबूत करने पर फोकस किया गया.

बंगाल सरकार से सहमति और तालमेल बना कर तैयार की गयी ट्रांसमिशन लाइन

इस योजना के शुरुआती चरण में चंदनकियारी-गोविंदपुर ट्रांसमिशन लाइन को लेकर बंगाल सरकार के साथ जिच हुई थी. पुरुलिया जिला प्रशासन से टॉवर लगाने की अनुमति नहीं मिल पा रही थी. इसे देखते हुए दोनों राज्यों के बीच बेहतर समन्वय की पहल की गयी. इसमें बंगाल सरकार से पूरी मदद मिली और 67.3 किलोमीटर लंबी ट्रांसमिशन लाइन का काम संपन्न हो गया. यह लाइन साढ़े पांच किलोमीटर बंगाल से होकर गुजरी है. बंगाल में झारखंड के कुल 24 ट्रांसमिशन टॉवर लगाये गये हैं. चंदनक्यारी-गोविंदपुर ट्रांसमिशन लाइन में कुल 275 टॉवरों का निर्माण किया गया है. इस लाइन के रास्ते में रेलवे क्रॉसिंग, राष्ट्रीय उच्च पथ आदि हैं.

ऊर्जा सचिव और एमडी ने पूरी टीम को दी बधाई

शनिवार को यह जानकारी जैसे ही राज्य ऊर्जा विकास निगम मुख्यालय पहुंची, तो ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव सह सीएमडी राज्य ऊर्जा विकास निगम अविनाश कुमार ने इस कार्य में लगी पूरी टीम को बधाई दी. ऊर्जा संचरण निगम के प्रबंध निदेशक केके वर्मा ने कहा कि यह राज्य सरकार की बड़ी उपलब्धि है. कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर पूरी टीम ने इस बड़ी जिम्मेदारी को निभाया है. इस महत्वपूर्ण योजना के रास्ते में कई बाधाएं आयी, लेकिन अंततः योजना पूरी हो गई. इस ट्रांसमिशन लाइन के जरिए गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति होगी. सबसे बड़ी बात यह कि इससे डीवीसी पर निर्भरता खत्म हो जाएगी. इसे राज्य में बिजली कीआधारभूत संरचना के निर्माण में मील का पत्थर माना जा रहा है.

योजना के प्रमुख बिंदु

- चंदनक्यारी-गोविंदपुर ट्रांसमिशन लाइन
- पूरी लंबाई - 67.3 किलोमीटर
- कुल टॉवर - 275
- बंगाल में टॉवर – 24
- बंगाल में लंबाई - 5.5 किलोमीटर

शुक्रवार की शाम को हाथियों ने एक वृद्ध की जान ले ली थी

हाथियों का आतंक जारी, किया हमला

संवाददाता । लातेहार

जिले के गारू और सरयू प्रखंड क्षेत्रों में हाथियों का आतंक जारी है. लोगों का कहना है कि अपने झुंड से बिछुड़े दो हाथी क्षेत्र में तबाही मचा रहे हैं. न सिर्फ घर व फसलों को नुकसान कर रहे हैं बल्कि ग्रामीणों पर भी हमला कर रहे हैं. शुक्रवार की शाम इन हाथियों ने एक वृद्ध सुखलाल सिंह की पटक-पटककर जान ले ली थी. सुखलाल सिंह अपने भाई विफन सिंह के साथ सरयू बाजार से अपने घर लौट रहा था, इसी दौरान कबरी के पास हाथियों ने हमला कर दिया था. विफन सिंह ने किसी प्रकार झाड़ियों में छिप कर अपनी जान बचायी.

वन विभाग ने सहयोग का दिया भरोसा

घटना के दूसरे दिन शनिवार की शाम एक बार फिर हाथियों ने क्षेत्र में तबाही मचायी है. सरयू प्रखंड के कोरवा टोली में हाथियों ने एक घर को ध्वस्त कर दिया. इसी क्रम में हाथियों ने एक व्यक्ति को घायल भी कर दिया. उन्होंने किसी प्रकार वहां से भाग कर अपनी जान बचायी. वन के क्षेत्र पदाधिकारी नंद कुमार मेहता ने उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा. उन्होंने पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद का भरोसा दिया. जानकारी मिलने पर जिप सदस्य कन्हाई सिंह और विनोद उरांव सदर अस्पताल पहुंचे.

जलहन टोला के हर घर में पहुंचा जल, खुशी की लहर

गुमला। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के निर्देश पर घाघरा प्रखंड की सारंगों पंचायत के जलहन टोला में जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल योजना के तहत सभी 16 घरों में पानी कनेक्शन दे दिया गया है. पिछले माह 9 सितंबर को उपायुक्त क्षेत्र भ्रमण के दौरान जलहन टोला गये थे. वहां पेयजल की समस्या से अवगत हुए थे. इसके त्वरित निवारण के लिए पीएचइडी को निर्देश दिया. इसके एक माह के पश्चात अब इस पीवीटीजी ग्राम के सभी 16 घरों को जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल योजना से जोड़ा जा चुका है. ग्रामीणों को उपायुक्त के निर्देश के संबंध में अन्य सरकारी लाभों से भी जोड़ने की प्रक्रिया चल रही है.

फोन करने के बाद भी नहीं मिली 108 एंबुलेंस

संवाददाता । जामताड़ा

नारायणपुर थाना क्षेत्र के मोहनपुर एकतारा के समीप सड़क दुर्घटना में दो महिलाएं एवं एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना रविवार की सुबह 11:00 बजे की है. नाला थाना क्षेत्र के शहरजोरी गांव निवासी शांतिलाल दास अपनी मां, पत्नी और बच्ची के साथ अपने ससुराल नारायणपुर थाना क्षेत्र के भेला टांड गांव आ रहे थे. इसी दौरान बाइक अनियंत्रित होकर गिर गए. इसमें उनकी मां ब्लू देवी लाहा पत्नी माधुरी कुमारी दास एवं बच्ची अर्बिका लाह गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना के बाद बुधुडीह के उप मुखिया विकास दास एवं ग्रामीणों ने मिलकर सामुदायिक स्वास्थ्य

नारायणपुर लाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया. उप मुखिया विकास दास ने कहा कि घटनास्थल से कई बार 108 एंबुलेंस को फोन किया गया लेकिन कोई जवाब नहीं मिला. जिसके बाद निजी वाहन से अस्पताल पहुंचाया, डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार करने के बाद बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर कर दिया है.

स्टेट बैंक के केसीसी कैंप में 25 किसानों ने भरा फॉर्म

संवाददाता । गढ़वा

भारतीय स्टेट बैंक की रंका शाखा ने रंका कला पंचायत भवन में घर-घर केसीसी कैंप का आयोजन किया. इस कैंप में 25 किसानों ने किसान क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन किया. मौके पर रंका एसबीआई शाखा प्रबंधक दिलीप कुमार मिश्रा ने कहा कि जिन किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत एक वर्ष में छ हजार रुपये मिलते हैं, उन किसानों को प्राथमिकता के आधार पर केसीसी फॉर्म भर कर लाभान्वित किया जायेगा. साथ ही जो किसान केसीसी ऋण नहीं लेना चाहते हैं उन्हें एक फॉर्मेट में नहीं लेने की बात को लिखना होगा क्योंकि यह प्रधानमंत्री मोदी जी का संदेश है. उन्होंने कहा कि रंका एसबीआई में पांच हजार से अधिक किसानों को केसीसी मिलता है. इस अवसर पर एसबीआई शाखा प्रबंधक दिलीप कुमार मिश्रा, सत्यप्रकाश, राहुल कुमार, मुखिया प्रतिनिधि राजेश कुमार मद्धेशिया, सीसी सुनिल पाण्डेय, राजनाथ चौधरी, बुल्लू चौधरी, सुनील माली, संतोष चंद्रवंशी सहित काफी संख्या में किसान उपस्थित थे.

खास बातें

- किसान क्रेडिट कार्ड के लिए कृषकों ने किया आवेदन
- रंका एसबीआई में पांच हजार किसानों को मिलता है केसीसी

खतियान संघर्ष समिति की जनसभा में उमड़ी भीड़

राजगंज (धनबाद)। झारखंडी खतियान संघर्ष समिति ने बदलाव संकल्प महासभा का आयोजन राजगंज के हाई स्कूल मैदान में किया. इस संकल्प महासभा में तकरीबन 50 हजार लोगों की भीड़ उमड़ी. संकल्प महासभा में खतियानी संघर्ष समिति के चर्चित नेता जयराम महतो का जोरदार स्वागत किया गया. सभा को संबोधित करते हुए जयराम महतो ने कहा कि झारखंड केकरो बाप के नाय. हमें अपना हक खुद लेना होगा. इसको लेकर युवाओं को आगे आना होगा. जयराम ने जल, जंगल, जमीन की रक्षा, खतियान आधारित नीति लागू करने, बड़े उद्योगों को बचाने और विस्थापितों को शत प्रतिशत नौकरी, किसानों के लिए नई उत्पादन नीति और तकनीक, आदिवासियों के हित में सीएनटी और एसपीटी का प्रचार- प्रसार और झारखंड की लोक संस्कृति का संरक्षण करने की मांग की. भीड़ को अनियंत्रित होता देख जयराम मंच से नीचे उतर भीड़ में पहुंच गये और लोगों से जहां जगह मिले बैठने की अपील की.

आयुष्मान भारत योजना के तहत कराया जाएगा निःशुल्क ऑपरेशन

7 डॉक्टरों ने की 382 मरीजों की स्वास्थ्य जांच

संवाददाता । चाकुलिया

प्रखंड के पहाड़ पर स्थित तथा पश्चिम बंगाल की सीमा से सटे घाघरा में रविवार को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित हुआ. इस शिविर में 7 अनुभवी चिकित्सकों के द्वारा 382 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें चिकित्सीय सलाह प्रदान की गई. मरीजों को निःशुल्क दवाईयां भी प्रदान की गयीं. शिविर में रक्त जांच तथा रक्तचाप जांच की निःशुल्क व्यवस्था थी.

पूर्णिमा नेत्रालय के नेत्र चिकित्सकों ने नेत्र रोगियों की जांच की. मोतियाबिंद से ग्रस्त 23 नेत्र रोगियों का आयुष्मान भारत योजना के तहत पूर्णिमा नेत्रालय में निःशुल्क ऑपरेशन कराया जायेगा. भारत सरकार के प्रमुख उद्यम राइट्स लिमिटेड के सहयोग से प्रमुख स्वयं सेवी संस्था सिटिजन्स फाउंडेशन के द्वारा इस स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया.

बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर शिविर का उद्घाटन

पंचायत प्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर तथा पुष्प अर्पित कर स्वास्थ्य शिविर का औपचारिक उद्घाटन किया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. गोस्वामी ने कहा कि सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को पहुंचाना स्वास्थ्य शिविरों का उद्देश्य है. स्वस्थ जीवन मनुष्य की सबसे बड़ी संपति है. उन्होंने स्वास्थ्य शिविर के आयोजन में युवाओं की सक्रिय भागीदारी की प्रशंसा की. कार्यक्रम को मुखिया जादुनाथ हेम्ब्रम, पंचायत समिति सदस्य मोहिनी मोहन महतो, भाजयुमो जिला अध्यक्ष रंगलाल महतो, देवेन्द्र नाथ महतो, विमल कुमार महतो, दिलीप कुमार महतो, देवाशीष मंडल, महादेव महतो, सरोजीत गोप, लखिन्दर कपाट, चंडी चरण मुंडा, शत्रुघ्न मुंडा, मणिन्द्र नाथ महतो ने संबोधित किया. कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला उपाध्यक्ष हरिसाधन मल्लिक ने किया.

गोमो सामुदायिक केंद्र में लगा रक्तदान शिविर

गोमो। रेलवे के सामुदायिक केंद्र में नमस्ते भारत संस्था के द्वारा महिला सशक्तिकरण और मां काली आजीविका सखी मंडली के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. जिसमें महिलाएं एवं पुरुषों ने बढ़-चढ़कर रक्तदान किया. इस मौके पर संस्था के सहयोगी कन्हैया कुमार पूर्व मुखिया रवि सिंह ने कहा कि रेल नगरी गोमो में जागरूकता के अभाव में ऐसे कार्यक्रम नहीं होते थे, परंतु पिछले कुछ वर्षों में लोग जागरूक हुए हैं और बढ़-चढ़कर रक्तदान करते हैं. साल भर में गोमो में तीन रक्तदान शिविर का सफल आयोजन हुआ है. ब्लड बैंक से मरीजों की जान बचाने के लिए विकट परिस्थिति में ब्लड मुहैया कराया जाता है. दोपहर तक 60 लोगों ने रक्तदान देने के लिए नाम दर्ज कराया. रक्तदान शिविर का संचालन मेडिकल टीम जलान ब्लड बैंक धनबाद के डॉ. डीएन सिंह, सोनू मुन्ना, सरोज कुमार, संजू कुमार, प्रदीप मरांडी के द्वारा किया गया.

बालू माफियाओं द्वारा कई जगहों पर अवैध रूप से बालू का किया जाता है भंडारण

थमने का नाम नहीं ले रहा है अवैध बालू का कारोबार

संवाददाता । चाकुलिया

प्रखंड के श्यामसुंदरपुर थाना क्षेत्र स्थित चंदनपुर में स्वर्णरेखा नदी घाट से बालू का अवैध उत्खनन और और परिवहन का खेल प्रशासन के तमाम प्रयासों के बावजूद थमने का नाम नहीं ले रहा है. माफियाओं द्वारा कई जगहों पर अवैध रूप से बालू का भंडारण किया गया है. यहां से बालू को ट्रैक्टर और हाइवा से अन्यत्र ले जाया जा रहा है. ट्रैक्टरों द्वारा बालू को खुलेआम चाकुलिया लाया जा रहा है. विगत दिनों चाकुलिया के अंचल अधिकारी द्वारा श्याम सुंदरपुर थाना क्षेत्र में अवैध बालू के उत्खनन और भंडारण के खिलाफ कार्रवाई की गई थी. बावजूद कोई असर नहीं पड़ा है. जानकारी के मुताबिक बालू लदे हाईवे और ट्रैक्टर थाना से महज कुछ दूरी पर स्थित पिताजुड़ी चौक से होकर विभिन्न स्थानों पर जाते हैं. यहां से रोजाना दर्जनों ट्रैक्टर बालू लेकर चाकुलिया बाजार क्षेत्र में आते हैं. बालू से लदे ट्रैक्टर हवाई पट्टी होते हुए अंचल सह प्रखंड कार्यालय से सटी सड़क से होकर गुजरते हैं.

खास बातें

- स्वर्णरेखा के विभिन्न घाटों पर धड़ल्ले से अवैध उत्खनन
- बालू लेकर चाकुलिया बाजार क्षेत्र में आते हैं दर्जनों ट्रैक्टर

कसमार में अवैध बालू लदे तीन ट्रैक्टरों को सीओ ने पकड़ा

कसमार। बोकारो जिले के कसमार, पेटरवार, बेरमो समेत अन्य प्रखंडों में अवैध बालू की तस्करी का खेल वर्षों से चल रहा है. रविवार अहले सुबह पेटरवार थानाक्षेत्र के खेतको के दामोदर से अवैध बालू लादकर कसमार लाने के क्रम में ट्रैक्टरों को कसमार सीओ सुरेश कुमार सिन्हा ने तीन ट्रैक्टर को पकड़ लिया. सभी ट्रैक्टर खेतको गांव के बताए जाते हैं. इनमें से स्वराज, आइसर एवं पावरटेक कंपनी की जब्त तीनों ट्रैक्टर बगैर नंबर वाले हैं. बताया जाता है कि खेतको व आसपास के गांव के दर्जन भर ट्रैक्टर हर रोज रात में अवैध बालू का उठाव कर उसे कसमार, पेटरवार व जरीडीह प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में महंगे दामों में बालू की बिक्री करते हैं. इसकी शिकायत मिलने के बाद कसमार में नव पदस्थापित सीओ सुरेश कुमार सिन्हा एवं कसमार पुलिस रविवार को अहले सुबह ही औचक निरीक्षण के लिए निकले. इस बीच खेतको से बालू लेकर आ रहे तीनों ट्रैक्टरों को धर दबोचा. कसमार सीओ के निर्देश पर अवैध बालू उत्खनन का मामला कसमार थाना में दर्ज करते हुए तीनों ट्रैक्टरों को जब्त कर लिया गया है. तीनों ट्रैक्टर के चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गए. मालूम हो कि कसमार समेत आसपास के थानाक्षेत्र में अवैध बालू समेत कोयले की ढुलाई का काम लंबे समय से चल रहा है.

अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई जारी, हाइवा जब्त

संवाददाता । पलामू

उपायुक्त शशि रंजन के निर्देश पर जिला खनन पदाधिकारी आनंद कुमार अवैध खनन, परिवहन और भंडारण को लेकर लगातार कार्रवाई कर रहे हैं. इसी क्रम में डीएमओ ने कार्रवाई करते हुए अवैध पत्थर लदा हाइवा जब्त किया. वाहन मालिक, चालक, शिवालया कंस्ट्रक्शन के संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ पिपरा थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है. पिपरा थाना प्रभारी को सूचना मिल रही थी कि एनएच 98 फोरलेन निर्माण कार्य में अवैध रूप से पत्थर तोड़कर ले जाया जा रहा है. सूचना पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया. इसी दौरान पत्थर लदा हाइवा को जब्त किया गया. कागजात की मांग की गई तो चालक द्वारा कोई भी कागजात उपलब्ध नहीं कराया गया.

खास बातें

- संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ पिपरा थाना में प्राथमिकी दर्ज
- कोई भी कागजात उपलब्ध नहीं करा पाए चालक

दोषियों पर होगी कार्रवाई : आनंद

जिला खनन पदाधिकारी आनंद कुमार ने कहा कि अवैध पत्थर का परिवहन किया जाना गंभीर मामला है. मामले की पूरी गहनता के साथ जांच की जाएगी. अवैध कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

ब्रीफ खबरें

संकल्प यात्रा सफल झामुमो हताश: भाजपा

रांची। भाजपा के प्रदेश महामंत्री प्रदीप वर्मा ने झामुमो प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि झामुमो संकल्प यात्रा की सफलता से हताश और निराश है. झामुमो अपने खिसकते जनाधार से परेशान है. जनता में हेमंत सरकार के लूट, झूठ, भ्रष्टाचार का पर्दाफाश हो चुका है. उन्होंने कहा कि नाम बदलकर आदिवासियों की जमीन लूटने वाले का परेशान होना स्वाभाविक है. तुष्टिकरण से प्रदेश को अराजकता में झोंकने वाले परेशान होंगे ही.

3 दिसंबर को जदयू का कोल्हान में सम्मेलन

रांची। जदयू चला गांव की ओर के मंत्र के साथ पार्टी को पंचायत स्तर तक मजबूत करना है. यह बात पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद खीरू महतो ने कोल्हान प्रमंडल में 3 दिसंबर को आयोजित प्रमंडलीय सम्मेलन से पूर्व रांची में बैठक के दौरान कही. कहा कि सामाजिक न्याय के साथ विकास के रास्ते संगठन को आगे बढ़ाएंगे. प्रमंडलीय सम्मेलन की शुरुआत वीर शहीदों की धरती कोल्हान से की जा रही है. इस्पात नगरी में मजबूत इरादों के साथ पार्टी आगे बढ़ेगी.

कफन सत्याग्रह का समर्थन करेगी माकपा

चंदवा। माकपा के जिला सचिव सुरेंद्र सिंह, अंचल सचिव बैजनाथ ठाकुर, वरिष्ठ नेता रसीद मियां ने सोमवार से होने वाले कफन सत्याग्रह का समर्थन करने की घोषणा की है. इसको लेकर एक प्रेस विज्ञप्ति जारी किया है. बता दें कि टोरी चंदवा में फ्लाई ओवरब्रिज और फुट ओवरब्रिज निर्माण शुरू कराने को लेकर सोमवार से पंचायत समिति सदस्य अयूब खान कफन सत्याग्रह करेंगे. माकपा ने कहा है कि निर्माण को लेकर पार्टी दशकों से आंदोलन कर रही है.

आसपा का सदस्यता ग्रहण सम्मेलन

घाटशिला। आजाद समाज पार्टी (का) जिला कमेटी की ओर से मारवाड़ी पंचायती धर्मशाला में सदस्यता ग्रहण सह कार्यकर्ता सम्मेलन रविवार को आयोजित की गई. कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कासीफ रजा उपस्थित थे. काशिफ रजा ने कहा कि पिछले 23 वर्षों से भीम आर्मी दलित पिछड़े अल्पसंख्यक वर्ग के लिए लगातार संघर्ष करते आ रही है. अब समय आ गया कि ऐसे लोगों के हक और अधिकार के लिए अपनी सरकार हो.

मरांडी ने कार्यकर्ताओं के साथ सुनी मन की बात

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने रांची के विद्यानगर में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 106वें संस्करण को सुना. मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने झारखंड के वीर सपूतों को नमन किया. कहा कि 15 नवंबर को पूरा देश जनजातीय गौरव दिवस मनाएगा. यह विशेष दिन भगवान बिरसा मुंडा की जयंती से जुड़ा है. सच्चा साहस क्या है और अपनी संकल्प शक्ति पर अडिग रहना किसे कहते हैं, ये हम उनके जीवन से सीख सकते हैं.

सत्य प्रकाश जदयू के पूर्वी सिंहभूम प्रभारी बने

आदित्यपुर। आदित्यपुर निवासी और समाजवादी नेता स्वर्गीय रामपारस सिन्हा के पुत्र सत्य प्रकाश को जेडीयू प्रदेश अध्यक्ष खीरु महतो ने पूर्वी सिंहभूम जिले का प्रभारी बनाया है. बता दें कि पिछले दिनों ही सत्य प्रकाश को प्रदेश सचिव मनोनीत किया गया था. समाजवादी विचारधारा के प्रवर्तक सत्य प्रकाश प्रवीण सेवा संस्थान के महासचिव भी हैं. उन्होंने बताया कि जो जिम्मेदारी उन्हें संगठन ने सौंपी है, उसमें वे पूरी तरह खरा उतरेंगे.

भाजमो के उपाध्यक्ष बने पंचानन सिंह

रांची। भारतीय जनतंत्र मोर्चा ने संगठन का विस्तार किया है. तीन लोगों की संगठनात्मक नियुक्ति की गई है.

पंचानन सिंह को पार्टी का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है. वहीं निशि पांडेय महासचिव बनाई गई हैं. सौमेन दत्ता को सचिव बनाया गया है. पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी के निर्देश पर ये नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है.

झारखंड के सभी प्रखंडों से लाई मिट्टी दिल्ली के अमृत वाटिका में पहुंचेगी

312 अमृत कलश लेकर 641 स्वयंसेवक दिल्ली रवाना

प्रमुख संवाददाता। रांची

खास बातें

- भाजपा ने मेरी माटी मेरा देश के तहत अभियान चलाया
- केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा सहित सांस0-विधायक रहे मौजूद

मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत भाजपा ने राज्य के गांव-गांव से लाई गई मिट्टी से भरे अमृत कलश को स्पेशल ट्रेन से नई दिल्ली भेजा. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा समेत भाजपा के सांसदों- विधायकों ने रांची रेलवे स्टेशन से 312 अमृत कलश को दिल्ली के लिए रवाना किया. हाथ में तिरंगा लेकर गाजे-बाजे के साथ सभी स्वयंसेवक दिल्ली के लिए रवाना हुए. कलश के साथ 641 स्वयंसेवक दिल्ली गये हैं. इनमें से 636 पुरुष और 5 महिला स्वयंसेवक हैं. सभी जिलों के अध्यक्ष, जिला महामंत्री और सभी प्रखंडों से दो-दो कार्यकर्ता कलश के साथ दिल्ली गये हैं. स्वयंसेवकों की समन्वय टोली में प्रदेश मंत्री सुबोध सिंह गुड्डू, बबन गुप्ता, सूरज गुप्ता, भरत यादव, महादेव दुबे, मनीर उरांव, गुंजन यादव, केके गुप्ता, अमृत पांडेय समेत अन्य शामिल हैं.

अमृत वाटिका को अमरता प्रदान करेंगी गांव-गांव की

इस मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि नई दिल्ली में बनने वाले अमृत वाटिका का निर्माण भारत की राष्ट्रीय एकात्मता को मजबूती प्रदान करेगा. गांव-गांव की मिट्टी अमृत वाटिका को अमरता प्रदान करेगी. उन्होंने कलश लेकर नई दिल्ली जाने वाले पार्टी के सभी जिलाध्यक्ष एवं सभी प्रखंडों के कार्यकर्ताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी.

अमृत काल भारत का है : अर्जुन मुंडा

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में आज भारत दुनिया का मार्गदर्शन कर रहा है. उन्होंने कहा कि अमृत काल आत्मनिर्भर भारत का काल है. यह एक भारत श्रेष्ठ भारत का काल है. प्रधानमंत्री के आह्वान पर गांव-गांव से संग्रहित पवित्र मिट्टी, शहीदों की धरती की मिट्टी एक भारत श्रेष्ठ भारत की खुशबू बिखेरिगी.

आओ जानें

मझगांव विधानसभा से कब कौन जीतकर पहुंचे झारखंड विधानसभा

वर्ष	पार्टी	विधायक
2000	भाजपा	बड़कुंवर गगराई
2005	झामुमो	निरत पूर्ति
2009	भाजपा	बड़कुंवर गगराई
2014	झामुमो	निरल पूर्ति
2019	झामुमो	निरल पूर्ति

लोकसभा चुनाव : झारखंड 'इंडिया' गठबंधन में शामिल हैं नौ दल

सीट बंटवारे पर रार की आशंका

कौशल आनंद। रांची

कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय के बयान के बाद झारखंड इंडिया गठबंधन में गांठ पड़ती दिख रही है. आने वाले दिनों में झारखंड में 'इंडिया' के लिए सीट शेयरिंग पर विवाद और बढ़ने की संभावना है. अभी तो सबसे बड़ा सवाल यह बनकर उभर आया है कि झारखंड 'इंडिया' गठबंधन में बड़ा भाई कौन है. झारखंड विधानसभा चुनाव में पूर्ववर्ती यूपीए गठबंधन में झामुमो विधानसभा में सबसे अधिक सीट लाकर घोषित रूप से बड़े भाई की भूमिका में आ गया है. इसका दावा भी झामुमो समय-समय पर करते आया है. यही कारण है कि कई मौके पर झामुमो ने दोहराया कि आज की तारीख में झारखंड की राजनीतिक परिस्थिति पूरी तरह से बदल चुकी है. इसलिए पिछले लोकसभा का समीकरण और सीट शेयरिंग का फर्मूला नहीं चलेगा. मगर लंबे समय तक खामोश रहने के बाद अंततः झारखंड के राष्ट्रीय नेता महासचिव एवं झारखंड प्रभारी अविनाश पांडेय ने गत शुक्रवार को धनबाद में नौ सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कह दी. इसके साथ ही कांग्रेस ने यह भी अप्रत्यक्ष तौर पर स्पष्ट कर दिया कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ही बड़े भाई की भूमिका में रहेगी. इससे साफ है कि आने वाले दिनों में 'इंडिया' गठबंधन में सीटों को लेकर रार बढ़ेगी.

कांग्रेस प्रभारी के बयान को झामुमो ने कार्यकर्ताओं का दबाव बताया : कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय के बयान पर झामुमो ने नपा-तुला बयान दिया है. पार्टी महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि देखिए बड़ा भाई और छोटा भाई की बात नहीं है. जमीन सच्चाई गठबंधन में शामिल सभी दल जान रहे हैं. जब पार्टी का सांगठनिक बैठक या कार्यक्रम होता है तो कार्यकर्ताओं की भावना और मांग होती है. हमने भी कुछ दिनों पहले बैठक किया था, जिसमें कार्यकर्ताओं की भावनाएं आयी थी. यह कोई गलत नहीं है. मगर चुनाव और गठबंधन में सीट शेयरिंग पार्टी के आला नेता तय करते है जो अभी तय होना शेष है.

अविनाश पांडेय के बयान को तवज्जो देने के मूड में नहीं झामुमो

किस दल की कितनी है दावेदारी

झामुमो : झामुमो ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि वह पिछले लोकसभा चुनाव की सीट शेयरिंग का फॉर्मूला नहीं मानेगा. वर्तमान परिस्थिति में वह कम से कम सात सीटों पर चुनाव लड़ेगी. इसमें गत वर्ष के चार सीट दुमका, राजमहल, जमशेदपुर और गिरिडीह. इस बार झामुमो कांग्रेस के तीन सीट खूंटी, लोहरदगा और चाईबासा पर नजर गड़ाए हुए है. इसके पीछे झामुमो का मैक्निजम है. चाईबासा पर झामुमो अपना स्वाभाविक दावे की बात करता है. चाईबासा लोकसभा में छह विस सीट पर झामुमो का कब्जा है. इसी तरह लोहरदगा संसदीय सीट में से तीन विस में झामुमो का कब्जा है. खूंटी पर भी आदिवासी बहुल सीट होने के कारण दावा प्रस्तुत करने का मन बनाया है.

कांग्रेस : कांग्रेस पिछले बार रांची, लोहरदगा, खूंटी, धनबाद, चाईबासा, चतरा, हजारीबाग सीट से चुनाव लड़ी थी. जिसमें केवल एक सीट चाईबासा जीतने में सफल रही थी. खूंटी में कांटे की टक्कर में विवादों के बीच हार का सामना करना पड़ा था. अब प्रभारी ने नौ सीट की दावेदारी कर रही है जिसमें चतरा, कोडरमा और जमशेदपुर की बातें सामने आ रही है. बताते चलें कि गोड्डा सीट पिछले बार यूपीए ने झाविमो नेता प्रदीप यादव के लिए छोड़ी थी.

वामदल : पिछले चुनाव में वाम दल के लिए केवल एक सीट हजारीबाग देने की बात कही थी मगर बात नहीं बनी. वादमल कई सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार दिए. मगर इस बार हालात कुछ बदल चुके हैं. वामदल नेशनल गठबंधन में शामिल हो चुका है. इसलिए इस बार सीपीआई हजारीबाग, सीपीएम राजमहल, माले कोडरमा और मासस धनबाद सीट की मांग और दावेदारी कर रहा है. अब देखना दिलचस्प होगा कि वामदलों को 'इंडिया' गठबंधन कैसे एडजस्ट करके संतुष्ट कर पाता है.

राजद : राजद को पिछले बार केवल पलामू सीट मिली थी. मगर राजद ने गठबंधन को ताक पर रखते हुए चतरा में भी कांग्रेस के खिलाफ चुनावी मैदान में उतर कर कांग्रेस का खेल बिगाड़ दिया था. राजद दोनों में एक सीट भी जितने में सफल नहीं रही. इस बार राजद पलामू, चतरा, गोड्डा के अलावे कोडरमा पर दावा प्रस्तुत करने की तैयारी कर रखी है.

झारखंड 'इंडिया' गठबंधन में शामिल हैं कुल नौ दल

झारखंड 'इंडिया' गठबंधन में कुल नौ दल शामिल हैं. इसमें झामुमो, कांग्रेस, राजद, जदयू, सीपीआई, सीपीआईएम, माले, मासस और आम आदमी पार्टी. इसमें जदयू और आम आदमी पार्टी ने लोकसभा को लेकर अब तक तक तो कोई अधिक और मजबूत दावेदारी नहीं की है. मगर अन्य सात दल ने अपनी-अपनी दावेदारी प्रस्तुत कर दी है.

जनता कर रही त्राहिमाम, कुंभकर्णी नींद में सोयी है सरकार: अमर बाउरी

प्रमुख संवाददाता। रांची

धनबाद गोलीकांड को लेकर नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने हेमंत सरकार को घेरा. कहा झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार में कोई भी सुरक्षित नहीं है. राज्य में आये दिन हत्या, लूट, बलात्कार जैसी घटनाएं हो रही हैं और सरकार कुंभकर्णी नींद में सोयी है. धनबाद में शनिवार को हुआ गोलीकांड इसका सबूत है कि सरकार के संरक्षण में अपराधी फल-फूल रहे हैं. किसी भी घटना को आसानी से अंजाम दे रहे हैं. नेता प्रतिपक्ष ने शनिवार को धनबाद में हुए गोली कांड की घटना का जिक्र करते हुए बताया कि बैंक मोड़ क्षेत्र के मटकुरिया रोड स्थित कार सेंटर के मालिक धोबाटांड़ निवासी दीपक अग्रवाल को अपाधियों ने उनके दुकान में ही गोली मार दी. जिससे वे गंभीर रुप से घायल हो गये.

डर के साये में धंधा चला रहे व्यवसायी : उन्होंने कहा कि धनबाद के व्यवसायी हाल के दिनों में डर के साये में अपना धंधा चला रहे हैं. आये दिन व्यवसायियों से रंगदारी की मांग की जाती है. जो व्यवसायी रंगदारी देने से मना कर रहे हैं, उनपर अपराधी हमला कर रहे हैं. ऐसे में कहना गलत नहीं होगा कि धनबाद सहित पूरे राज्य के अपराधियों को सरकार का संरक्षण किसी न किसी रुप में मिल रहा है. जिसका असर यह हो रहा है कि अब राज्य के बड़े व्यापारी दूसरे राज्य में पलायन कर रहे हैं. वहीं कोई भी नया व्यवसाय या उद्योग राज्य में स्थापित नहीं हो रहा.

'मुख्यमंत्री अपराध पर लगाएं लगाम'

नेता प्रतिपक्ष ने झारखंड पुलिस के आधिकारिक वेबसाइट पर दी गयी जानकारी को साझा करते हुए कहा कि सिर्फ धनबाद में इस वर्ष अगस्त माह तक ही 76 हत्याएं, 19 लूट, 9 डकैती, 57 अपहरण, 52 बलात्कार जैसी संगीन घटना को अंजाम दिया गया है. उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि राज्य में अपराधियों पर जल्द से जल्द लगाम लगाएं.

युवा राजद ने चलाया सदस्यता अभियान

आदित्यपुर। रविवार की देर शाम आदित्यपुर में युवा राजद सरायकेला-खरसावां जिलाध्यक्ष उदित यादव के नेतृत्व में सदयस्ता अभियान चलाया गया. इसमें जिला के कई युवाओं ने युवा राजद का दामन थामा. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रभारी एवं प्रदेश महासचिव शैलेंद्र कुमार मौजूद रहे, वहीं विशिष्ट अतिथि राजद प्रदेश महासचिव एवं आदित्यपुर नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष पुरेन्द्र नारायण सिंह मौजूद रहे. नेताओं ने कहा कि जैसे कि राजद के पहले दो मंत्री कोल्हान से आते थे वैसे ही आने वाले समय राजद खुद अपने दम विधानसभा और नगर निकाय चुनाव लड़ेगा और जीत हासिल करेगा. जिस के लिए अभी से ही बूथ स्तर पर कमेटी गठन करने की जरूरत है.

विधायक राज सिन्हा ने किया 'धरना स्थल' का उद्घाटन

संवाददाता। धनबाद

खास बातें

- 2.25 करोड़ से बनने वाले वासेपुर पुल का शिलान्यास
- पुल के निर्माण में 55 दिनों का समय लगेगा

धनबाद विधायक राज सिन्हा ने 29 अक्टूबर को रणधीर वर्मा चौक स्थित धरना स्थल का उद्घाटन फीता काट कर किया. बता दें कि धरना स्थल का जीर्णोद्धार विधायक फंड से कराया गया है. इस अवसर पर विधायक ने कहा कि पूर्व में धरना स्थल जीर्णशीर्ण अवस्था में था. जिसकी वजह से धरनार्थियों को काफी तकलीफों का सामना करना पड़ता था. बता दें कि धरना के जीर्णोद्धार में लगभग 10 लाख रुपये की लागत आयी है. वहीं, दूसरी ओर विधायक ने वासेपुर पुल का शिलान्यास किया. बता दें कि 100 साल पुराने वासेपुर पुल को तोड़कर नए पुल का निर्माण 2.25 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा. फिलहाल पुल निर्माण को लेकर भूली मोड़ से वासेपुर आरा मोड़ की सड़क एक नवंबर से 25 दिसंबर तक बंद रहेगी. धरनास्थल के उद्घाटन में संजय झा, मनोज मालाकार, नरेंद्र त्रिवेदी, अखिलेश झा, राजाराम दत्ता, मुकेश सिंह समेत कई भाजपा नेता व पुल के शिलान्यास में वासेपुर के सैकड़ों नागरिक उपस्थित थे.

विधायक से मिले उसरी बचाओ अभियान के प्रतिनिधि

गिरिडीह। उसरी बचाओ अभियान के प्रतिनिधि रविवार को हरसिंहरायडिह स्थित गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू से मिलकर शहर की लाइफ लाइन समझी जाने वाली उसरी नदी बचाने की गुहार लगाई. प्रतिनिधिमंडल में शामिल माले नेता राजेश सिन्हा, आप के प्रदेश प्रवक्ता कृष्ण मुरारी शर्मा, समाजसेवी रामजी यादव ने विधायक से उसरी नदी बचाने की दिशा में कारगर पहल करने की मांग की. श्री शर्मा ने कहा कि मामले को लेकर गिरिडीह सांसद सहित जिले के सभी छ विधायकों को ज्ञापन सौंपा जाएगा. इसकी शुरुआत गिरिडीह विधायक से की गई है. उसरी बचाव अभियान के सदस्य, जिले के जनप्रतिनिधि व आम जनों को भी इससे जुड़ना होगा.

झामुमो नगर कमेटी का विस्तार

संवाददाता। गिरिडीह

स्थानीय परिसदन भवन में रविवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा नगर कमेटी की बैठक में संगठन का विस्तार किया गया. मौके पर गिरीडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू तथा जिला अध्यक्ष संजय सिंह भी मौजूद थे. विधायक श्री सोनू ने नगर के सभी साथी कार्यकर्ताओं के साथ राजनीतिक व सांगठनिक विषयों पर चर्चा की एवं कई दिशा निर्देश दिए.

युवा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए विधायक श्री सोनू ने कहा कि किसी भी दल के लिए युवा पार्टी के रीढ़ होते हैं.

विधायक के बाद जिला अध्यक्ष संजय सिंह ने भी अपना अनुभव कार्यकर्ताओं के साथ साझा किया. विधायक और जिला अध्यक्ष के संबोधन और अनुभव साझा करने के बाद नगर समिति का विस्तार किया गया, जिसमें रॉकी सिंह को नगर अध्यक्ष, जाकिर हुसैन को नगर सचिव और राजा को नगर कोषाध्यक्ष बनाया गया है.

झामुमो टोंटो प्रखंड कमेटी एक दिनी प्रशिक्षण शिविर सह सदस्यता अभियान कार्यक्रम आयोजित

कार्यकर्ता एक कदम बढाएं, झामुमो 10 कदम बढ़ेगा: दीपक

संवाददाता । चाईबासा

विभिन्न पंचायत के सैकड़ो महिला-पुरुष कार्यकर्ताओं ने किया सदस्यता ग्रहण

टोंटो प्रखंड अंतर्गत लिसिया स्थित झामुमो कार्यालय परिसर में रविवार को झामुमो टोंटो प्रखंड कमेटी की ओर से एक दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर सह सदस्यता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक दीपक बिरुवा शामिल हुए. कार्यक्रम में पहुंचते ही स्थानीय कार्यकर्ताओं द्वारा विधायक व अन्य अतिथियों को गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया. कार्यक्रम के दौरान प्रखंड के सैकड़ों लोगों ने राज्य सरकार और विधायक के कार्यशैली से प्रभावित होकर अन्य पार्टी छोड़कर झामुमो का दामन थामा. पूर्व प्रखंड प्रमुख सह झाविमो की पूर्व प्रत्याशी गीता सुंडी, दिनेश तूंबलिया, मुचीया हासदा, जीतू बारी, जानूम सिंह लागुरी, लखन लागुरी, मंगल सिंह हासदा, मनोहर लागुरी समेत अन्य के नेतृत्व में सैकड़ो महिला पुरुष कार्यकर्ताओं में झामुमो का दामन थामा. विधायक और अन्य अतिथियों ने उन्हें माला पहनाकर झामुमो पार्टी में स्वागत किया. इसके पहले अतिथियों ने भगवान बिरसा मुंडा की तस्वीर पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. तत्पश्चात झामुमो में सक्रियता के साथ अपनी भूमिका निभाते रहे दिवंगत के आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन धारण किया गया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक जी ने राज्य सरकार द्वारा एवं उनके अथक प्रयास से किए जा रहे जनकल्याणकारी योजना के बारे में कार्यकर्ताओं को अवगत कराया एवं प्रखंड के सभी पंचायत के पदाधिकारियो को पंचायत स्तर पर योजनाओं का प्रचार प्रसार करने और संगठन को मजबूत करने पर बल दिया. उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है. हमारा संगठन काफी मजबूत है.

महाधिवेशन बिरसा सेना के प्रथम महाधिवेशन में जुटे कोल्हान भर के प्रतिनिधि

बिरसा सेना की केंद्रीय कमेटी गठित, दिनकर बने अध्यक्ष

संवाददाता। जमशेदपुर

न्यू सीतारामडेरा स्थित आदिवासी एसोसिएशन हॉल में रविवार को बिरसा सेना के प्रथम एकदिवसीय महाधिवेशन का आयोजन हुआ. इसमें पूर्वी सिंहभूम के घाटशिला, जादूगोड़ा, पटमदा, एमजीएम, मानगो, कांदरबेड़ा, करनडीह, मुसाबनी के साथ पश्चिम सिंहभूम जिला के कई प्रखंडों से आए लोगों ने भाग लिया. महाधिवेशन में बिरसा सेना की केंद्रीय कमेटी का गठन किया गया.

इसमें केंद्रीय अध्यक्ष दिनकर कच्छप और उपाध्यक्ष विशाल रविदास, अमर सिंह सरदार एवं राज श्री नाग को बनाया गया. कार्यक्रम में मुख्य वक्ताओं के रूप में मोती बिरुवा, धनंजय सिंह, राकेश हांसदा, आदिवासी मूलवासी रक्षा मंच के अध्यक्ष संग्राम मार्डी, शांति सेवा समिति के सदस्य जयनारायण मुंडा, करण उगुरसुंडी और कांड्रा के माझी हपन धर्मेन्द्र टुडू उपस्थित थे. दिनकर कच्छप ने उपस्थित लोगों को बिरसा सेना के गठन के बारे में बताया. कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य बिरसा मुंडा को आदर्श मानना एवं उनके रास्तों पर चलना और झारखंड में आदिवासी एकता का परिचय देना है. बिरसा सेना जल, जंगल, जमीन व आदिवासी संस्कृति व रीति रिवाज की संरक्षण के लिए बनाई गई है.

केंद्रीय कमेटी में ये हैं शामिल

कमेटी में केंद्रीय अध्यक्ष दिनकर कच्छप, उपाध्यक्ष विशाल रविदास, अमर सिंह सरदार एवं राज श्री नाग, महासचिव दीपक भुमिज, सचिव धनंजय भुमिन व दिनेश कर्मकार, कोषाध्यक्ष पृथ्वी सामड़, सह कोषाध्यक्ष अजय जामुदा, सामरोम सामड, करन एवं बिरसा सेना के संस्थापक बलराम कर्मकार एवं सुनील सोरेन शामिल हैं.

सरना कोड की मांग को लेकर जनसभा में भाग लेने की अपील

संवाददाता। बेरमो

आदिवासी सेंगेल अभियान की बैठक रविवार को गोमिया प्रखंड के बड़कीटांड़ गांव में हुई. अध्यक्षता मोहन सोरेन ने की. बैठक को संबोधित करते हुए आदिवासी सेंगेल अभियान के झारखंड प्रदेश सेंगेल सरना धर्म मंडवा अध्यक्ष रामकुमार मुर्मू ने कहा कि हम भारत देश में लगभग 15 करोड़ आदिवासी हैं. लेकिन धर्म कोड नहीं होने के कारण उनकी गिनती हिन्दू, मुस्लिम, सिख ईसाई में कर दी जाती है. आदिवासी हिन्दू नहीं हैं वे प्रकृति पूजक हैं. लेकिन अभी तक हमें स्वतंत्र धार्मिक मान्यता यानी सरना धर्म कोड नहीं मिला है.

आदिवासी सेंगेल अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद सालखन मुर्मू के नेतृत्व में आगामी 8 नवंबर 2023 को रांची के मोरहाबादी मैदान में सरना धर्म कोड की मांग को लेकर जनसभा आयोजन किया है. इसमें बिहार, बंगाल, असम, ओडिशा, झारखंड, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश सहित नेपाल, भूटान और बंगला देश से भी आदिवासी शिरकत करेंगे.

ब्रीफ खबरें

सड़क दुर्घटना में युवक की दर्दनाक मौत

तोपचांची । शनिवार रात को तोपचांची थाना क्षेत्र अंतर्गत 12 नंबर समीप नेशनल हाईवे पैदल पार कर रहे व्यक्ति अज्ञात वाहन के चपेट में आने से घटनास्थल पर दर्दनाक मौत हो गई. घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों का भीड़ घटनास्थल पर जुट गया. मिली जानकारी के अनुसार युवक सड़क पार कर किसी अन्य काम के लिए जा रहा था तभी अचानक पीछे से आ रही तेज रफ्तार अज्ञात वाहन के चपेट में आने से व्यक्ति की मौत हो गई. युवक का शिनाख्त नहीं हो पाया था.

बेरमो में लोहा लदा पिकअप वैन जब्त

कथारा (बेरमो) । बेरमो अनुमंडल के कथारा ओपी थाना क्षेत्र अंतर्गत असनापानी गांव के पास रविवार को अवैध लोहा लदा पिकअप वैन को पुलिस ने पकड़ा. उक्त वैन रेलवे ट्रैक के पोल संख्या 10 के पास पकड़ा गया. इस संबंध में थाना प्रभारी प्रिंस कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर छापेमारी की गई. छापेमारी के दौरान अवैध लोहा लदा पिकअप वैन वाहन को जब्त किया गया. लेकिन पुलिस को आते देख चोर भागने में सफल रहे.

गोड्डा: चेकडैम में डूबने से अधेड़ की मौत

गोड्डा। हनवारा थाना क्षेत्र के बैजाचक निवासी बीटल पासी (55) की लाश ग्रामीणों की मदद से रविवार को चेकडैम से निकाल ली गई. घटना शनिवार शाम की बताई जाती है. बीटल पासी पिता झकसू पासी शनिवार की दोपहर मांस लाने बगल के गांव मुसहरी टोला गया हुआ था. बताया जाता कि वह मांस लेकर देर संध्या वापस अपने घर लौटने के क्रम में रहा सुंदर नदी पर बने चेक डैम को पार कर रहा था. नदी पार करने के क्रम में उसे पानी की तेज धार का अंदाजा नहीं मिल पाया और वह गहरे पानी की धार में फंस गया. फिर बाहर नहीं निकल सका. रविवार की सुबह ग्रामीणों की मदद से चेक डैम में खोजबीन करने के बाद गहराई में फंसे अधेड़ की लाश को निकाला गया.

तालाब में डूबने से युवक की मौत

डुमरी (गिरिडीह) । निमियाघाट थाना क्षेत्र के पम्पू तालाब में रविवार को डूबकर एक व्यक्ति की मौत हो गई. घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने नदी में डूबे युवक के शव को स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह भेज दिया. घटना के संबंध में बताया जाता है कि रविवार को उक्त स्थान पर लगभग 3 बजे स्नान करने युवक पहुंचा था. पहले उसने अपने कपड़े को धोकर एक पत्थर पर डाला उसके बाद वह नदी में स्नान करने उतरा. अधिक गहराई में चला गया जिससे डूबकर उसकी मौत हो गई.

जर्जर रोड पर स्कूटी से गिरकर घायल हुआ

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत कैमी से बहरागोड़ा आते वक्त जर्जर सड़क में स्कूटी स्किट करने से पॉली कांदुलिया निवासी मृत्युंजय नायेक (65 वर्ष) बुरी तरह से घायल हो गए. स्थानीय लोगों की सहायता से उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरागोड़ा लाया गया. यहां पर प्राथमिक उपचार के बाद सिर में गंभीर चोट लगने के कारण परिजनों ने उच्च चिकित्सा हेतु निजी वाहन से पीआरएम मेडिकल कॉलेज बरीपदा पहुंचाया. वहीं ग्रामीणों का कहना है कई वर्षों से सड़क की मरम्मत नहीं होने पर आए दिन कोई न कोई दुर्घटना होती रहती है. जनप्रतिनिधि से लेकर विभागीय अधिकारी तक सड़क मरम्मत के लिए कोई पहल नहीं करते हैं. इससे आसपास के ग्रामीण इसका दंश झेलने में मजबूर हैं.

ट्रैक्टर की ट्रॉली से दब कर किसान की मौत

लातेहार। बालूमाथ थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर ट्रॉली से दबकर किसान की मौत हो गयी. मृतक किसान तिलेश्वर यादव डेंबू गांव के रहने वाले थे. प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को तिलेश्वर यादव अपने ट्रैक्टर से मक्का लाने के लिए खेत में गये थे. ट्रैक्टर की ट्रॉली से मक्का उतार दिया. इसी दौरान ट्रॉली फंस गया और वापस नीचे आने लगा इसी बीच पाइप खुल गया और ट्रॉली नीचे गिर गई. जिससे तिलेश्वर यादव ट्रॉली में दब गये. ट्रॉली में दबने से उनकी मौत हो गई.

चोरी का प्रयास करने का आरोपी गिरफ्तार, जेल

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर की मानगो पुलिस ने जवाहरनगर रोड नंबर 14 निवासी जफरुद्दीन के घर में घुसकर चोरी के प्रयास के आरोपी सरफराज अली उर्फ दिलजले उर्फ अमन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. सरफराज और उसके साथी ने 20 अक्टूबर को जफरुद्दीन के घर घुसकर चोरी करने का प्रयास किया था. मौके से सरफराज फरार हो गया था, जबकि उसका साथी पकड़ा गया था. इधर, पुलिस ने मानगो क्लासिक मोटर्स में भी चोरी करने के मामले में के वेंकटराव और एक नाबालिग को चोरी करते पकड़ा है. इस संबंध में फिरोज अहमद के बयान पर मानगो थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी. पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी के 5200 ग्राम एल्युमीनियम तार, 1300 ग्राम तांबा का तार समेत अन्य सामान बरामद किए हैं.

15 पुड़िया ब्राउन शुगर से साथ दो गिरफ्तार

मानगो पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कुमरुम बस्ती शारदा सिटी के पास से 15 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ शंकर साहू और उसके साथी तारिणी सिंह उर्फ राजा सिंह को गिरफ्तार किया है. शनिवार को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि क्षेत्र में कुछ युवक ब्राउन शुगर बेच रहे हैं जिसके बाद पुलिस ने शंकर को गिरफ्तार किया.

एक ही घर में तीन बार चोरी का प्रयास पुलिस को दिया गया चोरों का फुटेज

घाटशिला। टाउन हॉल से आमाईनगर जाने वाले मुख्य सड़क किनारे स्थित राजा अधिकारी के घर पर लगातार तीन बार चोरी का प्रयास किया. पहला प्रयास दुर्गा पूजा के नवमी की रात में चोरों द्वारा किया. जब उनके घर के मेन गेट का ताला तोड़ कर चोरी का प्रयास किया गया, उस वक्त घर के लोग दुर्गा पूजा घूमने गए थे. उनके घर राजा अधिकारी की भाभी उस वक्त थी उनके द्वारा हल्ला करने पर चोर भाग गया. घटना की जानकारी रात में ही थाना प्रभारी बिमल किंडो की दी गयी. वे रात में आये व मुआयना कर चले गए. ठीक इसके तीन दिन बाद पुनः राजा अधिकारी के घर चोरों द्वारा रात करीब 1.30 बजे हमला किया. उनके दो पुत्रों द्वारा हल्ला किये जाने व मुहल्ले के लोगों के निकलने पर चोर स्कूटी से फरार हो गया. बीते शनिवार की रात को पुनः उनके गैराज की छत पर किसी के चलने की आहट हुई तो घर वालों ने निकल कर छानबीन किया. इसी मुहल्ले में एक व्यक्ति के घर लगे सीसीटीवी फुटेज में उक्त चोरों की तस्वीर कैद हो गई है. जिसे पुलिस अपने साथ ले गयी है.

आओ जानें

किस जिले में कितने हत्या के मामले दर्ज हुए हैं

जिला	हत्या	जिला	हत्या
धनबाद	66	सरायकेला	30
गिरिडीह	80	सिमडेगा	29
हजारीबाग	74	रेल धनबाद	01
जमशेदपुर	43	देवघर	56
पलामू	73	गोड्डा	32
रांची	90	गुमला	49
साहेबगंज	33	लोहरदगा	14
दुमका	31	चतरा	54
चाईबासा	68	गढ़वा	75
बोकारो	43	कोडरमा	33
लातेहार	31	खूंटी	23
जामताड़ा	11	रामगढ़	23
		पाकुड़	16

मामला बागबेड़ा बड़ौदा घाट रॉयल कॉलोनी का है

स्प्रे कर सुला दिया, फिर 3.50 लाख की संपत्ति चुराई

संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर में चोरी की घटनाओं में बेतहाशा वृद्धि से लोग परेशान

जमशेदपुर में इन दिनों चोरों का आतंक सिर चढ़कर बोल रहा है. बीते दिनों परसुडीह के प्रमथनगर में चोरों ने लाखों की चोरी की थी. एक बार फिर बागबेड़ा के एक घर में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है. मामला बागबेड़ा बड़ौदा घाट रॉयल कॉलोनी का है. चोरों ने अमित कुमार के घर लाखों की चोरी कर ली है. इसकी जानकारी अमित को तब हुई जब वे रविवार सुबह 10 बजे सो कर उठे. उन्होंने देखा कि घर का सारा सामान बिखरा पड़ा है और चोरी हो गई है. उन्होंने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी. इधर, सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई.

स्प्रे कर चोरी की घटना को दिया अंजाम : अमित ने बताया कि वह कलेक्शन एजेंट का काम करता है. हर दिन सुबह 5 बजे तक घर के सारे सदस्य उठ जाते थे, पर रविवार सुबह 10 बजे सभी की नींद खुली है. जांच करने पर पाया कि घर में रखे 50 हजार नगद और तीन लाख के गहने और कुछ कपड़े गायब हैं. अमित ने बताया कि चोर पड़ोसी की छत से घर में प्रवेश कर गए. एक कमरे में पिताजी सोए थे, जबकि दूसरे कमरे में वे अपनी मां के साथ सोए थे. इसी बीच चोरों ने संभवतः खिड़की से कमरे में स्प्रे कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है.

इधर, बंद घर से चोरों ने की लाखों की चोरी, वायरिंग भी उखाड़ ले गए चोर

जमशेदपुर । शहर में चोरों का आतंक बढ़ता ही जा रहा है. बागबेड़ा में लाखों की चोरी करने के बाद मानगो उलीडीह थाना अंतर्गत शंकोसाई रोड नंबर 5 निवासी मिथलेश कुमार के घर चोरों ने हाथ साफ कर दिया. चोरों अपने साथ मिथलेश के बंद पड़े घर से बिजली की वायरिंग भी उखाड़ ले गए. पड़ोसियों ने चोरी की जानकारी गृहस्वामी को दी. सूचना पाकर मिथलेश घर पहुंचे. उन्होंने पाया कि घर का सारा सामान बिखरा पड़ा है वहीं घर में बिजली भी नही है. चोर घर में लगे बल्ब तक ले गए है. उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी पर पुलिस चार घंटे बाद भी नहीं पहुंची.

7 से 8 लाख की हुई है चोरी : मिथलेश टाटा मोटर्स में बाई सिक्स कर्मी है. उन्होंने बताया कि उन्हें पेट की समस्या है. इसको लेकर शनिवार को ही टाटा मोटर्स अस्पताल में भर्ती हुए थे. सोमवार को उनका ऑपरेशन होना था. घर में शनिवार से ही ताला लगा हुआ था. रविवार को पड़ोसियों ने फोन कर चोरी की जानकारी दी. वे घर पहुंचे तो घर में अंधेरा छाया हुआ था. घर में सारी वायरिंग काट दी गई थी. इनवर्टर भी गायब था. घर में नकद नहीं थे पर चोरों ने पुराने गहने, कांसा के बर्तन और कपड़े चुराए है जिसकी कीमत सात से आठ लाख रुपए होगी. मिथलेश ने बताया कि पड़ोसियों के अनुसार एक युवक घर में आंगन में गांजा पी रहा था. पड़ोसियों ने जब उसे देखा तो घर से तीन–चार चोर भागने लगे. मिथलेश ने बताया कि चोर शनिवार से ही घर में थे. उन्होंने घर में शौच भी किया है और पानी नहीं डाला. उन्हें घर में रखे प्लायर का इस्तेमाल कर बिजली के तारों को काटा है.

आईआईटी-आईएसएम के पास बाइक चोरी करने का कर रहा था प्रयास

बाइक चुराते पकड़ाया, लोगों ने की पिटाई

संवाददाता । धनबाद

बाइक चोरी की लत एक युवक को शनिवार को महंगी पड़ी. आईआईटी आईएसएम गेट के पास बाइक चोरी करने का प्रयास कर रहा था, तभी कुछ युवकों की उसपर नजर पड़ी, उसे पकड़ कर धुनाई कर दी. उसके बाद चोर को युवक हाउसिंग कालोनी ले गए. जहां पहले से मौजूद अन्य लोगों ने जमकर पीटा.

सूचना पाकर सदर थाना की पुलिस मौके पहुंची, चोर को भीड़ से बचाकर हिरासत में लिया. उसका इलाज करवाया गया फिर थाना ले गई. बाइक चोर ने अपना नाम राजन बताया है, उसने बताया की महुदा का रहने वाला हूं, मेरे भाई ने मुझे फंसा दिया है. हम चोर नहीं है. वहीं भुक्तभोगी विकास विजय ने बताया कि शुक्रवार को मेरी स्प्लेंडर प्लस बाइक पंडित क्लीनिक रोड से चोरी

हो गई थी. चोरी की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई थी. इसका फुटेज मैने ही वायरल कर दिया था. रविवार शाम को यही बाइक चोर आईएसएम गेट के समीप से बाइक चोरी करने की फिराक में था. जिसे कुछ लोगों ने पकड़ लिया वहीं मौजूद मेरे एक दोस्त ने बाइक चोर को देखा तो पहचान लिया फिर मुझे फोन कर बुलाया. तब तक कुछ लोग उसे हाउसिंग कॉलोनी की तरफ ले गए. विकास ने बताया की बाइक चोरी की लिखित शिकायत और सीसीटीवी फुटेज हमने कल थाना में दिया था. वही पुलिस बाइक चोर से पूछताछ कर रही है.

महिला की पत्थर से कूचकर निर्मम हत्या

रांची। जिले के बेड़ो थाना क्षेत्र के बाजार टांड़ के पास की गली में एक महिला की पत्थर से कूच कर निर्ममता से हत्या कर दी गयी है. यह घटना देर रात की है. मृतका की पहचान पूनम उरांव के रूप में हुई है. वह मजदूरी का काम करती थी. घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में ले लिया और आगे की करवाई में जुट गयी. रपरिजनों ने पुलिस के समक्ष कहा कि उसकी बेटी पूनम उरांव और बेटे के बीच जमीन के मुआवजे को लेकर विवाद चल रहा था. बेड़ो बाइपास सड़क में जा रही जमीन के मुआवजे को लेकर यह विवाद था. वह मूल रूप से बेड़ो के बिनय बगीचा की रहने वाली थी. फिलहाल विद्युत सबस्टेशन के नीचे किराए के मकान में रहती थी.

मटका किंग आनंद हर हफ्ते दो थानों में लगाएगा हाजिरी

संवाददाता । रांची

मटके का अवैध कारोबार चलानेवालाआनंद वर्मा थाना में हाजिरी लगाएगा. कोतवाली डीएसपी

प्रकाश सोय की रिपोर्ट के आधार पर इससे संबंधित आदेश एसएसपी ऑफिस से जारी किया गया है. आनंद वर्मा को हर सप्ताह रविवार को सुखदेवनगर और नरकोपी थाना में हाजिरी लगाने का आदेश दिया गया है. आदेश के तहत हाजिरी नहीं लगाने पर गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्रवाई की जाएगी.

संदीप थापा और आनंद वर्मा के बीच हुआ विवाद : रांची में 22 मई 2022 को गैंगवार टल गया था. कुख्यात अपराधी संदीप थापा और मटका संचालक आनंद वर्मा आपस में भिड़ गए थे. दोनों ने एक -दूसरे को निशाना बना रखा था. दोनों की तरफ से हथियार भी निकाल लिए गए थे. लेकिन ऐन वक्त पर पुलिस को इसकी सूचना मिल गयी. इस वजह से गैंगवार वक्त रहते टल गया. सूचना मिलते ही सुखदेवनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और कुख्यात अपराधी संदीप थापा को हथियार के साथ दबोच लिया. वहीं इस कार्रवाई में दूसरे गुट के आनंद वर्मा को भी पुलिस ने पकड़ लिया था.

दुमका में होमगार्ड जवानों के पारण परेड का आयोजन

दुमका। गृह रक्षा वाहिनी (होमगार्ड) के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र, नकटी में विगत 63 दिन से प्रशिक्षण कर रहे प्रशिक्षु होमगार्ड के जवानों का पारण परेड का आयोजन रविवार को हुआ. पारण परेड में देवघर, गोड्डा, रांची, हजारीबाग एवं चतरा जिला के 351 प्रशिक्षु होमगार्ड के जवानों का पारण परेड में भाग लिया. इसमें मुख्य अतिथि के संथाल परगना क्षेत्र के डीआईजी सुदर्शन मंडल एवं विशिष्ट अतिथि एसपी पीतांबर सिंह खेरवार उपस्थित हुए. होमगार्ड के जवानों के द्वारा काफी कम समय में ही परेड की तैयारी कर शानदार प्रदर्शन किया गया. सर्वप्रथम खुले जीप में मुख्य अतिथि डीआईजी मंडल पंक्तिबद्ध जवानों का निरीक्षण किया. इसके पश्चात जवानों के द्वारा मंच के सामने से मार्च पास्ट परेड निकाला गया. जिसकी सलामी समारोह के मुख्य अतिथि डीआईजी सुदर्शन मंडल के द्वारा ली गई. डीआईजी ने होमगार्ड के जवानों की हौसला अफजाई करते हुए उनके परेड को काफी उत्तम दर्जे का बताया गया.

घटना गोड्डा जिले के कर्णपुरा गांव की है

युवक ने प्रेमिका की नाबालिग बहन का काट दिया गला, मौत

संवाददाता। गोड्डा

प्रेम-प्रसंग में युवक ने प्रेमिका की छोटी नाबालिग बहन की गला रेत कर हत्या कर दी. यह सनसनीखेज घटना गोड्डा जिला अंतर्गत देवडांड थाना के झिलुवा पंचायत अंतर्गत कर्णपुरा ग्राम की है. बताया जाता है कि बीते शनिवार की रात आरोपी युवक ने कथित प्रेमिका के घर प्रवेश कर घर में सो रही चार वर्षीय प्रियंका हांसदा का गला धारदार हथियार से रेत कर फरार हो गया. जानकारी देते हुए मृत बच्ची की मां ने बताया कि रात्रि वह अपनी दूसरी बेटी के साथ शौच के लिए घर से बाहर निकली थी. इसी बीच छोटी बेटी के चीखने की आवाज आई. दौड़ते हुए घर आई तो देखा कि छोटी बेटी प्रियंका हांसदा (4) की गला रेत दी गई है. वो तड़प रही थी. कुछ ही मिनटों में उसकी मौत हो गई. घटना के बाद घर में कोहराम मच गया. बड़ी बहन

मरांगबीटी के अनुसार उसका प्रेम प्रसंग गांव के ही परमेश्वर मुर्मू के साथ चल रहा था, मगर इधर विवाद हो जाने के बाद दोनों के बीच संबंध खराब हो गया था. पिछले रात्रि उन्होंने फोन पर धमकी देते हुए कहा था कि उसकी हत्या कर दी जाएगी. ऐसी आशंका जताई जा रही है कि बदला लेने के लिए परमेश्वर ने ही घर में प्रवेश कर मरांगबीटी की हत्या कर दी, आरोपी युवक फरार है. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

बम चलाने के दो फरार आरोपी गिरफ्तार हुए

रांची। सुखदेव नगर थाना पुलिस ने मारपीट करने और बम मारकर जख्मी करने के मामले में विक्की यादव और विक्रम यादव को रविवार को गिरफ्तार किया है. दोनों काफी दिनों से फरार थे. दोनों को अनुसंधान के क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया है. सुखदेव नगर थाने में बीते 19 अगस्त को नेहा तिर्की ने मारपीट और बम मारने को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई थी. दर्ज प्राथमिकी में बताया गया था कि विक्की यादव, विक्रम यादव और लालू यादव सभी आपस में लड़ाई-झगड़ा कर रहे थे. इसी दौरान विक्की यादव ने घर से बम लाकर फेंका. बम फेंकने से राहुल तिर्की गंभीर रूप से घायल हो गया. इसके बाद 100 डायल कर घटना की जानकारी पुलिस को दी. पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल कर घायल को रिम्स भेजा. घटना के बाद से फरार चल रहे आरोपितों को गिरफ्तार कर रविवार को जेल भेज दिया.

- रविवार को आरोपी विक्की और विक्रम को गिरफ्तार किया गया

मॉडिफाइड साइलेंसर बेचने वालों पर कार्रवाई

बिष्टुपुर से 6 साइलेंसर जब्त

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर पुलिस ने सड़कों पर बुलेट के साइलेंसर को मॉडिफाइड कर चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के बाद अब मॉडिफाइड साइलेंसर बेचने वालों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है. गोलमुरी और बिष्टुपुर यातायात पुलिस ने बिष्टुपुर स्थित रॉयल ऑटो में छापेमारी कर अलग-अलग कंपनियों के छह साइलेंसर को जब्त किया है. इसके अलावा दुकान संचालक पर जुर्माना भी लगाया गया और साइलेंसर ना बेचने की हिदायत दी गई. दरअसल, बीते दिनों ही दुर्गा पूजा के दौरान पुलिस ने मॉडिफाइड साइलेंसर के खिलाफ अभियान चलाकर कई बुलेट जब्त किया था. रविवार को भी गोलमुरी पुलिस द्वारा जांच के दौरान एक बुलेट को पकड़ा. बाइक मालिक ने पुलिस को बताया कि उक्त साइलेंसर ऑरिजनल है जबकि पुलिस द्वारा देखने से साफ लग रहा था कि साइलेंसर को बदला गया है. पूछताछ में वाहन मालिक द्वारा बताया गया कि उसने बिष्टुपुर रॉयल ऑटो से साइलेंसर लगवाया था.

पटना से भटककर बोकारो थर्मल पहुंच गई महिला

बोकारो थर्मल। पटना फुलवारसरीफ से भटककर एक महिला बोकारो थर्मल पहुंच गई. वह मानसिक रूप से बीमार है. बोकारो थर्मल पुलिस के प्रयास से उसे उनके परिजनों को सौंप दिया गया. जानकारी के अनुसार 28 वर्षीय महिला बोकारो थर्मल में घूम रही थी. महिला को देखने के बाद कुछ लोगों ने इसकी जानकारी स्थानीय पुलिस को दी. थाना प्रभारी ने उक्त से पूछताछ की तो वह अपना नाम मुस्कान देवी पति सुधीर चौहान बताई. वह पटना फुलवारसरीफ ग्राम बसंतचक की रहने वाली है. वहीं अपना नैहर भोजपुर, चांदी थाना की रहने वाली बताई. थाना प्रभारी आरके राणा ने महिला के पति, माता-पिता एवं भाई सूचना देकर बुलाया. जानकारी मिलते ही वे बोकारो थर्मल थाना पहुंचे और मुस्कान देवी को अपने साथ ले गये. परिजन द्वारा बताया गया कि मुस्कान की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है. उसका स्थानीय स्तर पर इलाज भी चल रहा है. 15 अक्टूबर घर से निकल गई.

सफलता एक दर्जन स्कूल में चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले गिरोह का खुलासा

स्कूल में चोरी मामले में गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

संवाददाता। गुमला

जिले की बसिया थाना पुलिस ने एक दर्जन स्कूल में चोरी की घटना को अंजाम देने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है. गिरोह के अपराधी दिन में स्विफ्ट कार से विभिन्न स्कूलों की रेकी कर घटना को अंजाम देते थे. गिरफ्तार आरोपितों में सिसई थाना क्षेत्र स्थित मेन रोड निवासी दानिश अकरम उर्फ विक्की (30), रहमत नगर निवासी सरफराज अंसारी (24) और रांची जिले के बेड़ो थाना क्षेत्र स्थित कैशा निवासी मो इमरान आलम (25) शामिल है. इनकी निशानदेही पर एक स्वीफ्ट कार, इन्वर्टर, गैस सिलेण्डर, बर्तन, ताला तोड़ने का औजार-सब्बल सहित

अन्य समान बरामद किया गया है. पुलिस ने रविवार को बताया कि 29 सितंबर को बसिया थाना क्षेत्र के कुम्हारी स्थित उच्च विद्यालय का ताला तोड़कर चोरी कि घटना को अंजाम दिया गया था. मामले को लेकर बसिया थाना में प्राथमिकी दर्ज किया गया था. गिरफ्तार आरोपित ने अपना अपराध स्वीकार किया तथा चोरी के घटनाओं में शामिल अपने अन्य भागे हुए साथियों का नाम भी बताया. पुलिस को आरोपितों ने बताया कि वे लोग स्वीफ्ट कार से रेकी करते हैं तथा स्कूल व अन्य जगह चोरी कर सामान को टाटा मैजिक गाड़ी में लोड कर कबाड़ी एवं अन्य जगह बेच देते हैं.

टाटा मैजिक गाड़ी भरनो स्थित डोम्बा में पकड़ा जाने के कारण मो रांची निवासी इमरान आलम के सिसई स्थित गैरेज में आने वाले माल वाहक ऑटो का प्रयोग करने लगा. ये लोग दो दर्जन स्कूल में मिड डे मिल का चावल, गैस सिलेंडर चूल्हा, बर्तन, बैटरी, इन्वर्टर, किताब कॉपी व अन्य सामान की चोरी करने कि बात स्वीकार किया. इनके स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर कुम्हारी स्कूल में चोरी किया गया इन्वर्टर, बैटरी एजाजुल अंसारी के घर सेन्हा थाना क्षेत्र स्थित भड़गांव से बरामद किया गया. आरोपित का कबाड़ी दुकान घाघरा में स्थित है. इस कांड में विभिन्न स्कूलों से मिड डे मिल का चोरी किया गया छह बड़ा गैस सिलेंडर इश्तेखार अंसारी एचपी गैस सिसई के पास से बरामद किया गया. वाहीद अंसारी के डोम्बा, भरनो के कबाड़ी दुकान से चोरी किया गया बर्तन बरामद किया गया. ये लोग चोरी का सामान बेच कर मिले रुपया को अपने साथियों में डिजिटल पेमेंट के तौर पर बंटवारा करता था.

खास बातें

- मामले को लेकर थाना में प्राथमिकी दर्ज किया गया था
- गिरफ्तार आरोपित ने अपना अपराध स्वीकार किया

पिता ने दो साल के बच्चे को तालाब में डूबोकर मार डाला

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर में एक पिता ने अपने ही दो साल के बच्चे श्रेयांशू को तालाब में डूबोकर मार डाला. मामला सामने आने पर पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है और बच्चे के शव को भी बरामद कर लिया है. दरअसल, परसुडीह थाना क्षेत्र के गोविंदपुर खखरीपाड़ा निवासी अजय नामता मूल रूप से घाटशिला का रहने वाला है. वह जमशेदपुर में रहकर टाटा स्टील में ठेकेदारी में काम करता है. उसने तीन साल पूर्व पिया नामता से प्रेम विवाह किया था. वह घर खर्च उठाने में सक्षम नहीं था. इसी बीच पिया ने एक बेटे को जन्म दिया. वह बच्चे के खिलाफ था क्योंकि उसकी कमाई उतनी नहीं थी कि वह एक बच्चे का खर्च उठा सके.

गिरफ्तार आरोपी

इसको लेकर पत्नी से कई बार झगड़ा भी होता था. रविवार को भी इसी बात को लेकर झगड़ा हुआ जिसके बाद उसने अपने दो साल के बेटे को तालाब में डुबाकर बेरहमी से उसकी हत्या कर दी. फिलहाल पुलिस ने उसे जेल भेज दिया है.

कोडरमा में मना जैनमुनि विद्यासागर का अवतरण दिवस

संवाददाता। झुमरीतिलैया

पूरे भारत में 51000 किलोमीटर का पैदल विहार करने वाले जैन जगत के सर्वोच्च शिखर पर विराजमान परम पूज्य संत शिरोमणि गुरुवर आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज का 77वां अवतरण दिवस मनाया गया. श्री दिगंबर जैन के दोनों मंदिरों में भगवान का महाभिषेक के साथ भक्तों द्वारा विद्यासागर जी महाराज और गणिनी आर्यिका ज्ञानमती माता का अवतरण दिवस मुनि सुयशसागर जी महाराज के सांनिध्य में मनाया गया. सभी भक्तों द्वारा आचार्य श्री के चित्र का अनावरण के साथ अष्ट द्रव्यों से पूजन कर श्रीफल चढ़ाया गया.

इस अवसर पर सुयश सागर जी मुनिराज ने कहा कि भारत भूमि मुनियों, संतों, महात्माओं और आचार्यों की भूमि रही है. सत्य, अहिंसा, समता, जीयो और जीने दो, वसुधैव कुटुंबकम का भाव जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका रही है. हम सबका यह परम सौभाग्य है कि इस युग के विश्व विख्यात महान तपस्वी एवं श्रमण संस्कृति के महामहिम संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज आज हम सबके बीच साधना रत हैं और उनका आशीर्वाद भी हम सबको सुलभ है.

खास बातें

- दोनों दिगंबर जैन मंदिरों में आचार्य श्री के चित्रों का हुआ अनावरण
- जैन मुनि सुयशसागर के सान्निध्य में अष्ट द्रव्यों से किया गया पूजन

आचार्य श्री का जन्म 10 अक्टूबर 1946 शरद पूर्णिमा के दिन कर्नाटक राज्य के बेलगांव जिले के ग्राम सदलगा में श्रावक श्रेष्ठी मलप्पाजी अष्टगे और श्रीमंती के घर आंगन में बालक विद्याधर के रूप में हुआ था। मात्र 14 वर्ष की अल्पायु में विद्याधर आचार्य श्री शांति सागर जी महाराज के प्रवचन सुनकर भाव विभोर हो जाते थे। 20 वर्ष की उम्र में आपने आचार्य देशभूषण जी महाराज से आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत लेकर गृह त्याग का संकल्प कर लिया. इस अवसर पर समाज के मंत्री जैन ललित सेठी, संयोजक जैन नरेंद झांझरी, कार्यक्रम संचालन जैन लट्टू भैया के साथ समाज के सुरेश झांझरी, कैलाश जोशीला, मोहित सोगानी, नीलम सेठी आदि ने विचार व्यक्त किये.संध्या में णमोकार चालीसा एवं आरती के साथ अमृत दिवस के उपलक्ष्य में समाज के सैकड़ों लोगो ने जाप किया.

आओ जानें

पंच घाघ जल प्रपात

परिचय पर्यटकों को सहज ही लुभानेवाला झारखंड का एक प्रमुख जल प्रपात.

स्थान यह जल प्रपात रांची शहर से 50 किलोमीटर दूर चाईबासा रोड पर खूंटी जिले में स्थित है. यह सिमडेगा के रास्ते में मिलता है.

स्थिति यहां पर पांच खूबसूरत झरने हैं. यह पिकनिक के लिए बहुत ही उपयुक्त जगह है. इस झरने को पंच घाघ इसलिए कहा जाता है, क्योंकि यहां पर पांच झरने एक साथ हैं. पंच घाघ झरने के आसपास भूरे रंग के खूबसूरत पत्थर हैं. पानी में अधिक मिट्टी ना होने के कारण झरने का पानी हमेशा साफ सुथरा रहता है और तालाब में पानी बिल्कुल क्रिस्टल क्लियर प्रतीत होता है.

प्रवेश शुल्क पंच घाघ वाटरफॉल में घूमने के लिए झारखंड पर्यटन विभाग द्वारा एक व्यक्ति का 8 रुपये प्रवेश शुल्क और बाइक के लिए पर्किंग शुल्क 10 रुपये और कार के लिए 25 रुपये लिया जाता है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष वृष राशि का चंद्रमा बहुत ही अनुकूल है. रुके कार्य पूर्ण होंगे. अध्यात्म में रुचि रहेगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में उचित लाभ हो सकेगा. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. अन्न का दान करें.

वृषभ कार्य नहीं होने से क्रोध बढ़ेगा. विवाद को बढ़ावा न दें. जोखिम तथा जमानत के कार्य टालें, बाकी सामान्य रहेगा. आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी. मित्रों की मदद से महत्वपूर्ण कार्य पूरे होने के आसार हैं. मिठाई का दान करें.

मिथुन खर्च में वृद्धि होगी. पर समाज में या घर-बाहर पूछ-परख बढ़ेगी. कार्यसिद्धि होगी. व्यवसाय लाभप्रद रहेगा. आत्मविश्वास बढ़ने से व्यापारिक लाभ अधिक होने के योग हैं. यात्रा में सावधानी रखें. गणेश जी का पूजन करें.

कर्क आय के लिए अच्छी खबरें मिलेंगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. व्यापार अच्छा चलेगा. पारिवारिक वातावरण सहयोगात्मक रहेगा. आपकी बुद्धिमानी से समस्याओं का समाधान संभव है.

सिंह लेन-देन में सावधानी रखें. जोखिम तथा जमानत के कार्य टालें. विवाद न करें. आर्थिक समस्या रह सकती है. नए कामों में सफलता मिलेगी. व्यापार अच्छा चलेगा. स्वास्थ्य में सुधार होगा. सूर्य को अर्घ्य दें.

कन्या रोजगार में वृद्धि होगी. यात्रा सफल रहेगी. प्रसन्नता बनी रहेगी. अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखना चाहिए. कार्य को लेकर श्रम अधिक करना होगा. आपके कार्यों की समाज एवं परिवार में आलोचना हो सकती है.

तुला किसी परिचित से कोई विवाद हो सकता है. छोटी यात्रा सफल रहेगी. लाभ के अवसर बढ़ेंगे. जोखिम न लें. आवास संबंधी समस्या रहेगी. रचनात्मक कामों का प्रतिफल मिलेगा. पूर्व में किए गए कार्यों का शुभ फल प्राप्त हो सकेगा.

वृश्चिक जीवनसाथी के साथ अच्छा सामंजस्य स्थापित होगा. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. नई योजनाओं का क्रियान्वयन होगा. बड़े लोगों से भेंट होगी, जिसका लाभ भविष्य में मिलेगा. शत्रु परास्त होंगे.

धनु मौसमी बीमारियों से बचाव जरूरी है. बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. दिन प्रतिकूल रह सकता है. सामाजिक स्तर में परिवर्तन एवं प्रतिष्ठा को लेकर चिंतित रहेंगे. दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा.

मकर संतान के कार्य में गति मिलेगी. पर कार्य के लिए भागदौड़ अधिक होगी. थकान रहेगी. वाणी पर नियंत्रण आवश्यक है. माता-पिता का स्वास्थ्य ठीक रहेगा. दिन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा. व्यापार में लाभ की स्थिति बनेगी.

कुंभ सुख का सामग्री एकत्र होगा. माता से सहयोग मिलेगा. थकान रहेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. विवाद से बचें. नए कार्यों में लाभ होने की संभावना है. परिवार की तरक्की होगी. काला वस्तु का दान करें.

मीन पराक्रम से कार्य सिद्ध होगा. संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं. बड़ा लाभ होगा. जल्दबाजी न करें. प्रमाद से बचें. दूरदर्शिता एवं बुद्धिमानी से कई रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है. खर्चों में कमी करना होगी. गुरु मंत्र का जाप करें.

बड़ा आयोजन : सीएम हेमंत सोरेन व बाबूलाल मरांडी शामिल होंगे

मुड़मा जतरा मेला आज से

बसंत मुंडा। रांची

रांची और झारखंड का सुप्रसिद्ध और ऐतिहासिक मुड़मा मेला 30 अक्टूबर को प्रारंभ हो जाएगा. इस दो दिवसीय मेले का उद्घाटन शक्ति खूंटा की पूजा-अर्चना के बाद होगा, जिसके साक्षी हजारों लोग होंगे. मेले की सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं. इस मेले में न केवल झारखंड, बल्कि देश-विदेश से भी लोग शामिल होंगे. शक्ति खूंटा के दर्शन के लिए ओडिशा, छत्तीसगढ़, नेपाल, बिहार, असम, मध्यप्रदेश, गुजरात तथा पश्चिम बंगाल के आदिवासी समाज के लोग मौजूद होंगे. आयोजन समिति और सरना धर्म गुरू बंधन तिग्गा ने बताया कि मेले में 40 पड़हा के पाहनों द्वारा विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की जाएगी. उन्होंने बताया कि मेले का उद्घाटन 30 अक्टूबर को होगा. इसमें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी सहित कई नेता हिस्सा लेंगे. इस बार विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन भी चौकस है. कहीं कोई अप्रिय घटना न हो, इससे निपटने के लिए मेले में ड्रोन कैमरा से निगरानी होगी. इसके साथ ही सीसीटीवी कैमरा से भी निगरानी की जाएगी.

पाहन करते हैं शक्ति खूंटा की पूजा: केंद्रीय राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा की अगुवाई में जतरा शक्ति खूंटा की 40 पड़हा के पाहन पूजा करते हैं. इसके बाद दीप प्रज्ज्वलित कर जतरा की शुरुआत की जाती है. श्रद्धालु माथे पर जौ और गेंदा फूल से सुसज्जित कलश लेकर मां शक्ति की परिक्रमा करते हैं. इसके बाद हाथ में जल लेकर शक्ति खूंटा की पूजा-अर्चना करते हैं.

मेले का अस्तित्व खत्म करने का आरोप

राजी पड़हा समिति के सदस्य शिवा उरांव ने बताया कि जतरा के नाम से मात्र 4 एकड़ जमीन ही है .बाकि जमीन निजी जमीन है .लगभग 65 एकड़ में हर वर्ष मेला लगता है . मुंडा उरांव की ऐतिहासिक मुड़मा जतरा स्थल हर साल सिमटता जा रहा है .स्थानीय लोगों ने बताया कि राजनीतिक पार्टियों द्वारा वोट बैंक बनाने के लिए जतरा की जमीन सरकारी जमीन बताकर ईदगाह और कब्रिस्तान के लिए दान में दे दी गई . इस प्रकार मेले का अस्तित्व खत्म कर हजारों वर्ष पुराने इतिहास को मिटाने की साजिश की जा रही है .राजेश उरांव ने बताया कि राजनीतिक पार्टियों ने अपना वोट बैंक बनाने के लिए जतरा की जमीन को ईदगाह और कब्रिस्तान बनाने के लिए दे दिया गया . लगभग कब्रिस्तान के लिए 70 डिसमिल और ईदगाह के लिए लगभग 50 डिसमिल जमीन मुस्लिम समुदाय के लिए सार्वजनिक कर दी गयी .

15 सौ वॉलंटियर सुरक्षा में रहेंगे तैनात

पड़हा समिति के सदस्यों ने बताया कि जतरा में विधि व्यवस्था बनाने के लिए 1500 वॉलंटियर तैनात रहेंगे . आदिवासी छात्र संघ के 500 सदस्य स्वयंसेवक के रूप में दिखाई देंगे .मेले की निगरानी के लिए ड्रोन कैमरा और जगह जगह कैमरो के माध्यम से मेले में आये हुए लोगों की निगरानी की जाएगा . जतरा में दुकान लगाने वाला दुकानदारों ने बताया कि मुड़मा जतरा में प्रत्येक दुकान के लिए 10-15 रुपये वर्ग फुट लिये जा रहे हैं .

शिव चबूतरे का होगा कायाकल्प, भूमि पूजन

रंका। गढ़वा जिला के रंका अनुमंडल मुख्यालय के सोनार मोहल्ला स्थित शिव चबूतरे का कायाकल्प किया जायेगा. इसके नवनिर्माण को लेकर रविवार को पूर्वाह्न आठ बजे भूमि पूजन किया गया. इस दौरान जेएमएम के प्रखंड अध्यक्ष आशीष गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि अनिल चंद्रवंशी, रंका के प्रतिष्ठित व्यवसायी उमेश सोनी और मुमताज अली रंगसाज युवा प्रखंड अध्यक्ष दीपक कुमार सोनी, उमेश कुमार सोनी, अरविंद कुमार सोनी, बिट्टू सोनी, नंदलाल सोनी, अंबिका सोनी, मदन खान, विधायक प्रतिनिधि अनिल कुमार चंद्रवंशी,आदि उपस्थित रहे. जेएमएम के प्रखंड अध्यक्ष आशीष ने कहा कि वर्तमान विधायक सह प्रदेश के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने विधानसभा चुनाव के पूर्व किये गये वादे को पूरा करने की पहल प्रारंभ कर दी है.

जामा मस्जिद में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

जमशेदपुर। साकची स्थित जामा मस्जिद कमेटी की ओर से रविवार को रक्त एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन हुआ. मस्जिद परिसर में आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में लोग अपने स्वास्थ्य की जांच कराने पहुंचे. लगभग 50 से ज्यादा लोगों की जांच की गई, जिसमें गरीब एवं असहाय लोगों की संख्या ज्यादा थी. मस्जिद कमेटी के सदस्यों ने बताया कि प्रतिमाह महीने के अंतिम रविवार को स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया जाएगा. कमेटी ने ज्यादा से ज्यादा लोगों से इसका लाभ उठाने की अपील की है. कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष फैज अहमद, सचिव जवादुल हसन (नन्हे) के अतिरिक्त कमेटी सभी सदस्यों की अहम भूमिका रही.

परसुडीह में हुई मानकी-मुंडा व्यवस्था पर महत्वपूर्ण चर्चा

संवाददाता। जमशेदपुर

परसुडीह के हलुदबनी लोहिया भवन सिद्धू-कान्हू चौक के समीप हलुदबनी पंचायत स्तरीय आदिवासी ''हो'' पारंपरिक स्वशासन मानकी-मुंडा व्यवस्था पर ग्रामीणों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई. इसकी अध्यक्षता समाजसेवी जयपाल सिरका ने की. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यह व्यवस्था आदिकाल से हमारे पूर्वजों ने बनाया एवं संरक्षित कर रखा है. इस व्यवस्था को और सुदृढ़ एवं सुचारु रूप देने की आवश्यकता है.

बैठक में चारों पंचायत की व्यवस्था को नए सिरे से सुचारू रूप देने हेतु सर्व समिति से नए पदाधिकारी का चयन किया गया. इनमें पश्चिम क्षेत्र से मुंडा नेपा गागराई, डाकुआ सामू हेंब्रम, दियूरी सानगी बिरूली, यात्रा दियूरी, सेलाई हेंब्रम, पूर्वी क्षेत्र से मुंडा रामचंद्र तियू, डाकुआ कैप्टन पूर्ति, दियूरी खुदीराम हेंब्रम, यात्रा दियूरी पुरुषोत्तम बिरवा, दक्षिणी क्षेत्र से मुंडा गंभीर सोए, डाकुआ आनंद गागराई, दियूरी मानकी हेंब्रम, यात्रा दियूरी महेश गागराई और मध्य क्षेत्र से मुंडा धनु पूर्ति, डाकुआ किशन होनाहागा, दियूरी लगरा पूर्ति, यात्रा दियूरी सुंदर हेंब्रम को चयनित किया गया. बैठक में सामाजिक कार्यकर्ता शिक्षाविद, बुद्धिजीवी, जनप्रतिनिधि, रैयत एवं काफी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया. स्वागत संपूर्ण सवैया एवं धन्यवाद ज्ञापन मुंडा गंभीर सोए ने किया. बैठक में मुख्य रूप से मुखिया सुमन सिरका, ढाटु हेंब्रम, रैना पूर्ति, संतोष पूर्ति, बबलू भूमिज उपस्थित थे.

आदिवासी लोहरा समाज का सम्मेलन

लातेहार । स्थानीय आदिवासी बासाओड़ा में रविवार को आदिवासी लोहरा समाज का जिला स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया गया. अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मोहन लोहरा ने किया. मौके पर बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष बालमुकुंद लोहरा ने कहा कि जब तक समाज की समस्याओं का स्थायी सामाधान नहीं हो जाता है, तब तक आदिवासी लोहरा समाज को उनका हक नहीं मिलेगा. उन्होंने जिले के लोहरा समुदाय को संगठित होने की अपील की. मौके पर प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अभय भुट कुंवर, प्रदेश महासचिव प्रीतम सांड, लोहरा स्थायी समाधान के अध्यक्ष महावीर लोहरा के अलसचस कार्यकारी जिला अध्यक्ष सरोज लोहरा, प्रखण्ड अध्यक्ष विनोद लोहरा व जिला महासचिव राजा लोहरा समेत जिला परिषद विनोद उरांव, सरना समाज के सचिव बिरसा मुंडा आदि शामिल थे.

गोस्वामी समाज की कोर कमेटी बनी

पलामू । मेदिनीनगर कचहरी परिसर में पलामू के गोस्वामी (गिरी) समाज की महत्वपूर्ण बैठक हुई, इस बैठक में जहां कोर कमेटी का गठन किया गया, वहीं पूरे पलामू में गोस्वामी समाज के उत्थान समेत चहुंमुखी विकास पर चर्चा की गई. युवा वर्ग में चारित्रिक, नैतिक, आर्थिक विकास के लिए कई कार्ययोजना तैयार की गई साथ ही कल्याण कोष का भी गठन किया गया. इस बैठक में सर्वसम्मति से सरयू गिरी को अध्यक्ष , उदय भारती को उपाध्यक्ष, अनिल गिरी को सचिव और विक्की कुमार को कोषाध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया.उपसचिव की जिम्मेदारी रविशंकर भारती को दी गई, वही संरक्षक के रूप में नागेंद्र भारती, युधिष्ठिर गिरी समेत अन्य लोगों का चयन किया गया.

सुरमयी महफिल से सतबरवा में दिया गया साझी संस्कृति का पैगाम

संवाददाता। मेदिनीनगर

पलामू की सरजमीं से एक तरफ जहां साझी संस्कृति को बिगाड़ने का प्रयास किया जाता रहा है, वहीं दूसरी तरफ गंगा-जमुनी तहजीब के जरिये मोहब्बत का पैगाम भी दिया जा रहा है. दरअसल शरद पूर्णिमा को सतबरवा में जय मां काली संघ ने भक्ति जागरण का आयोजन किया. बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित थानेदार अमित कुमार सोनी ने फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. साथ ही संघ के लोगों को शुभकामनाएं दी. वहीं मुख्य वक्ता शिक्षाविद सह झामुमो के युवा नेता अविनाश देव ने दीप-प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का लोकार्पण किया. इसके बाद कमेटी के अध्यक्ष मेघराज ने फूलमाला देकर आगंतुक अतिथियों का स्वागत किया.

भक्ति जागरण कार्यक्रम में आफताब आलम (जिन्हें इलाके में छोटे गुरुजी के नाम से ख्याति अर्जित है) ने मंच संचालन कर बड़ी ही शिद्दत से समां बांधे रखा. सांस्कृतिक संध्या में उमड़े जनसैलाब ने मनोरंजन का लाजवाब लुत्फ उठाया. श्रोताओं को संबोधित करते हुए अविनाश देव ने कहा कि मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना. सांस्कृतिक कार्यक्रम कच्चे धागे से आपसी एकता को मजबूत रिश्ते में पिरोता है. उपस्थित लोगों ने तालियां बजाकर अविनाश देव की हौसला अफजाई की.

काली पूजा पंडाल का भूमिपूजन

संवाददाता । आदित्यपुर

एमआईजी-एलआईजी-जनता हाउस सार्वजनिक काली पूजा समिति के पंडाल के भूमिपूजन में जियाडा के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन पहुंचे. उनके साथ हरहर महादेव संघ के अध्यक्ष अमरप्रीत सिंह काले, कांग्रेस प्रदेश महासचिव नेता अजय सिंह भी शामिल हुए. समिति इस वर्ष रजत जयंती समारोह मना रही है. 11 नवंबर को शाम 6 बजे केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा पंडाल का उद्घाटन करेंगे. और 14 नवंबर को भोजपुरी गायिका अनुपमा यादव और प्रियंका सिंह सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगी. भूमि पूजन में कर्नल आर पी सिंह, दिवाकर झा, नरेश तनेजा, एसडी शर्मा, सतीश शर्मा आदि मौजूद रहे.

यहां आगामी 12 नवंबर को काली पूजा विधि विधान से होगी. इस दौरान 500 गरीबों को कंबल बांटा जाएगा. जबकि हजारों कॉलोनी वासियों के बीच महाभोग बांटा जाएगा. कमेटी के द्वारा इस वर्ष भी समिति का वार्षिक स्मारिका का प्रकाशन होगा. रजत जयंती के मौके पर कमेटी के द्वारा एक लक्की ड्रा के माध्यम से एक स्कूटी पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया जाएगा. इस लक्की ड्रा का कूपन कमेटी के सदस्य 10 हजार रुपये चंदा देकर प्राप्त कर सकते हैं. काली पूजा सम्पन्न कराने में अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह के साथ अधिवक्ता समरेंद्र प्रताप सिंह, संजय पांडेक आलोक कुमार श्रीवास्तव, राजेश कुमार, नरेंद्र चौधरी, प्रभाकर शर्मा, देवेंद्र प्रसाद, सुमित कुमार, रवि कुमार, दिलीप पाठक, आदि सक्रिय रूप से लगे हैं.

फुटबॉल मैदान में पंडाल के लिए हुआ भूमि का पूजन

आदित्यपुर। सार्वजनिक काली पूजा कमेटी फुटबॉल मैदान आदित्यपुर का भूमिपूजन रविवार को विधि विधान से हुआ. यहां पिछले 1972 से काली पूजा हो रही है. उद्घाटन 12 नवंबर की शाम 7 बजे मंत्री चम्पई सोरेन करेंगे. नई कमेटी में अध्यक्ष पवित्र कुमार बर्मन उर्फ गोरा दा, कोषाध्यक्ष माणिक दास, महासचिव सुनील सिंह, संरक्षक सुशील मंडल, अंजन दास, रवि श्रीवास्तव, प्रसेनजीत घोष, आदि शामिल हैं. मौके पर नगर पर्षद के पूर्व उपाध्यक्ष पुरेंद्र नारायण सिंह, श्रीराम ठाकुर कल्याण घोष, भगलु सोरेन, शशांक कुमार गांगुली, देबू पण्डि मुखी आदि मौजूद थे.

चाकुलिया में बनाया जाएगा काली पूजा का भव्य पंडाल

चाकुलिया। चाकुलिया के नया बाजार स्थित नागानल कॉलोनी के काली मंदिर परिसर में रविवार को नागानल कॉलोनी काली पूजा कमेटी की बैठक अभिजित दास की अध्यक्षता में हुई. बैठक में इस वर्ष भी धूमधाम से काली पूजा आयोजित करने का निर्णय लिया गया. ज्ञात हो कि नागानल कमेटी काली पूजा वर्ष 1996 से होती आ रही है. यहां की पूजा कमेटी द्वारा भव्य पंडाल और विद्युत सज्जा मुख्य आकर्षण के केन्द्र होते हैं. बैठक में पूजा आयोजन कमेटी का गठन किया गया. कमेटी में अभिजीत दास को अध्यक्ष, देवाशीष नाथ को उपाध्यक्ष और आशीष कुमार नाथ को सचिव बनाया गया. बैठक में निर्णय लिया गया कि इस वर्ष पूजा में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे.

लांचिंग आदित्यपुर में द सफायर टाउनशिप प्रोजेक्ट का रंगारंग उद्घाटन समारोह

अभिनेत्री अक्षरा व सैक्सोफोन प्लेयर लिपिका ने झुमाया

संवाददाता । आदित्यपुर

आदित्यपुर के सतबहिनी में रविवार की रात आयोजित एक रंगारंग कार्यक्रम में भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह तथा कोलकाता की सेक्सोफोन प्लेयर लिपिका ने मौजूद लोगों को रात भर झूमने को विवश किये रखा. उल्लेखनीय है कि समय होम्स की ओर से जमशेदपुर द सफायर टाउनशिप का निर्माण किया जा रहा है. उसी के उद्घाटन समारोह के अंतर्गत इस सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था.

कार्यक्रम में अक्षरा ने पहले हिंदी, फिर भोजपुरी और आखिर में नागपुरी गीत मोर अठरह साल होय गेलक सुनाकर जहां समां बांधा, वहीं लिपिका ने एक से बढ़कर एक रोमांटिक गीतों को सेक्सोफोन पर बजाकर खूब वाहवाही लूटी. पत्रकारों से बातचीत में अक्षरा ने कहा कि जमशेदपुर मेरा ननिहाल है, मैं यहां पहुंचकर खुद को अपनों के बीच महसूस कर रही हूं. उन्होंने बताया कि उनकी भोजपुरी के बाद अब हिंदी फिल्मों में भी शीघ्र इंट्री होने वाली है. तब जमशेदपुर के लोगों को उनका अभिनय देखने को मिलेगा. वहीं समारोह को संबोधित करते हुए समय होम्स के डायरेक्टर राजेश सिंह ने कहा कि अग्रिम बुकिंग पर कई इनाम दिये जा रहे हैं, जिसमें उन्होंने तत्काल बंगलों की बुकिंग पर इलेक्ट्रिक कार इनाम में दिए जाने की घोषणा की. वहीं इस दौरान उन्होंने कई और इनामों की घोषणा फ्लैट्स आदि की बुकिंग पर की.

बता दें कि आदित्यपुर के सतवहनी में जमशेदपुर का समय होम्स 2000 फ्लैट्स का 15 तल्ला टाउनशिप बसाने जा रहा है. समय होम्स के डायरेक्टर राजेश सिंह और भारती सिंह ने प्रोजेक्ट रविवार को लांच किया. समय होम्स के सलाहकार एमएस सिंह मानस के साथ प्रोजेक्ट के मैनेजर गणेश चौधरी और मिथुन बैनर्जी ने बताया कि यह प्रोजेक्ट 2022 से निर्माणाधीन है, राजेश सिंह ने कहा कि उन्हें 30 वर्ष से इस क्षेत्र का अनुभव है. अब तक 25 हजार घर बना चुका हूं. जिस स्थान पर घर बन रहा है वहां 3 साइड वन विभाग की जमीन है जिससे भविष्य में भी यह प्रोजेक्ट पॉल्यूशन फ्री होगा. यह स्थान फ्लड फ्री जोन है. प्रोजेक्ट का रेरा, पर्यावरण और फायर बिग्रेड से एनओसी प्राप्त है. यहां कुल 815 यूनिटें बनेंगी, जिनमें 1 बीएचके लेकर 4 बेडरूम तक के फ्लैट्स के साथ ईडब्ल्यूएस के लिए 7 यूनिट में 1 बीएचके के 276 फ्लैट्स भी बनेंगे.

कार्तिक उरांव को दी गई श्रद्धांजलि

संवाददाता। जमशेदपुर

आदिवासी उरांव समाज समिति ने रविवार को पुराना सीतारामडेरा में महान शिक्षाविद सह पूर्व केंद्रीय मंत्री रहे बाबा कार्तिक उरांव को 99वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी. कार्यक्रम में सर्वप्रथम अतिथियों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. इसके उपरांत वक्ताओं ने उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला. बताया गया कि बाबा साहेब विलक्षण प्रतिभा के धनी थे. उन्होंने एक साधारण परिवार में जन्म लेकर उच्च शिक्षा ग्रहण कर विदेश में पढ़ाई की एवं सफल इंजीनियर बने. इसके बाद वे सामाजिक उत्थान के लिए राजनीति में आए एवं भारत सरकार के मंत्री के रूप में योगदान दिया. अंत में सभी लोगों के बीच लड्डू का वितरण किया गया एवं सभी से अपील की गई कि संध्या में सभी अपने घर के बाहर एक दीप जरूर जलाएं.

कार्यक्रम के अंत में सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए समाज द्वारा मिली कुजूर, तानिया कुजूर, सुहाना कुजूर, आदिति तिर्की, दीपू कच्छप, आंचल तिर्की, नैना मिंज, प्राची तिर्की, शिल्पी मिंज, आर्ची लकड़ा, नंदनी टोप्पो को सम्मानित किया गया. कार्यक्रम का संचालन रामू तिर्की ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन शंभू मुखी ने किया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीतारामडेरा थाना प्रभारी भूषण कुमार, विशिष्ट अतिथि स्वर्गीय बुधन तिर्की की धर्मपत्नी शांति तिर्की उपस्थित थी. जबकि सम्मानित अतिथि के रूप में राकेश उरांव, जुगल बरहा, राज लकड़ा, गोमिया सुंडी, बुधु खालखो, शंभू मुखी, नंदलाल पातर, राजश्री नाग, सुरा बिरुली, निकिता सोय, उपेन्द्र बानरा, रवि स्वया, दुर्गा मनी बोइपाय, राजन कुजूर, किशोर लकड़ा, बबलू खालखो, जीतू खालखो, अमरदीप तिर्की, बहादुर कच्छप, लखन कुजूर उपस्थित थे.

खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमत ने बिगाड़ा किचन का बजट

पहले बेरोजगारी और फिर महंगाई. जब इन दोनों का साथ हो तो आम आदमी की कमर टूटनी तय है. ऐसा ही कुछ इन दिनों लोगों के साथ हो रहा है. पिछले कुछ दिनों से बाजार में खाद्य पदार्थों और सब्जियों के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं. इसमें सबसे आगे प्याज है, जिसकी कीमत कुछ दिनों पहले 30 रुपये प्रति किलो थी, लेकिन अब कीमत 50 के पार जा रही है. यही हाल हरी सब्जियों का भी है. बरसात के मौसम में जब इसकी कीमत बढ़ती है, तो सब्जी खेत में खराब होने की बात कही जाती, जबकि ऐसा अभी कुछ नहीं है. इसके बाद भी प्याज समेत अन्य सब्जियों के दाम बढ़ रहे हैं. राशन की कीमतों में उछाल से लोगों की मुश्किलें बढ़ रही हैं. इस महंगाई ने गृहिणियों की रसोई का बजट बिगाड़ कर रखा दिया है. आम आदमी की थाली से हरी सब्जियां गायब होने लगी हैं. कीमतों में एकदम से इतना उछाल आया है कि कम आय वाले परिवारों के लिए हरी सब्जी खरीदकर खाना मुश्किल हो रहा है. कुछ समय पहले टमाटर की कीमत एक मुद्दा बना था. वही हाल अब प्याज का होने जा रहा है. जबकि कुछ राज्यों में अब चुनाव होना है. ऐसे में सरकार को इस पर रोक लगानी चाहिए, ताकि लोगों को राहत मिल सके. लेकिन स्थिति में कोई सुधार के आसार नजर नहीं आ रहे हैं. ऐसे में आमलोग महंगाई को लेकर मुश्किल में हैं. वे सरकार से इस पर काबू पाने की गुहार लगा रहे हैं. मामले की गंभीरता को देखते हुए शुभम संदेश की टीम आमलोगों के बीच पहुंची, बढ़ती महंगाई पर बात की. पढ़िए क्या हैं लोगों की प्रतिक्रिया...

बोकारो

कोरोना काल से ही महंगाई पीछा नहीं छोड़ रही है: आरती देवी

बोकारो जिले के कसमार प्रखंड की गर्री निवासी आरती देवी ने बताया कि कोरोना काल से ही महंगाई पीछा नहीं छोड़ रही है. फिलहाल हरी सब्जियों के भाव में तो घर का बजट और खाने का स्वाद ही बिगड़ गया है. चावल दाल के साथ अगर सब्जियों के भाव कम हो तो कम खर्चे में भी घर किसी तरह चला लेते हैं, लेकिन महंगाई में घर चलाना मुश्किल होता है. उन्होंने बताया कि राज्य सरकार या केंद्र सरकार को बढ़ती महंगाई को कम करने की दिशा में थोड़ा सोचना चाहिए. मध्यम वर्ग हर तरफ से घिर जाता है. महंगाई की मार सबसे अधिक उसी पर पड़ती है.

टमाटर की कीमत थोड़ी कम हुई है: सूर्यमणि देवी

बोकारो जिले के कसमार प्रखंड के सिलीसाड़म निवासी सूर्यमणि देवी ने बताया कि महंगाई का सबसे ज्यादा असर गरीब तबके के लोगों पर पड़ता है. बाजार में हरी सब्जियां खरीदने जाते हैं, लेकिन महंगे भाव के कारण सिर्फ आलू व अन्य एक दो सब्जी खरीदकर वापस घर लौट जाते हैं. पिछले एक माह से टमाटर की कीमत थोड़ी कम हुई है. इसलिए कुछ दिनों से टमाटर खरीद पा रहे हैं, नहीं तो जब टमाटर के भाव 200 रुपए किलोग्राम हो गया था, तब कुछ महीने तो टमाटर खरीदना ही छोड़ दिया था. सरकार को ठोस कदम उठाने की जरूरत है.

हरी सब्जियों की खरीदारी बंद कर दिए हैं: सुलेखा देवी

बोकारो जिले के जरीडीह प्रखंड की बांधडीह निवासी सुलेखा देवी ने बताया महंगाई के कारण फिलहाल हरी सब्जियों की खरीदारी बंद कर दिए हैं. सब्जियों के बदले सादा भोजन कर रहे हैं. सब्जियों में प्याज थोड़ा सस्ता था, लेकिन अब प्याज के दाम भी बढ़ने लगे हैं. समझ में नहीं आता, कि क्या करें. बड़ी मुश्किल से घर चलाते हैं. इस स्थिति में सामान व सब्जियों के भाव कम हों तो घर चलाने में सहूलियत होती है. लेकिन स्थिति तो विपरित है. किसी तरह घर चला रहे हैं. ऐसे में हमें कब राहत मिलेगी यह कहा नहीं जा सकता है.

सब्जियों के दाम बढ़ने से परेशानी हो रही है: आशा देवी

बोकारो के सेक्टर चार निवासी गृहिणी आशा देवी ने बताया कि चावल, दाल, तेल समेत हरी सब्जियों के दाम बढ़ने से घर चलाने में हम गृहिणियों को काफी परेशानी हो रही है. पुरुष तो कमाने के लिए घर से बाहर चले जाते हैं, लेकिन घर के बजट को संतुलित करने का जिम्मा हम सब महिलाओं पर ही रहता है. इस स्थिति में महंगाई के कारण इन दिनों काफी परेशानी हो रही है. महंगाई को कम करने को लेकर राज्य सरकार के साथ साथ केंद्र सरकार को ठोस कदम उठाना चाहिए. इससे हमें सहूलियत के साथ घर चलाने में दिक्कत नहीं होगी.

जमशेदपुर

घर का किराया चुकाने में परेशानी होती है: हरमीत सिंह

मानगो निवासी हरमीत सिंह कहती हैं कि उनके घर में कुछ छह सदस्य रहते हैं. पिछले साल तक हमारा मासिक घरेलू खर्च पांच हजार रुपये था. जो इस साल बढ़कर 8-10 हजार रुपये हो गया है. जबकि आय वही है, लेकिन खर्च लगभग दोगुना हो गया है. कोई राहत नहीं मिलने के कारण अपनी खाने की आदतों में बदलाव करने के लिए विवश होना पड़ा है. हरमीत कहती हैं कि उनका परिवार किराए के मकान में रहता है, महंगाई इतनी बढ़ गई है कि घर का किराया भी चुकाने में परेशानी होती है. ऐसे में हम इस महंगाई से कैसे पार पाएंगे.

घर का खर्चा पूरा करना है मुश्किल: गीता यादव

बारीडीह निवासी गीता यादव कहती है कि महंगाई की मार घर पर देखने को मिलती है. घर में छोटे-छोटे बच्चे हैं. पहले बच्चे दिन में तीन बार दूध पीते थे, अब जब यह इतना महंगा हो गया है तो उन्हें दिन में केवल एक बार ही दूध देती हूं. पति ऑटो चालक है. वह प्रति माह लगभग 12-15 हजार रुपये कमाते हैं. हालांकि, बढ़ती लागत के कारण, उनका परिवार समझौता कर रहा है. फिर भी घर के खर्चे पूरे करने में काफी मुश्किल हो रही है. सरकार को इस पर गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए. महंगाई पर लगाम लगाना चाहिए.

बढ़ते दामों ने गृहस्थी पर खासा असर डाला है: नेहा देवी

बारीडीह की नेहा देवी कहती हैं कि बढ़ते दामों ने गृहस्थी पर असर डाला है. इससे आम लोगों के सामने दाल रोटी का संकट खड़ा हो गया है. किसी तरह खर्च में कटौती कर घर चलाने को विवश हूं. पहले खाने में कई तरह की दाल और सब्जी रहती थी. इससे भरपेट खाना खाते थे. जीवन बहुत अच्छा चल रहा था. पर महंगाई बढ़ी तो कम सब्जियां बनानी पड़ती है. इसके अलावा दूध लाना भी बंद कर दिया है. सरकार को महंगाई के लिए कोई नीति बनानी चाहिए. ताकि लोगों को इससे राहत मिल सके. लेकिन सबकुछ जानते हुए भी सरकार मौन है.

सब्जियों की कीमतों ने चिंता बढ़ा दी है: सुमन मिश्रा

कदमा की सुमन मिश्रा कहती है कि खाने का तेल, गैस सिलेंडर के बढ़े दामों से पहले ही कम परेशानी नहीं थी. अब मसालों, दूध, सब्जियों तक की कीमतों ने भी चिंता बढ़ा दी है. सरकार बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण के लिए प्रयास नहीं कर रही है. हर 2-4 दिन में किसी ना किसी सामग्री के दाम बढ़ रहे हैं. रोजमर्रा की जरूरतों की सामग्रियों के दाम काफी बढ़े हुए हैं. उन पर नियंत्रण तो नहीं किया जा रहा है. रोज दैनिक उपयोग की सामग्रियों के दाम बढ़ाकर सरकार एक तरह से गरीबों के सामने भोजन संकट पैदा कर रही है.

गिरिडीह

महंगाई से रसोई का जायका बिगड़ गया है: सावित्री देवी

जमुआ प्रखंड के मिर्जागंज की गृहिणी सावित्री देवी ने कहा कि हरी सब्जी की कीमतें आसमान छू रही हैं. बाजार में जाने पर सब्जी खरीदना मुश्किल हो गया है. काफी सोच विचार कर सब्जी लेनी पड़ती है. इससे रसोई का जायका बिगड़ गया है. पिछले कई महीनों से खाद्य सामग्री के साथ-साथ हरी सब्जियों की कीमत में काफी वृद्धि हुई है. जबकि इस पर रोक लगानी चाहिए. आखिर कब तक हमलोगों को इसे झेलना पड़ेगा. बढ़ती महंगाई के कारण गृहणियों को काफी परेशानी हो रही है. सरकार इस पर ध्यान देना चाहिए.

थाली से हरी सब्जियां गायब हो रही हैं: सुमन सिंह

शहर के सिहोडीह की गृहणी सुमन सिंह ने कहा कि खाद्य सामग्री की कीमतें आसमान छू रही हैं. बीच में सुधार हुआ था. कीमतें स्थिर थीं. तो लग रहा था कि अब हालात सुधर जाएंगे. लेकिन फिर वही स्थिति आ गई है. खाने की थाली से हरी सब्जियां गायब हो रही हैं. टमाटर, प्याज, खीरा, पटल, बैंगन, फुल गोभी, अदरख, हरी मिर्च और धनिया पत्ता की कीमतें आसमान छू रही हैं. खाद्य सामग्री और सब्जियों की कीमत बढ़ने से काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. बढ़ती कीमतों पर केंद्र और राज्य सरकार को संज्ञान लेना चाहिए.

लोग हरी सब्जियां अब खाना छोड़ते जा रहे हैं: बेबी देवी

गावां प्रखंड की बेबी देवी ने बताया कि खाद्यान्न की बढ़ती कीमतों का सबसे अधिक असर हमलोगों पर पड़ता है. आखिर हमें ही घर का बजट देखना पड़ता है. जो पैसे मिलते हैं उसी में सब्जी लानी पड़ती है. वहीं बाजार जाने पर हालात कुछ और होते हैं. कीमत देखकर बहुत कुछ छोड़ना पड़ता है. हरी सब्जियों की कीमतें काफी बढ़ गई हैं. इससे रसोई का जायका बिगड़ गया है. लोग हरी सब्जियां खाना छोड़ते जा रहे हैं. ग्रामीण क्षेत्रों में भी हरी सब्जियां महंगी हो चुकी हैं. मूली की कीमतें भी अब 50 के आसपास पहुंच चुका है.

सरकार को इस पर विचार करना चाहिए: उषा सिंह

गांडेय प्रखंड की गृहणी उषा सिंह ने बताया कि हरी सब्जी और खाद्य सामग्री की कीमतें आसमान छू रही हैं. जिधर देखो उधर ही कीमत अधिक दिखाई देती है. यहां तक कि मूली की कीमत भी अधिक है. जबकि अभी ही इसका मौसम होता है. इसमें कम होनी चाहिए. लेकिन नहीं है. इससे रसोई का जायका बिगड़ गया है. भोजन की थाली से हरी सब्जी गायब हो रही है. किसी को अनुमान भी नहीं था कि हरी सब्जी और खाद्य सामग्री की कीमतें इतनी तेजी से बढ़ेंगी. सरकार को इस पर विचार करना चाहिए. सरकार चाहे तो सबकुछ हो सकता है.

साहिबगंज

सब्जी की जगह चोखा भात खा रहे हैं: सबीना किस्कू

बोरियो प्रखंड निवासी सबीना किस्कू ने बताया कि महंगाई के कारण फिलहाल साग सब्जियों की कीमतें आसमान छू रही हैं. सब्जियों के बदले सादा चोखा भात भोजन कर रहे हैं. सब्जियों में प्याज 50 रु किलो खरीद कर खाना पड़ रहा है. समझ में नहीं आता, कि क्या करें. बड़ी मुश्किल से घर चलाना पड़ रहा है. बढ़ती महंगाई के कारण गृहणियों को काफी परेशानी हो रही है. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार को महंगाई पर ठोस कदम उठाने की जरूरत है.

बाजार में हर चीज की कीमत बहुत अधिक है: दुखनी देवी

साहिबगंज प्रखंड गांव मखमलपुर निवासी दुखनी देवी गृहिणी हैं. बताया कि हरी सब्जी और खाद्य सामग्री की कीमत बहुत बढ़ गया है. इससे रसोई का बजट बिगड़ गया है. वहीं भोजन की थाली से हरी सब्जी गायब हो रही है. बाजार में हर चीज की कीमत अधिक है. जबकि कुछ दिन पहले टमाटर से लोग परेशान थे. अब प्याज से परेशान हैं. हर चीज की कीमत बढ़ रही है. महंगाई को कम करने को लेकर राज्य सरकार के साथ केंद्र सरकार को भी ठोस कदम उठाना चाहिए.

बढ़ती कीमत पर सरकार को संज्ञान लेना चाहिए: पानो देवी

दर्जना गांव निवासी पानो देवी ने बताया कि खाद्य तेल सामग्री की कीमतें आसमान छू रही हैं. खाने की थाली से हरी सब्जियां गायब हो रही हैं. खाद्य तेल सामग्री और सब्जियों की कीमत बढ़ने से गृहिणी को धर चलने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. खाद्य सामग्री और सब्जियों की बढ़ती कीमतों की वृद्ध पर केंद्र और राज्य सरकार को संज्ञान लेना चाहिए. उन्होंने कहा कि खाद सामग्री की कीमत बढ़ने से पौष्टिक आहार बंद हो गया है. किसी को अनुमान नहीं था कि खाद्य सामग्री की कीमतें इतनी बढ़ेंगी.

लातेहार

महंगाई रसोई का बजट बिगाड़ रही है: रीना

शहर के धर्मपुर निवासी गृहणी रीना देवी ने कहा कि इन दिनों सब्जियों के भाव आसमान छू रहे हैं. 40 रुपये किलो से कम कोई सब्जी नहीं है. प्याज तो मानो लोगों को रूला रहा है. अचानक सब्जियों के बढ़े दामों से महिलाओं के किचन का बजट बिगड़ गया है. पहले जो सब्जी एक किलो लेते थे अब आधा या उसे भी कम लेना पड़ रहा है. बढ़ते दामों पर रोक लगाना आवश्यक है. नहीं तो हमलोगों को मुश्किल होगी.

महंगाई कमर तोड़ रही है: अनीता देवी

शहर के थाना चौक निवासी गृहणी अनीता देवी ने कहा कि सब्जियों के भावों में अप्रत्याशित वृद्धि लोगों की कमर तोड़ रही है. महंगाई से किसानों को फायदा नहीं हो रहा है. बिचौलिया मुनाफा कमा रहे हैं. बिचौलिया एवं भंडार वाले किसानों से कम दामों में सब्जियां ले कर बाजार में मनमाना दाम में बेच रहे हैं. बैगन तक 50 रुपये किलो बिक रहा है. इस पर सरकार को दखल देने की जरूरत है.

महंगाई पर लगाम लगाना जरूरी: पूनम सिंह

मस्जिद रोड निवासी पूनम सिंह ने कहा कि महंगाई पर रोक लगाना जरूरी है. महंगाई के कारण घर का बजट गड़बड़ा जा रहा है. खास कर सब्जी व दलहन के दामों पर लगाम लगाना आवश्यक है. आज सब्जी बाजार में महंगाई ने लोगों को परेशान कर दिया है. लोगों को समझ नहीं आ रहा है कि क्या खरीदे और क्या नहीं. सभी सब्जियों के भाव आसमान छू रहे हैं. बाजार जाने पर हर सब्जी की कीमत अधिक है. वहीं सब्जी के बिना भोजन करना मुश्किल है. ऐसे में हमलोग कहां जाएंगे. अब हमारी उम्मीद सरकार पर ही है. अगर सरकार कुछ करती है तो राहत मिलेगी.

चक्रधरपुर

महंगाई बढ़ने से परिवार चलाना हुआ मुश्किल: मंजूश्री तियू

चक्रधरपुर निवासी मंजूश्री तियू ने कहा कि महंगाई बढ़ने से परिवार चलाना मुश्किल हो गया है. घरेलू सामानों के दाम में वृद्धि हुई है. उन्होंने कहा कि आय में कोई बढ़ोत्तरी नहीं हो रही है, लेकिन महंगाई दिनोंदिन बढ़ती जा रही है. चावल, दाल, सरसों तेल के दाम आए दिन बढ़ रहे हैं. घर का खर्च बढ़ता जा रहा है. ऐसे में परिवार चलाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. महंगाई पर लगाम लगाने की आवश्यकता है.

सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं: पंकजनी देवी

चक्रधरपुर निवासी महिला पंकजनी देवी ने कहा की महंगाई बढ़ने से घर का बजट पूरी तरह बिगड़ गया है. सब्जियों के दाम मानों आसमान छू रहे हैं. दो सौ रुपए की सब्जी दो टाइम भी सही तरीके से नहीं चल पाती है. कुछ दिनों पहले जिस तरीके से टमाटर के दाम में बढ़ोतरी हुई थी, अब प्याज के दाम बढ़ गए हैं. इस पर अभी कोई रोक नहीं लगा रहा है. यह इसी तरह बढ़ता जाएगा. आम परिवार का बढ़ती महंगाई में जीना मुश्किल हो गया है.

परिवार चलाने में अब लोगों को हो रही परेशानी: मालती

चक्रधरपुर निवासी मालती दिग्गी ने कहा की महंगाई बढ़ने से परिवार चलाने में परेशानी हो रही है. उन्होंने बताया कि पति मजदूरी करते हैं. उनकी मजदूरी दर में वर्षों से वृद्धि नहीं हुई है, लेकिन खाद्यान्न सामग्रियों, सब्जियों इत्यादि के दामों में आए दिन बढ़ोत्तरी हो रही है. महंगाई बढ़ने के कारण रसोई गैस सिलेंडर भी बहुत दिनों से नहीं भराया है. जितनी कमाई होती है, उसमें सिलेंडर भराना आसान नहीं है. ऊपर से यह महंगाई. मजबूरी में लकड़ी चूल्हे पर खाना पकाना पड़ता है. आखिर हमलोग कहां जाएंगे. इस पर सरकार को ध्यान देना चाहिए.

देवघर

अब तो प्याज भी रुलाने लगा है: प्रीति

साग सब्जी और खाद्य पदार्तो की बढती कीमत पर निजी स्कूल में शिक्षिका के पद पर कार्यरत गृहिणी प्रीति का कहना है कि लगातार सब्जियों के दामों में इजाफा हो रहा है. कुछ दिन पहले तक जहां टमाटर ने अपने रंग दिखाए थे, वहीं अब प्याज भी रुलाने लगा है. उनकी मानें तो सबसे ज्यादा परेशानी वैसे लोगों के लिये है जो शुद्ध रूप से शाकाहारी हैं. यानी उनके लिये विकल्प नहीं के बराबर हैं. इसलिए सरकार को इसे देखना चाहिए.

मांसाहारी पकवान का जायजा बिगड़ने लगा है: सुनीता देवी

गृहिणी सुनीता देवी कहती हैं कि अपने शहर या गांव छोड़कर किसी दूसरे शहर में आकर नौकरी करने पर हर चीज खरीदनी पड़ती है. घर के किराये से लेकर साग सब्जी और खाने पीने की हर चीज खरीदनी पड़ती है. जहां खाद्य पदार्थ के दामों में तेजी आयी है वहीं टमाटर के बाद प्याज के दाम बढ़ने से मांसाहारी पकवान का जायजा बिगड़ने लगा है. आखिर लोग कहां जाएंगे. उन्हें इसी में रहना है.

बढ़ती कीमत पर सरकार की नजर नहीं है: अदिति

गृहिणी अदिति कहती हैं कि खाद्य पदार्थ और साग सब्जियों के दाम पर लगता है कि सरकार की कोई नजर नहीं है. चौक चौराहों पर बैठकर सब्जी बेचने वाले मनमाना कीमत मांगते हैं. एक महीना पहले तक टमाटर की कीमत बढकर आसमान छू रहा था. अब प्याज की बारी है. शाकाहारी भोजन बनाये या फिर मांसाहारी, प्याज पकवान का जायका बनाता है. प्याज कम या नहीं डालने से पकवान का स्वाद वैसा नहीं आ पाता है जैसा कि हम चाहते हैं. ऐसे में बढते प्याज की कीमत से खाने का स्वाद बिगड़ता जा रहा है. वहीं खाद्य पदार्थों की कीमत भी बढती जा रही है.

चंदवा

अब तो दाल रोटी से ही समय काटना पड़ेगा: अंजू देवी

कंचन नगरी चंदवा की रहने वाली गृहिणी अंजू देवी हैं. ये पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में जल सहिया हैं. इनको विभाग की ओर से एक हजार रुपए मानदेय प्रतिमाह मिलता है, पर समय से नहीं मिल पाता है. ये भी महंगाई से परेशान हैं. घर का सारा खर्चा पति के कमाई पर ही चलता है. इधर साग सब्जी की बढ़ती कीमतों ने किचन का पूरा बजट गड़बड़ा दिया है. घर चलाना मुश्किल हो रहा है. सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए.

महंगाई तो तेजी से बढ़ती जा रही है: शोभा देवी

शोभा देवी कंचन नगरी की समाज सेवी महिला हैं. ये सब्जी और प्याज की बढ़ती कीमत पर कहती हैं कि यह महंगाई तेजी से बढ़ रही है. हर सब्जी की कीमत अधिक है. किसे लें और किसे नहीं लें, मुश्किल होता है. भोजन का जायका बिगाड़ कर रख दिया है. वहीं प्याज की बढ़ती कीमत के कारण घर में मांसाहार का बनना कम हो गया है. सरकार महंगाई नियंत्रण पर कोई काम नहीं करती है तो हरी सब्जियां घर में बनना बंद हो जायेगी.

खाद्य पदार्थ के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं: मायावती देवी

मायावती देवी कुम्हार टोली चंदवा की गृहिणी महिला हैं. प्याज और साग सब्जियों की बढ़ती कीमत से परेशान हैं. कहती हैं कि आए दिन खाद्य पदार्थ के दाम बढ़ रहे हैं. पहले थोड़े पैसे लेकर बाजार जाते थे और झोला भरकर सब्जी लाते थे. अब तो उल्टा ही हो गया है. कितने भी पैसे ले जाओ सामान थोड़ा ही होगा. सब्जी की कीमत बढ़ने से किचन का बजट बिगड़ता जा रहा है. हम मध्यमवर्ग से आते हैं. हम कहां से इतने पैसे लाएंगे. इस वजह से हमारे घर में प्याज की खपत कम हो गई है. यही हाल रहा तो आनेवाले दिनों में लोगों की मुश्किलें और बढ़ेंगी.

किरीबुरु

घर का खर्च पूरा करना मुश्किल हो गया है: प्रतिमा सिंह

खाद्य पदार्थों व सब्जियों की निरंतर बढ़ती कीमतों पर किरीबुरु निवासी प्रतिमा सिंह ने बताया की वर्तमान हालात में घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है. पिछले कुछ दिनों के दौरान प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, लहसुन, अदरक, फूल गोभी समेत तमाम सब्जियों की कीमतों में भारी वृद्धि हो गई है. ऐसे में घर का बजट बैलेंस रखने के लिए क्या खायें, समझ में नहीं आ रहा है. उन्होंने कहा कि हम सभी पहले से मौसमी बीमारी से त्रस्त हैं. इलाज पर काफी पैसा जा रहा है. उपर से खाद्य पदार्थों व सब्जियों की महंगाई घर का जमा पूंजी को खत्म करेगी.

गरीबी के बीच महंगाई जीने नहीं देगी: रानी डोडराय

किरीबुरु निवासी रानी डोडराय ने कहा कि हमको तो पता हीं नहीं की सब्जियां इतनी महंगी हो गई है. पति सब्जी खरीद कर लाते हैं, वह बोलें की प्याज 80 रुपये, हरी मिर्च 150 रुपये, टमाटर 50 रुपये हो गई है. इनके बिना सब्जी व खाने में स्वाद नहीं आता है. गरीबी के बीच यह महंगाई हमें जीने नहीं देगी. हम सब्जी खाना कम कर दें.गे क्योंकि हमारे पास उतने पैसे नहीं है. कहा कि समय आ गया है कि सभी महिलाएं कीचन गार्डेन का उपयोग करे. लेकिन किरीबुरु जैसे शहर में पानी की समस्या बड़ा बाधक है. इस पर सरकार को देखना चाहिए.

सरकार को महंगाई नियंत्रित करनी चाहिए: हीरा किड़ो

हीरा किड़ो ने कहा कि हम समूह के माध्यम से कुछ ॠण लेकर जैसे-जैसे गुजारा करते हैं. जब खाद्यान्न व सब्जियां ऐसे महंगी होगी तो स्वाभाविक है कि हम पौष्टिक आहार लेना कम कर आलू का चोखा आदि अधिक खाना पसंद करेंगे. सरकार को इस महंगाई पर नियंत्रण करना चाहिए. अन्यथा गरीबों के किचन से हरी सब्जियां व हमारे खाने में से स्वाद खत्म हो जायेगा. सरकार को हर पंचायत में कम से कम एक-एक सरकारी दुकान तमाम प्रकार के खाद्यान्नों व सब्जियों का खोला जाना चाहिए.

महंगाई द्रौपदी की साड़ी की तरह बढ़ रही है: दीपा कौर

दीपा कौर ने कहा कि खाद्यान्न व हरी सब्जियों की महंगाई द्रौपदी की साड़ी की तरह निरंतर बढ़ रही है. इसके लिये सरकार दोषी है. अगर सरकार जमाखोरों पर निरंतर कार्यवाही करती तो महंगाई का ऐसा हाल नहीं होता. उन्होंने कहा कि हमें तो पता भी नहीं चला की कुछ दिन पहले तक 30 रूपये किलो मिलने वाला प्याज आज 80 रुपये किलो बिक रहा है. बाकी सब्जियों की कीमत भी आसमान छू रही है. हमें स्वाद के लिये महंगी सब्जियां खरीद कर खाना ही पडेग़ा. भले इसकी मात्रा कम कर दें.

हरी सब्जियों से सस्ता अंडा व आलू है: ममता देवी

गृहिणी ममता देवी ने बताया की यह मौसम हरी सब्जियों का है. जब इस मौसम में भी सब्जियां व प्याज इतनी महंगी हो जाये तो हम खायेंगे क्या. हरी सब्जियों से सस्ता आज के समय में अंडा व आलू है. हम अपने किचन में इसका उपयोग अधिक करेंगे. उन्होंने कहा कि सरकार बडे.व्यापारी जो जमाखोरी कर अपने लाभ के लिए कीमत बढ़ा रहे हैं, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई कर इस महंगाई से निजात दिलाये. हमारे पास दूसरा कोई विकल्प भी नहीं है. जो हालत बाजार की है उसमें और कुछ नहीं हो सकता है. इस महंगाई से निजात पाने के लिये. इसलिए इस पर ध्यान देना चाहिए.

हजारीबाग

मंहगाई तो आसमान को छू रही है: आशामुनी देवी

चुरचू प्रखंड के बहेरा पंचायत के रहने वाली ग्रहिणी आशामुनी देवी, सह वार्ड सदस्य, महंगाई को लेकर बताती हैं कि मंहगाई आसमान को छू रही है. हरी सब्जी कि तो बात ही मत कीजिए कोई भी हरी सब्जी 50 रुपए से कम नहीं है. प्याज के दाम में तो ऐसी उछाल आई है मानो शेयर मार्केट के जैसा हाल है. एक हफ्ते पहले प्याज का दाम 35 से 40 रुपए थी. अब अचानक 50 से 60 रुपए किलो हो गए हैं.

सबसे अधिक प्याज रुला रहा है: निधि सिन्हा

दारू प्रखंड की निधि सिन्हा कहती है कि महंगाई ने स्वाद के जायके को ही बिगाड़ दिया है. कोई भी सब्जी 70 रुपया किलो से काम नहीं है. खासकर महिलाएं परेशान हैं कि आखिर कौन सा खाना अपने घर वालों के थाली में परोसें. सबसे अधिक प्याज रुला रहा है. 2 दिन पहले 30 रुपया किलो था और रविवार को 60 रुपया किलो बिक रहा है. कहना गलत नहीं होगा कि महंगाई की मार रसोई घर को प्रभावित कर दिया है.

सब्जी खरीदना अब मुश्किल हो गया है: आरती सिन्हा

दारू निवासी आरती सिन्हा कहती हैं सब्जी खरीदना अब मुश्किल हो गया है. हम भले ही मजबूरी में सब्जियां खरीद रहे हैं पर हमारी परेशानी बढ़ रही है. बढ़ती सब्जियों के दाम से अब हमें ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ रहा है. ऐसे में हमारे महीने के बजट पर सीधा असर पड़ रहा है. हर साल हमें बढ़ती सब्जियों के दामों का सामना करना पड़ता है. हर साल प्याज, टमाटर, अदरक आदि के दामों में इजाफा हो जाता है. सब्जियों की कीमत बढ़ने से घर का बजट भी बिगड़ गया है.

चाईबासा

सब्जी की कीमत बढ़ती जा रही है: तुराम बानरा

चाईबासा निवासी तुराम बानरा ने कहा कि लगातार सब्जी की कीमत बढ़ती जा रही है. लेकिन सरकार इस पर कंट्रोल नहीं कर रही है. हाल ही में प्याज का दाम दोगुना से अधिक हो गया है. जिसके कारण घरों में स्थिति खराब हो गई है. अब प्रत्येक सब्जी 60 से 70 रुपये प्रति किलो पहुंच गया है. किसानों को प्रोत्साहित करना चाहिए. सरकारी योजनाएं चलती हैं. लेकिन किसान तक नहीं पहुंचने की वजह से इस तरह की स्थिति उत्पन्न हो चुकी है. किसान अब खेती नहीं करते हैं.

गांव में तो अब खेती नहीं हो पा रही है: उदय मुर्मू

किसान उदय मुर्मू ने कहा कि रोजगार को लेकर सरकार गंभीर है. लेकिन किसानों को अब खेती करने पर ध्यान देना चाहिए. अधिकतर ग्रामीण क्षेत्र के लोग अब शहर में निवास करने लग गए हैं. जिसके कारण गांव में खेती नहीं हो पा रही है. इस वजह से सब्जी का दिन प्रतिदिन रेट बढ़ते जा रहा है. प्रत्येक साल सब्जी की स्थिति गड़बड़ हो जाती है. आसमान तक रेट पहुंच जाता है. इसको कंट्रोल करने के लिए एक ही रास्ता है. सरकार को सख्त होना होगा.

प्याज का दाम निरंतर बढ़ गया है: विक्की महतो

किसान विक्की महतो ने कहा कि प्याज का दाम निरंतर बढ़ गया है. इसको कंट्रोल करने के लिए सरकार को अब नीति बनाने की जरूरत है. प्रत्येक किसान को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराना चाहिए. ताकि किसान प्रत्येक साल सब्जी की भी खेती करे. इस क्षेत्र में धान की खेती अधिक होती है. जिसके कारण सब्जी की तरफ किसानों का ध्यान नहीं जाता है. लेकिन यदि सरकार इस पर नियम के तहत गाइडलाइन बनाए तो किसान को लाभ पहुंचेगा. सिंचाई की सुविधा को बेहतर बनाने से फायदा होगा. किसानों में सब्जी की खेती के प्रति रुचि बढ़ेगी. तब खेती बढ़ेगी. अनाज पैदा होंगे तो महंगाई भी नियंत्रण में आ जाएगी.

गोड्डा

महगाई की मार गृहिणी को ही झेलनी पड़ती है: नूतन झा

महंगाई की पहली मार गृहिणी को ही झेलना पड़ती है. नूतन झा बताती हैं कि जब बजट बिगड़ता है तो घर में विवाद भी होने लगता है. पहला विवाद गृहिणी से ही होता है. कीमतों में बढ़ोतरी से गृहिणी की यह मजबूरी हो जाती है कि वह एक निश्चित बजट के अंदर ही अपना काम करे जबकि निश्चित पैसे में सारे सामान की जरूरत पूरी नहीं हो पाती है.

घर चलाना कोई आसान काम नहीं होता है: विनिता

गृहिणी विनिता कुमारी बताती हैं कि घर चलाना कोई आसान काम नहीं होता है. महिला की अपनी कोई कमाई नही भी हो तो भी घर चलाने की जिम्मेवारी हम महिलाओं के जिम्मे ही होता है. महंगाई बढ़ने पर घर तक आने वाले सामान की मात्रा कम हो जाती है. मगर खपत तो पूर्व की भांति ही होता है. ऐसे में महिलाओं के सामने सबसे ज्यादा मुसीबत आती है कि वह एक निश्चित मात्रा में आए समान से कैसे पूरा करे. घर के सारे खर्चे को मैनेज करके व्यवस्थित करना कठिन हो जाता है. महंगाई की मार सबसे ज्यादा मध्यम वर्गीय परिवार पर ही पड़ता है. लोगों की आमदनी कम रहती है. वहीं खर्चे बढ़ जाते हैं. ऐसे में उन्हें इस हालात में खुद को रखना मुश्किल होता है.

धनबाद

आम लोगों का जीना मुहाल हो गया है: डिम्पी सेन

डिम्पी सेन कहती हैं कि आज की महंगाई में आम लोगों का जीना मुहाल हो गया है. राशन का बजट पूरी तरह से महंगाई की वजह से चौपट हो चुका है. महंगाई की मार की वजह से कई लोग लोन और सूदखोरों के चक्कर में पड़ चुके हैं. स्थिति यह है कि आये दिन लोग आत्महत्या तक कर रहे हैं. आमदनी का सोर्स नहीं है और महंगाई चरम पर है. लेकिन इसके बाद भी कीमतों पर कोई लगाम नहीं है. सरकार सिर्फ देखकर रह रही है. आखिर आमलोगों को सरकार से ही उम्मीद होती है, लेकिन सब बेकार साबित हो रहा है.

खाद्य पदार्थ का दाम तो इन दिनों आसमान छू चुका है: सोनू छेत्री

गृहिणी सोनू छेत्री बताती हैं कि महंगाई ने रसोई घर का बजट खराब कर दिया है. हर खाद्य पदार्थ का दाम आसमान छू चुका है. आलू, प्याज, लहसून, दाल हर वो चीज जो रसोई की शान है, सभी आम आदमी की पहुंच से धीरे-धीरे दूर होता जा रहा है. सबसे अधिक खराब स्थिति मजदूर वर्ग के लोगों की है. वे हर रोज कमाते और खाते हैं. वे शाम को जब बाजार जाते हैं तो उनके सामने वही विकट स्थिति होती है. आखिर में वे आलू लेकर घर लौट जाते हैं. ऐसे में उनमें पोषण की कमी होगी. फिर वे काम कैसे करेंगे. यह सब सरकार को सोचना चाहिए.

फोरलेन सड़क विस्थापित संघर्ष समिति ने एनएच चौड़ीकरण अधिग्रहण मामले को लेकर की बैठक

एनएच चौड़ीकरण में रैयतों को मिले बाजार दर से मुआवजा : समिति

संवाददाता। लातेहार

फोरलेन सड़क विस्थापित संघर्ष समिति, लातेहार ने ऐलान किया कि अगर एनएच चौड़ीकरण में अधिग्रहित किये जाने वाली जमीन का बाजार दर से मुआवजा नहीं दिया गया तो बड़ा आंदोलन किया जायेगा. रविवार को डुडंगी कला ग्राम में संघर्ष समिति की एक बैठक में यह निर्णय लिया गया. बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष गुजर उरांव ने की. जबकि संचालन संयोजक वीरेंद्र प्रसाद ने किया. बैठक में साल 2015-16 तक कटे ऑफलाइन लगान रसीद को ऑनलाइन करने और सभी रैयतों के अधिग्रहित भूमि का मुआवजा बाजार दर के आधार पर करने की मांग की गयी. कहा गया कि जब तक रैयतों से सहमति नहीं बनायी जायेगी तब तक एनएच-75 पर चौड़ीकरण का काम नहीं करने दिया जायेगा.

उपायुक्त से मिलकर रखेंगे अपनी बात

बैठक में कहा कि पूर्व में उपायुक्त को मांगो से अवगत कराया गया था. उपायुक्त ने रैयतों के साथ बैठक कर समस्या का सामाधान करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अभी तक कोई पहल नहीं की गई है. इस पर समिति ने मंगलवार से उपायुक्त से मिलने का निर्णय लिया. इस मामले को लेकर ग्रामीणों में काफी असंतोष व्याप्त था. सभी ने एकमत से निर्णय का स्वागत किया. बैठक में राजधानी यादव, लक्ष्मण यादव, प्रखंड प्रमुख परशुराम लोहरा, रामविलास प्रजापति, राम सहाय उरांव, सत्येंद्र कुमार यादव, नवल किशोर प्रजापति, नागमणी कुमार, देवनारायण तिवारी, विनयकांत पांडेय, महेंद्र सिंह, सुलेमान अंसारी, रसीद अंसारी, महेंद्र नाथ दुबे, विजय सिंह, बसंत कुमार साहू, अमरदेव पासवान, आबिद अंसारी, विजय यादव, सलमानी कुमारी, कलावती व मनीता देवी समेंत बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल थे.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- किस देश में सबसे बड़ा घोस्ट पार्टिकल डिटेक्टर ट्राइडेंट का निर्माण कर रहा है – **चीन**
- जहांगीर ने फारस के राजा शाह अब्बास प्रथम की पेंटिंग के लिए किसे फारस भेजा था – **बिशनदास**
- सार्वभौमिक बैंकिंग का सिद्धांत किस समिति ने दिया था – **नरसिंहन समीति**
- जीव विज्ञान शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम किसने किया था – **लैमार्क और ट्रेविरेनस**
- जमरानी बांध परियोजना किस प्रदेश में है – **उत्तराखंड**
- चुटक जलविद्युत परियोजना किस राज्य में स्थित है – **जम्मू-कश्मीर**
- किस मुस्लिम विद्वान ने एक दशक तक संस्कृत और ज्योतिष का वाराणसी में अध्ययन किया – **अलबरूनी**
- ऐरोसॉल का उदाहरण है – **धुआं**
- काकोरी ट्रेन डकेती में चंद्रशेखर आज़ाद का सहयोग किस महिला ने किया था – **राजकुमारी गुप्ता**
- बोहाग बिहू किस प्रदेश का त्यौहार है – **असम**

ब्रीफ खबरें

बुधवार से व्यापारी अब करेंगे बेमियादी हड़ताल

धनबाद। बैंक मोड़ में शनिवार को देर शाम व्यापारी को गोली मारने के विरोध में रविवार को व्यापारियों ने रणधीर वर्मा चौक पर धरना दिया. धरने के बाद बैंक मोड़ चैंबर कार्यालय में व्यापारियों की बैठक हुई. बैठक में व्यापारियों की सुरक्षा और पुलिस प्रशाशन के रवैये पर विस्तार से चर्चा हुई. चर्चा के बीच व्यापारियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल करने का मन बनाया. बैंक मोड़ चैंबर के पूर्व अध्यक्ष प्रभात सुरोलिया ने बताया की अब आर पार की लड़ाई लड़ने की तैयारी कर ली गई है. बुधवार से व्यापारी अनिश्चित कालीन हड़ताल पर जाएंगे.

नशा उन्मूलन महिला समिति ने की बैठक

पुटकी। रविवार को नशा उन्मूलन महिला समिति के विस्तार व समिति के उद्देश्य प्राप्ति के लिए दीपाली बाउरी की अध्यक्षता में मझलाडीह भटिंडा में बैठक की गई. बैठक में भाटीन धड़ी थान इकाई का गठन कर सैकड़ों महिलाओं को समिति से जोड़ा गया. मुख्य अथिति के रूप में नशा उन्मूलन महिला समिति की केंद्रीय अध्यक्ष सुंदरी देवी उपस्थित हुई. मुख्य अतिथि को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया. समिति में शामिल होने वाले महिलाओं को पुष्प माला पहना कर शामिल किया गया.

गोमो में डांस अकादमी का हुआ उद्घाटन

गोमो। गोमो के पुराना बाजार में नायक मार्शल आर्ट एंड डांस एकेडमी का उद्घाटन रविवार को मुख्य अथिति पूर्व जिला परिषद सदस्य हीरामन नायक ने फीता काट कर किया. इस मौके पर उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेल व तकनीकी शिक्षा भी वर्तमान समय में ज़रूरी है. मार्शल आर्ट व डांस की कला में भी युवक-युवतियां अपना भविष्य संवार सकते हैं. मौके संचालक नागेश्वर नायक, आरती देवी आदि कई लोग मौजूद थे.

बुशिकान कराटे डोजो में 72 को मिला प्रमोशन

धनबाद। इंटरनेशनल शोतोकान कराटे-डो क्योकाई द्वारा बुशिकान कराटे डोजो, धनबाद के 72 कराटेकारों को बेल्ट प्रोन्नति प्रदान की गई. बेल्ट ग्रेडिंग परीक्षा का आयोजन दून पब्लिक स्कूल में संपन्न हुआ. परीक्षा के बाद सभी सफल प्रतिभागियों को उनके योग्यता के अनुसार विभिन्न बेल्टों से सम्मानित किया गया. ग्रेडिंग परीक्षा मुख्य प्रशिक्षक रंजीत केशरी तथा सचिव शिहान मनोज शर्मा के नेतृत्व में संपन्न हुआ. इस अवसर पर परीक्षक के रूप में कृष्णा कुमार साव,

हाट बंदोबस्ती रद्द होने से ग्रामीण नाराज

चक्रधरपुर। चक्रधरपुर प्रखंड की होयोहातु पंचायत के झरझरा हाट बंदोबस्ती रद्द किए जाने के विरोध में रविवार को झरझरा हाट बाजार परिसर में ग्रामीणों की बैठक हुई.जहां सर्वसहमति से तय किया गया की झरझरा हाट बंदोबस्ती रद्द किए जाने को लेकर सोमवार को झरझरा हाट बंदी व बांझीकुसुम टोकलो मुख्य सड़क को जाम किया जाएगा. बैठक की अध्यक्षता चितपिल पीढ के मानकी बागुन सोय ने की.इस दौरान ग्रामीणों ने कहा की साजिश के तहत सितम्बर महीने में प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा झरझरा हाट बंदोबस्ती रद्द किया गया है.पूर्व में इसे लेकर हुई बैठक के बारे में अधिकारियों को अवगत कराया जाने के बावजूद इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है.

सैंकड़ों की संख्या में पहुंचे व्यापारियों ने अपनी आवाज की बुलंद

व्यवसायी पर गोली चलने से कारोबारियों में आक्रोश

संवाददाता। धनबाद

कोयलांचल में व्यापारी सुरक्षित नहीं हैं. अपराधियों के बुलंद हौसले के कारण लगातार मिल रही धमकी व गोली कांडों से व्यापारी डरे हुए हैं. बीते शनिवार की देर शाम एक व्यापारी पर फिर गोली चली. जिसके बाद दूसरे दिन नाराज व्यापारी वर्ग सड़क पर उतर आया और पुलिस-प्रशासन के खिला फ धरना पर बैठ गए. सभी कारोबारियों ने रविवार को अपनी प्रतिष्ठान बंद रखी और तीन घंटे धरना पर बैठकर पुलिस को अल्टीमेटम दे दिया.

रणधीर वर्मा चौक पर धरना पर बैठे कई व्यवसायियों ने जमकर पुलिस-प्रशासन के खिलाफ भड़ास निकाली. व्यापारियों ने इस दौरान जिला पुलिस के खिलाफ नारेबाजी भी की. व्यापारियों के आक्रोश को देखते हुए धरना में शामिल धनबाद विधायक राज सिन्हा ने भी हेमंत सरकार पर जोरदार हमला बोला. साथ ही भविष्य में अगर ऐसी वारदात हुई तो उग्र आंदोलन की चेतावनी भी दी. व्यापारियों का आक्रोश सातवें आसमान पर दिखा. उन्होंने सड़क, रेल, कोयला तक रोकने की बात कही. धरना-प्रदर्शन में जिले भर के व्यापारी शामिल हुए.

क्या कहा व्यापारियों ने

बैंक मोड़ चैंबर के अध्यक्ष प्रमोद गोयल ने कहा कि हमें डंडा चाहिए, बस प्रशासन हमें इजाजत दे कि हम किसी अपराधी का इस डंडे से सिर फोड़ दें, तो हम पर कोई एफआईआर दर्ज नहीं हो. धनबाद की हालत ठीक उसी तरह हो गई है, जिस तरह किसी घर के बाप के चले जाने के बाद होती है. वहीं जीटा महासचिव राजीव शर्मा ने कहा कि पुलिस को क्या करना है, वह जानती है. हमें क्या करना है, यह हमें तय करना है. एकजुटता के बिना यह लड़ाई नहीं जीती जा सकती. उन्होंने सभी को एकजुट होकर आगे की रणनीति तय करने का आग्रह किया है. बैंक मोड़ चैंबर के पूर्व अध्यक्ष प्रभात सुरोलिया ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के साथ हम सभी को मिलकर इस लड़ाई को जीतनी है. उन्होंने विधायक राज सिन्हा से मामले को विधानसभा में उठाने का आग्रह किया. बाजार समिति के अध्यक्ष जितेन्द्र अग्रवाल ने कहा कि जिले में अपराध बढ़ रहा है. पुलिस अपराधियों पर लगाम नहीं लगा पा रही तो उसे चूड़ियां पहन लेनी चाहिए. जिला चैंबर के पूर्व अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने कहा कि एसएसपी ऐसे आश्वासन देते हैं कि उनके आगे नेता फेल हो जाएं. हम लोग शांतिप्रिय लोग हैं. इससे पहले भी इंडस्ट्रीज हाउस जोड़ा फाटक में उन्होंने आश्वासन दिया था, लेकिन अब हमारे सब्र का बांध टूट गया है. उन्होंने 24 घंटे की बजाय 72 घंटे आर्थिक नाकेबंदी करने की बात कही.

राज्य की विधि-व्यवस्था चौपट हो गई है: राज सिन्हा

जिला चैंबर की पहल पर आयोजित धरने में रणधीर वर्मा चौक पर विधायक राज सिन्हा भी पहुंचे थे. मौके पर उन्होंने कहा कि राज्य की विधि–व्यवस्था चौपट हो गई है. मामले में डीजीपी से मिलकर कहा था कि धनबाद में एक ऐसे अधिकारी की जरूरत है, जो क्राइम कंट्रोल कर सके. आपराधिक वारदातों पर पांच बार मुख्यमंत्री से भी मिला लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ, सब भ्रष्ट हैं. नीचे से पैसा ऊपर तक पहुंच रहा है.

कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है : अग्रवाल

धरना स्थल पर पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल भी व्यापारियों को समर्थन देने पहुंचे. उन्होंने पुलिस पर हमला करते हुए कहा कि धनबाद में अपराधियों का बोलबाला है. कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई है. पुलिस को चूड़ी पहन लेनी चाहिए.

कार सेंटर के मालिक को अपराधियों ने गोली मारी थी

बता दें कि शनिवार की रात बैंक मोड़ मटकुरिया स्थित कार सेंटर के मालिक दीपक अग्रवाल को दो अज्ञात अपराधियों ने गोली मार दी थी. जिसके बाद उन्हें गंभीर स्थिति में जालान अस्पताल में भर्ती कराया गया था. वहां से प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें कलकत्ता रेफर कर दिया गया है. उनके परिजनों के मुताबिक हालत स्थिर बनी हुई है. गोली गर्दन और जबड़े में लगी थी.

पुटकी में बंद रही दुकानें

पुटकी । शनिवार की रात व्यापारी दीपक अग्रवाल के ऊपर हुए हमले के विरोध में रविवार की सुबह पुटकी चैंबर ऑफ कॉमर्स के आह्वान पर पुटकी बाजार की सभी दुकानें बंद रही. पुटकी थाना से पुटकी सेंटरी ऑफिस तक बाइक रैली निकाल विरोध प्रकट किया गया .इस दौरान जमकर नारेबाजी भी की गयी. बताते चलें कि 28 अक्टूबर की रात लगभग 8 बजे अपराधियों ने व्यापारी दीपक अग्रवाल को गोली मारकर घायल कर दिया था. जिसके बाद से व्यवसायियों में आक्रोश व्याप्त है. पुटकी चैंबर के अध्यक्ष हीरा शर्मा ने बताया कि शनिवार की देर रात व्यापारी के साथ हुई घटना के विरोध में धनबाद चैंबर के आह्वान पर पुटकी बाजार की सभी दुकानें दोपहर 2 बजे तक बंद रही. पुटकी चैंबर अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी और व्यापारियों की सुरक्षा की मांग करता है. मौके पर पुटकी चैंबर के अध्यक्ष हीरा शर्मा, मुर्तज़ा अंसारी, टीपू उर्फ़ इम्तियाज़, केदार वर्णवाल, राजू अंसारी, महेंद्र वर्णवाल, सुभाष वर्णवाल, पवन वर्मा, निरंजन शर्मा व नवीन वर्णवाल मौजूद थे.

दो दिवसीय दीपोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ

धनबाद। महिलाओं की संस्था आनंद-मंगल के द्वारा आयोजित दीपोत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन संस्था की अध्यक्ष बरखा व सदस्यों ने संयुक्त रूप से किया. मेला 30 अक्टूबर तक बैंक मोड़ स्थित सिद्धि विनायक होटल में चलेगा. अध्यक्ष बरखा ने बताया कि 70 स्टॉल लगाए गए हैं. जिनमें दिवाली से जुड़े सभी प्रकार की लेटेस्ट सामग्री शहरवासियों के लिए उपलब्ध है. इसमें गणेश लक्ष्मी की पोशाक वाली प्रतिमा, मिट्टी से बने डिजाइनर दीये, राजस्थानी होम डेकोरेटिव सामान सहित देश के अलग-अलग क्षेत्रों के परिधान, आभूषण, गृह सज्जा के सामानों का प्रदर्शन व बिक्री किया जा रहा है. उन्होंने बताया कि मेला का उद्देश्य दूसरे प्रांतों के परिधान, आभूषण और व्यंजन से स्थानीय लोगों को परिचित कराना है. उद्घाटन के अवसर पर संस्था की सदस्यों में संगीता, मीनू, डॉली, रंजना, कविता, सुनीता गुटगटिया, सपना, रेखा, कीर्ति, दीप्ति, संगीता ड्रोलिया आदि दर्जनों महिलाएं मौजूद थी.

फाइनल राउंड के लिए 48 खिलाड़ियों का हुआ चयन

संवाददाता। धनबाद

दिल्ली पब्लिक स्कूल में चल रहे चार दिवसीय 'सीबीएसई ईस्ट जोन योगासन चैंपियनशिप 2023' के दूसरे दिन एकल प्रतियोगिता के फाइनल राउंड के 48 खिलाड़ियों का चयन कर लिया गया. अंडर 14 और अंडर 19 बॉयज और गर्ल्स के चार ग्रुप में आयोजित प्रतियोगिता में प्रत्येक ग्रुप में 12 खिलाड़ियों का चयन किया गया है. फाइनल राउंड का आयोजन 30 अक्टूबर को किया जाएगा. इसके पूर्व विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभागियों ने कई दौर की प्रतियोगिताओं में योग मुद्राओं का प्रदर्शन करते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया. चयनित खिलाड़ियों को डीपीएस धनबाद की प्राचार्या डॉ सरिता सिन्हा ने फाइनल राउंड के लिए शुभकामनाएं दी. इस अवसर पर सीबीएसई ऑब्जर्वर मृणमय साहा, चीफ सीबीएसई टेक्निकल सत्यकी चक्रवर्ती, ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री रेजा इश्तियाक, उप प्रधानाचार्य कल्याणी प्रसाद के अलावा गीता शाह व खेल विभाग के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे.

अमृत बागान में डाली जाएगी माटी

संवाददाता। रांची

मेरा माटी मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत पूरे झारखंड से जमा किए गए मिट्टी से भरे कलश को रविवार को राजधानी दिल्ली में बन रहे अमृत बागान के लिए विशेष ट्रेन से रवाना किया गया. रांची रेलवे स्टेशन पर मिट्टी से भरे कलश को लेकर जा रही विशेष ट्रेन को केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी , रांची के सांसद संजय सेठ, हटिया विधायक नवीन जायसवाल, प्रदेश महामंत्री आदित्य साहू, प्रदीप वर्मा,धनवार विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सह भाजपा नेता लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने झंडा दिखाकर रवाना किया. इस अवसर पर हजारों की संख्या में भाजपा नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे. मौके पर भाजपा नेता लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने कहा कि पूरे झारखंड से जमा की गयी माटी को दिल्ली में बन रहे अमृत बागान में डाला जाएगा, ताकि देश भर के शहीदों के याद में एक सुंदर स्मृति स्थल का निर्माण हो सके.

गौ ग्राम कार्यक्रम में शामिल होंगे एक लाख एकल आचार्य

संवाददात। मैथन

चिरकुंडा क्षेत्र के जुनकुंदर ब्रह्मस्थान में रविवार को एकल विद्यालय अभियान चिरकुंडा संच की अभ्यास बैठक हुई. विभिन्न विद्यालयों से आये आचार्यों के बीच पठन-पाठन सामग्री का वितरण किया गया. बैठक में भावी कार्यक्रमों पर चर्चा की गई. बैठक की जानकारी देते हुए प्रशिक्षण प्रमुख देवनाथ महतो ने बताया कि आगामी 23 से 25 दिसंबर को धनबाद में गौ ग्राम कुंभ कार्यक्रम आयोजित होगा. जिसमें पूरे देश से एक लाख एकल आचार्य हिस्सा लेंगे. इससे पहले 17 दिसंबर को युवक-युवतियों की विशाल हॉकी रैली निकाली जाएगी. बताया कि गौ ग्राम कुंभ में अमेरिका सहित विश्व के अन्य देशों से भी दो हजार प्रतिनिधि शामिल होंगे. बताया कि उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ की भी कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है.

बेल्डीह क्लब में सोमवार से होगा टेनिस टूर्नामेंट

जमशेदपुर। जमशेदपुर के बेल्डीह कल्ब स्थित टेनिस कोर्ट में रविवार के मेंस नेशनल रैंकिंग टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है. इसका आयोजन ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन द्वारा किया जा रहा है. रविवार को बेल्डीह कल्ब में इसको लेकर एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया. मौके पर मौजूद ऋषि विलसन ने बताया कि 2019 के बाद कोरोना काल को लेकर इस टूर्नामेंट का आयोजन नहीं किया गया था. चार सालों बाद इस टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है.

चंपई ने किया करोड़ों की योजनाओं का शिलान्यास

संवाददाता । धनबाद

अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं परिवहन विभाग के मंत्री चंपई सोरेन ने रविवार को टुंडी प्रखंड कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में 3 करोड़ 83 लाख 97 हजार रुपये की 13 योजनाओं का शिलान्यास किया. इसके अलावा मंत्री ने टुंडी में 3 करोड़ 83 लाख 97 हजार रुपया की लागत से बनने वाले दस धुमकुड़िया भवन तथा तीन जाहेर थान घेराबंदी का शिलान्यास किया. मंत्री ने कहा कि राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 15 नवंबर को मुख्यमंत्री ग्रामीण गाड़ी योजना की शुरुआत की जाएगी. इससे ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी, पेंशनधारी, झारखंड आंदोलनकारी को अब गांव से शहर की ओर जाने के लिए पैदल दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी. इस योजना से वे निःशुल्क सफर कर सकेंगे.

मौके पर टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो भी उपस्थित थे. वगीं हिट एंड रन के 14 लाभुकों के बीच 15 लाख, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के तीन लाभुकों के बीच 28 हजार 500 रुपए तथा मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तीन लाभुकों के बीच एक लाख 50 हजार रुपए की राशि का वितरण किया गया. मंत्री ने हिट एंड रन एवं आपदा के तहत मृतक के आश्रित सोनी शर्मा को 2 लाख, राजीव कुमार मंडल, सुरेंद्र चौहान, कृष्ण सिंह, सुमिता तंतुबाई, कलावती देवी, तरन्नुम परवीन, कविता कुमारी, सुषमा कुमारी, श्याम पद कुंभकार, संतोष दास, राजीव कुमार मंडल, चंपा तथा नबीसा को एक-एक लाख रुपये का चेक प्रदान किया.

महासभा सभा में खतियानी संघर्ष समिति के चर्चित नेता जयराम महतो का जोरदार स्वागत हुआ

हक लेने के लिए युवाओं को आगे आना होगा: जयराम

संवाददाता। राजगंज (धनबाद)

झारखंडी खतियान संघर्ष समिति ने बदलाव संकल्प महासभा का आयोजन राजगंज के हाई स्कूल मैदान में किया. इस संकल्प महासभा में तकरीबन 50 हजार लोगों की भीड़ उमड़ी. संकल्प महासभा में खतियानी संघर्ष समिति के चर्चित नेता जयराम महतो का जोरदार स्वागत किया गया. सभा को संबोधित करते हुए जयराम महतो ने कहा कि झारखंड केकरो बाप के नाय. हमें अपना हक खुद लेना होगा.

इसको लेकर युवाओं को आगे आना होगा. जयराम ने जल, जंगल, जमीन की रक्षा, खतियान आधारित नीति लागू करने, बड़े उद्योगों को बचाने और विस्थापितों को शत प्रतिशत नौकरी, किसानों के लिए नई उत्पादन नीति और तकनीक, आदिवासियों के हित में सीएनटी और एसपीटी का प्रचार- प्रसार और झारखंड की लोक संस्कृति का संरक्षण करने की मांग की.

मंच से समिति के कार्यकर्ता ने कहा कि गुजरात गुजराती का, बिहार बिहारी का, बंगाल बंगाली का तो झारखंड केकरो बाप के नाय, झारखंड झारखंडी का होना चाहिए. सभा में इतनी भीड़ उमड़ी कि कुर्सी कम पड़ गई. भीड़ अनियंत्रित हो गई है. भीड़ को अनियंत्रित होता देख जयराम मंच से नीचे उतर भीड़ में पहुंच गये और लोगों से जहां जगह मिले बैठने की अपील की. अपने बीच जयराम को देख कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ा. इसके बाद सभी जमीन पर ही बैठ गये और अपने नेता को सुना.

लिया संकल्प

- राजगंज के हाईस्कूल में संकल्प महासभा हुआ
- संकल्प महासभा में लगभग 50 हजार लोग जमा हुए
- सभा में जयराम मंच से नीचे उतरकर लोगों के बीच पहुंचे

चांडिल में रक्तदान शिविर 63 यूनिट रक्त संग्रह हुआ

संवाददाता। चांडिल

आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव हरेलाल महतो ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रक्तदान करने वालों की संख्या बढ़ रही हैं, जो अच्छी बात है. लोगों में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ रही है. इससे जरूरतमंद मरीजों को उचित समय पर रक्त उपलब्ध हो रहा है. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को इस दिशा में पहल करते हुए ब्लड बैंक की संख्या बढ़ाना चाहिए और ब्लड बैंकों का उचित देखभाल करना चाहिए. श्री महतो रविवार को चांडिल प्रखंड के आसनबनी पंचायत अंतर्गत टीसीआई क्षेत्र में सत्य नारायण सोशियो इकोनॉमिक एंड रिसर्च सेंटर की ओर से आयोजित रक्तदान सह स्वास्थ्य जांच शिविर को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने शिविर में उपस्थित होकर शिविर का उद्घाटन किया और रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया. रक्तदान शिविर में कुल 63 यूनिट रक्त संग्रह हुआ. रक्तदान करने वालों को ब्रम्हानंद ब्लड बैंक की ओर से प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया. शिविर में ग्रामीणों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई. मौके पर दुर्योधन गोप, बासुदेव प्रमाणिक, शेखर गांगुली, सुरेश कुमार, अमित कुमार, प्रदीप गिरी, रवि कुमार सिंह, दिनेश महतो, गुरूपद सिंह, विक्की पटेल, उषा मुर्मू, ममता मुर्मू, कालीपद सिंह, खेतुराम सिंह, डॉ संजीव कुमार, धनंजय दास, लिली मुर्मू, फुलमनी लोहार, सुमित्रा बोईपाई, कृष्णा उरांव, नूरजहां, कमलेश कुमार समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

पटना में एयर पॉल्यूशन इंडेक्स 250 के पार

पटना । हवा में नमी होने के कारण लगातार पटना में वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ता चला जा रहा है. रविवार को पटना के राजा बाजार क्षेत्र में वायु प्रदूषण का स्तर 257 तक पहुंच गया है. वहीं बात करें पटना के इको पार्क क्षेत्र की तो इधर वायु प्रदूषण का स्तर 157 हो गया है. पटना के दानापुर में भी वायु प्रदूषण का स्तर 167 तक पहुंच गया है. ठंड की आहट शुरू होते ही राजधानी पटना में लोग अब जहरीली हवा में सांस लेने लगे हैं. बिहार बोर्ड कितना भी दावा कर ले बावजूद इसके पटना में एयर क्वालिटी इंडेक्स में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है.

वार्ड सदस्य के भाई का मिला शव

भागलपुर । भागलपुर में वार्ड सदस्य के चचेरे भाई का शव मिला है. सजौर थाना क्षेत्र के दरियापुर बाजार से महज 100 मीटर की दूरी पर बगीचे से शव मिला है. घटना की जानकारी मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है. वहीं दूसरी तरफ परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है. मृतक युवक की पहचान दरियापुर निवासी तेतर यादव के (25) वर्षीय पुत्र आशीष कुमार के रूप में की गई है. इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है.

बांका में करंट लगने से किसान की मौत

बांका । ललसहिया गांव में बिजली का करंट लगने से किसान की मौत हो गई है. जानकारी के मुताबिक किसान ललसहिया गांव निवासी मुनीलाल मंडल का 48 वर्षीय पुत्र सोहन मंडल उर्फ ढोलन था. वो सुबह करीब 10 बजे अपने धान की फसल को देखने बहियार गया था. इसी बहियार मे गांव के ही भूपेश दास के बोरिंग में लगे मोटर का तार टूट कर नीचे गिरा हुआ था जिसकी चपेट में आने से उसकी मौत हो गई. बताया जा रहा है कि जब किसान खेत की मेड़ पर घूम रहा था तभी उसका पैर नीचे गिरे तार पर चला गया. जिससे करंट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई.

गंगा तटों पर ग्रहण व कार्तिक प्रतिपदा के मौके पर स्नान के लिए उमड़ा जनसैलाब

बेगूसराय । रात में लगे चंद्र ग्रहण एवं कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा को लेकर रविवार को गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा है. बेगूसराय में चमथा से लेकर मधुरापुर, सिमरिया, सिहमा एवं साहेबपुर कमाल तक के घाटों पर रविवार सुबह से ही स्नान का सिलसिला चल रहा है. लाखों श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई है, गंगा घाट पर जाने वाला हर रास्ता हर-हर गंगे के जयकारे से गूंज रहा है. सबसे अधिक भीड़ मिथिला और मगध के पावन संगम स्थल आदि कुंभ स्थली सिमरिया गंगा धाम में उमड़ पड़ी है. यहां सुबह से ही एक लाख से अधिक श्रद्धालु गंगा स्नान कर चुके हैं. सिमरिया में रविवार सुबह तीन बजे से शुरू स्नान का सिलसिला लगातार जारी है. श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर प्रशासनिक अधिकारी एवं पुलिस अधिकारी के साथ बड़ी संख्या में सुरक्षा बल जहां तैनात हैं. डीडीआरएफ के गोताखोर अनिल सहित पूरी टीम मोटरबोट से लगातार गंगा में गश्त करते हुए लोगों को आगे बढ़ने से गहरे पानी में जाने से रोकते रहे.

आओ जानें

बिहार : जानें सोन नदी के बारे में

- सोन नदी को सोनभद्र शीला के नाम से भी जाना जाता है. इसका पुराना नाम संभवतः 'सोहन' था जो पीछे बिगड़कर सोन बन गया.
- इस नदी का नाम सोन इसलिए भी कहा जाता है क्योंकि इस नदी के बालू (रेत) पीले रंग के हैं जो सोने कि तरह चमकते हैं.
- सोन नदी मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले से अमरकंटक पहाड़ी के मैकाल पर्वत श्रेणी से निकलती है. जिसकी कुल लंबाई 784 किलोमीटर है .
- सोन नदी मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश तथा झारखंड राज्यों से होकर बिहार के रोहतास जिले में प्रवेश करती है जिसकी बिहार में कुल लंबाई 202 किलोमीटर है .
- सोन नदी पटना के निकट मनेर में गंगा नदी में मिल जाती है. इसकी प्रमुख सहायक नदियां गोपद, रिहान, कनहर एवं उत्तरी कोयल आदि है.

पवन सिंह मेरी माटी-मेरा देश कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे कार्यालय, बोले-

आदेश का इंतजार है, चुनाव लड़ने के लिए बिल्कुल तैयार हूं

संवाददाता । पटना

लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर देश सहित बिहार में सरगर्मी तेज हो गई है. सभी पार्टियां तैयारियां शुरू कर दी हैं. वहीं, लोकसभा चुनाव की तैयारी में भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह भी तैयारी में जुट गए हैं. चुनाव लड़ने के सवाल पर रविवार को पवन सिंह ने कहा कि आदेश का इंतजार है. इसके बाद सब तैयारी हो जाएगा. चुनाव लड़ने के लिए बिल्कुल तैयार हूं. आरा के लोगों से उन्होंने कहा कि सिर्फ मेहनत करना है. कुंवर सिंह की धरती का एक मैं भी बेटा हूं. आगे उन्होंने भोजपुरी में कहा कि 'बस आशीर्वाद बनाईं सभे'.

पटना बीजेपी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पवन सिंह ने रविवार को हिस्सा लिया. कार्यक्रम के बाद संवाददाताओं ने जब उनसे सवाल किया कि क्या वो आरा से लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे? इस पर उन्होंने कहा कि जो पार्टी कहेगी वो करूंगा. चुनाव लड़ने की इच्छा पर उन्होंने कहा कि किसको आगे बढ़ने का मन नहीं करता है. उन्होंने कहा कि कमर कस चुके हैं बस आदेश का इंतजार है. दर्शकों ने गायक से नायक बनाया है आगे जो जनता की मर्जी है.

सरगर्मी तेज

- कुंवर सिंह की धरती का एक मैं भी बेटा हूं
- दर्शकों ने गायक बनाया है आगे जो जनता की मर्जी

वो पार्टी के नए सिपाही हैं : सिंह से जब यह सवाल किया गया कि कार्यक्रम के दौरान बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा है कि बिहार सरकार देश के मुद्दों को लेकर चिंतित नहीं है. इस सवाल पर सिंह ने गोल मटोल जवाब दिया.

उन्होंने कहा कि वो पार्टी के नए सिपाही हैं. उन्हें बहुत जानकारी नहीं है और जिस मुद्दे पर जानकारी नहीं होती वो उस पर नहीं बोलते. दरअसल, पवन सिंह बीजेपी की तरफ से मेरी माटी-मेरा देश कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे. बीजेपी की तरफ से रविवार को बिहार के 1500 युवाओं को अमृत कलश के साथ स्पेशल ट्रेन से दिल्ली रवाना किया जाएगा.

राजद विधायक फतेह बहादुर सिंह के फिर बिगड़े बोल

रोहतास । राजद विधायक पिछले तीन दिन से हिन्दू देवी-देवताओं को लेकर लगातार विवादित बयान दे रहे हैं. अब राजद विधायक फतेह बहादुर सिंह ने सवर्ण वर्ग के हिंदुओं को लेकर अब विवादित बयान दिया है. डेहरी में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने शनिवार को कहा कि देश के 72 फीसदी पिछड़े हिंदुओं को मुसलमान से ज्यादा खतरा उन दस प्रतिशत हिंदुओं से है. बोलते हुए सवर्ण का नाम नहीं लिया. एक पार्टी लगातार यह कहती है कि सभी हिंदू एकजुट हो जाओ, क्योंकि तुम्हें मुसलमानों से बहुत ज्यादा खतरा है, जबकि 72 फीसद पिछड़े हिंदू है, जिसमें एससी-एसटी और ओबीसी वर्ग से आते हैं. उन्हें अब ज्यादा खतरा 10 फीसद हिंदुओं से है. सता में बैठे मनुवादी लोगों ने ही 72% वाले हिंदुओं पर इन्हीं लोगों ने गोबर और पत्थर फेंके थे. यह कोई दूसरे धर्म के नहीं थे. आज कहते हैं कि सभी हिंदू एक हो जाओ.

परिवार को मिली चौगुनी खुशी

महिला ने एक साथ 4 बेटों को दिया जन्म

संवाददाता । आरा

आरा से अनोखी खबर सामने आ रही है. यहां एक महिला ने एक साथ चार बच्चों को जन्म दिया है. सभी लड़के हैं. खास बात यह है कि जच्चा-बच्चा दोनों ही सुरक्षित है. चार बच्चों के जन्म की खबर मिलते ही परिवार वालों की खुशी का ठिकाना नहीं है. सभी बच्चों को देखने के लिए लालायित हैं. लेकिन अभी किसी को बच्चों से मिलने नहीं दिया जा रहा है. सभी बच्चों को डॉक्टर की देखरेख में अलग वार्ड में रखा गया है. एक साथ चार बच्चों के जन्म की खबर पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है. अस्पताल में भी यह कौतूहल का विषय बना हुआ है. अस्पताल में आये लोग बच्चों को देखने के लिए उत्सुक है.

चार बेटों की मां बनी महिला : बता दें कि बक्सर के नैनीजोर थाना क्षेत्र के छोटकी नैनीजोर गांव निवासी भरत यादव की 32 वर्षीय पत्नी ज्ञानती देवी को प्रसव पीड़ा के बाद एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था. जहां गर्भवती महिला ने एक साथ चार बच्चों को जन्म दिया. ज्ञानती देवी को पहले से एक लड़का और एक लड़की है. चार बच्चों के जन्म के बाद ज्ञानती देवी छह बच्चों की मां हो गयी है. शांति मेमोरियल प्राइवेट नर्सिंग होम की महिला चिकित्सक डॉ. गुंजन सिंह और पति डॉ. विकास सिंह ने ऑपरेशन सफल प्रसव कराया. डॉ गुंजन सिंह ने बताया कि पहली बार उनके अस्पताल में एक साथ चार बच्चों का जन्म हुआ है. अल्ट्रासाउंड के जरिए पता चला था कि महिला के गर्भ में एक साथ चार बच्चे पल रहे.

क्यों होता है ऐसा : विशेषज्ञों के अनुसार, मैनोजाइगॉटिक जुड़वा बच्चों का निर्माण तब होता है जब एक एग से किसी स्पर्म द्वारा फर्टिलाइज़ किया जाता है, लेकिन 2 एम्ब्रीओ निर्माण होता है. इस तरह जन्म लेने वाले जुड़वा बच्चों की आनुवांशिक संरचना एक ही होती है. जबकि डायजाइगॉटिक जुड़वा बच्चे तब बनते हैं जब दो अलग स्पर्म्स दो एग्स को फर्टिलाइज करते हैं.

राम जानकी मठ से बहुमूल्य मूर्ति की चोरी

पूर्वी चंपारण । जिले बंजरिया थाना क्षेत्र के बथना गांव स्थित श्रीराम जानकी मठ परिसर से अज्ञात चोरों ने राम सीता लक्ष्मण और कृष्ण की मूर्ति को चुरा लिया है. स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार राम सीता लक्ष्मण और कृष्ण भगवान की अष्टधातु की मूर्ति आज से 60 वर्ष पूर्व स्थापित किये गये थे. जिसकी कीमत लगभग 10 से 15 लाख रुपया के आस पास होगी.

बीएसईबी ने 3 सरकारी समेत 181 स्कूलों का रजिस्ट्रेशन रद्द

पटना । बिहार स्कूल एग्जामिनेशन बोर्ड (बीएसईबी) ने 181 स्कूलों का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया है. इनमें तीन माध्यमिक विद्यालय और 178 अनुदानित माध्यमिक स्कूल शामिल हैं. बीएसईबी के अध्यक्ष आनंद किशोर ने बोर्ड के नवगठित शासी निकाय की बैठक में यह फैसला लिया है. जिन स्कूलों का रजिस्ट्रेशन रद्द किया है, सभी रजिस्ट्रेशन नियमावली 2011 में वर्णित प्रावधानों के अधिकांश शर्तों को पूरा नहीं कर रहे थे. हालांकि इन स्कूलों की मान्यता रद्द होने से बच्चों की पढ़ाई बाधित नहीं होगी. बोर्ड ने फैसला लिया है कि इन सभी स्कूलों के बच्चों का नामांकन पास के स्कूलों में कराया जायेगा.

कारोबार

एसबीआई ने धोनी को बनाया ब्रांड एम्बैसडर

नयी दिल्ली । देश के सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता एसबीआई ने पूर्व क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी को अपना ब्रांड एम्बैसडर नियुक्त किया है. बैंक ने एक बयान में कहा कि एसबीआई के ब्रांड एम्बैसडर के तौर पर धोनी विभिन्न विपणन और प्रचार अभियानों में प्रमुख भूमिका निभाएंगे. बयान के अनुसार, तनावपूर्ण स्थितियों में संयम बनाए रखने की उनकी उल्लेखनीय क्षमता और स्पष्ट सोच और दबाव में त्वरित निर्णय लेने की उनकी प्रसिद्ध क्षमता उन्हें देशभर में अपने ग्राहकों और हितधारकों के साथ जुड़ने के लिए एसबीआई के साथ आदर्श विकल्प बनाती है.

एक्सिस बैंक के पास पर्याप्त पूंजी : सीईओ

नयी दिल्ली । एक्सिस बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी अमिताभ चौधरी ने कहा है कि बैंक के पास अपने कारोबार की वृद्धि के वित्तपोषण के लिए पर्याप्त पूंजी है. उन्होंने कहा कि बैंक का ऋण खंड उद्योग के औसत से अधिक बढ़ने की उम्मीद है. यह इस वित्त वर्ष में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम क्षेत्र के लिए उद्योग की तुलना में 4 से 6% अधिक होगा.

कंट्री गार्डन ने इंटरनेशनल बॉन्ड के पेमेंट में डिफॉल्ट किया है

एक और रियल एस्टेट कंपनी कंट्री गार्डन बनी डिफॉल्टर

एजेंसी । नई दिल्ली

पिछले कुछ समय से चीन की अर्थव्यवस्था बद से बदतर होती जा रही है. जिस चीन में रियल स्टेट की अर्थव्यवस्था की मजबूती में अहम भूमिका मानी जा रही थी, उसकी हालत खराब है. इसकी शुरुआत कुछ महीने पहले चीन की सबसे बड़ी रियल स्टेट की कंपनी एवरग्रांड ग्रुप के दिवालिया घोषित होने के बाद से ही हो गई थी. इसी रास्ते पर अब एक और कंपनी चल पड़ी है. वह है कंट्री गार्डन. चीन का रियल एस्टेट संकट लगातार गहराता जा रहा है.

देश की एक और रियल एस्टेट कंपनी कंट्री गार्डन डिफॉल्टर बन गई है. जो कंपनी कभी देश की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी थी, वो आज दिवालिया होने के कगार पर पहुंच गई है. कंट्री गार्डन ने इंटरनेशनल बॉन्ड के पेमेंट में डिफॉल्ट किया है. कंपनी पर 190 अरब डॉलर का भारी भरकम कर्ज है. चीन की इस कंपनी ने अब तक 3000 से अधिक प्रोजेक्ट डेवलप किए हैं.

देखा जाय तो अपनी विकसित अर्थव्यवस्था के दम पर दुनिया को धौंस दिखाने वाले चीन की हालत बद से बदतर होती जा रही है. रियल एस्टेट की खस्ताहालत ने चीन की पोल खोलकर रख दी है. न रोजगार बचे हैं और न ही कारोबार, ऊपर से बूढ़ी होती जनसंख्या चीन के लिए सबसे बड़ी मुश्किल बनती जा रही है. दुनिया की फैक्ट्री कहलाने वाले चीन की हालत ये है कि विदेशी कंपनियां यहां से अपना कारोबार समेट रही हैं. अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने चीन की अर्थव्यवस्था को लेकर भविष्यवाणी करते हुए कहा कि चाइना की इकोनॉमी एक चालू बम जैसी है, जिसमें कभी भी धमाका हो सकता है. बेपटरी हो चुकी चीन की इकॉनमी की मुश्किल कम होने के बजाए बढ़ती जा रही है.

इस कंपनी ने होटल, पार्किंग लॉट्स और रिटेल स्टोर्स समेत तमाम कमर्शियल रियल एस्टेट प्रोजेक्ट डेवलप किए हैं. 1400 शहर बसाए हैं. कंपनी में तीन लाख से अधिक कर्मचारी काम करते हैं. लेकिन रियल एस्टेट की खस्ता हालत की मार के चलते कंपनी भारी नकदी संकट का सामना कर रही है. घरों-फ्लैटों की सेल में 81 फीसदी की गिरावट आ चुकी है. जिसके चलते कंपनी को भारी नुकसान हुआ है.

संकट गहराया

- कंपनी पर 190 अरब डॉलर का भारी कर्ज है
- कंपनी ने 3000 से अधिक प्रोजेक्ट डेवलप किए हैं

साल 2023 की पहली तिमाही में कंपनी को सात अरब डॉलर का रिकॉर्ड घाटा हुआ है. पिछले दो साल में इस कंपनी को 81 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है.

चीन पर आर्थिक संकट मंडराने लगा है : चीन की इकॉनमी में रियल एस्टेट की हिस्सेदारी 25 से 30 प्रतिशत हिस्सेदारी है. ऐसे में एक के बाद एक कंपनियों के दिवालिया होने से चीन की इकॉनमी हिली हुई है. चीन पर आर्थिक संकट मंडराने लगा है. कंपनी के बंद होने पर देश में बेरोजगारी चरम पर पहुंच गई है. हालात ऐसी हो गई की चीन ने बेरोजगारी के आंकड़े जारी करना बंद कर दिया. रियल एस्टेट के डूबने से बैंकों की भी हालत खस्ता है. यह संकट पूरी इकॉनमी को अपनी चपेट में ले सकता है. आईएमएफ का कहना है कि चीन की इकॉनमी डूबी तो पूरी दुनिया पर इसका असर दिखाई देगा. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कंट्री गार्डन ने कुछ महीने पहले इस साल की पहली छमाही में 7.6 अरब डॉलर के नुकसान की संभावना जताई थी.

कंट्री गार्डेन ने हांगकांग स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में निवेशकों को चेतावनी दी थी कि जून तक छह महीनों में 45 बिलियन से 55 बिलियन चीनी युआन (लगभग 6.2 बिलियन अमरीकी डालर से 7.6 बिलियन अमरीकी डॉलर) का नुकसान दर्ज करने की संभावना है. नुकसान की चेतावनी के बाद हांगकांग में कंट्री गार्डन के शेयरों में 8.7 प्रतिशत की गिरावट आई थी. साथ ही चीनी समाचार आउटलेट यिकाई की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि फर्म अज्ञात स्रोतों का हवाला देते हुए ऋण पुनर्गठन की तैयारी कर रही थी. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कंपनी ने अपनी फाइलिंग में कहा था कि वह विभिन्न ऋण प्रबंधन उपायों को अपनाने पर विचार करेगी. वह अपनी चुनौतियों से निपटने के लिए नवगठित टास्क फोर्स पर निर्भर करेगी.

नई दिल्ली । अभिनेत्री सोनम कपूर नई छतरपुर में एक शो के दौरान फैशन डिजाइनर अभिनव मिश्रा की कृतियों का प्रदर्शन करते हुए रैंप पर चलीं.

शेयर वित्तीय वर्ष 22- 23 के निफ्टी के ईपीएस 940 के आधार पर निफ्टी का न्यायोचित मूल्यांकन 20 की पीई के आधार पर 19400 होता है

पिछले सप्ताह साप्ताहिक आधार पर निफ्टी में 495 अंकों की बहुत बड़ी गिरावट रही

शशांक भारद्वाज
वीपी व्यॉइस ब्रोकिंग

पिछला सप्ताह भारतीय शेयर मार्केट के लिए सप्ताह मध्य में तो बड़ी गिरावट का रहा. निफ्टी में विगत सप्ताह तो गुरुवार को एक समय निफ्टी ने 18837 का स्तर छू लिया था, जो 20000 निफ्टी के स्तर से पहले की ऐतिहासिक ऊंचाई से भी नीचे का था, परंतु शुक्रवार की मार्केट ने पुनः तेजी दिखाई तथा 190 अंकों की बढ़ 19047 पर बंद रहने में सफल रहा. इस तेजी ने एक बार तो मार्केट में और भी बड़ी गिरावट को टाल दिया. पिछले सप्ताह खरीदार मार्केट से हटे से दिखे थे, विशेषकर छोटे मझौले शेयरों में. इस कारण इन शेयरों में गुरुवार को बड़ी गिरावट देखी गई परंतु शुक्रवार को फिर से खरीदारी आई तथा गुरुवार के निचले स्तरों से अच्छी पुनर्वापसी दिखी. इस तेजी का विस्तार हो सकता था, परंतु अमेरिका में डाउ में शुक्रवार को 429 अंकों की बड़ी गिरावट दिखी. इस कारण भारतीय शेयर मार्केट सोमवार को नीचे खुल सकते हैं. फिर यह देखना होगा कि भारत अमेरिकी शेयर मार्केट से अपने को पृथक कर पता है कि नहीं?

अमरीकी शेयर मार्केट में गिरावट का प्रमुख कारण ब्याज दरों में और भी वृद्धि की आशंका है. भारतीय अर्थव्यवस्था में कोई विशेष नकारात्मक कारक हैं नहीं. परंतु भले वैश्विक कारणों से ही, विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली आयेगी तो लघु अवधि में भारतीय शेयर बाजार भी थोड़े दुर्बल तो होंगे ही. शुक्रवार को लघु, माध्यम शेयरों में जैसा उछाल फिर दिखा, वो यह दर्शाता है कि खुदरा निवेशकों का उत्साह तथा प्रभाव बना हुआ है. नीचे भावों पर वो आक्रामक खरीदार भी हो जाते हैं. यदि यह प्रवृत्ति बनी रहती है तो मार्केट का मनोभाव सकारात्मक बना रह सकता है. पिछले सप्ताह साप्ताहिक आधार पर निफ्टी में 495 अंकों की बहुत बड़ी गिरावट रही. वित्तीय वर्ष 22- 23 के निफ्टी के ईपीएस 940 के आधार पर निफ्टी का न्यायोचित मूल्यांकन 20 की पीई के आधार पर 19400 होता है. वित्तीय वर्ष 23 -24 की प्रथम दो तिमाहियों के कंपनियों के वित्तीय परिणाम संतोषजनक ही आए हैं. ऐसे में निफ्टी पीई में और भी बढ़ोतरी देखी जा सकती है. इस आधार पर निफ्टी 19400 के नीचे एक मार्केट एक आकर्षक खरीद है यदि कोई बहुत बड़ा अप्रत्याशित नकारात्मक समाचार न आए.

शेयर मार्केट के लिए तात्कालिक चिंता

बड़ी गिरावट पर बड़ी खरीदारी की जा सकती है. इजराइल हमास युद्ध इजराइल द्वारा गाजा पट्टी में भूमि आक्रमण के कारण अधिक तीव्र होता जा रहा है जो पूरे विश्व के शेयर मार्केट के लिए तात्कालिक चिंता है. निवेश संबधी निर्णय में इस घटनाक्रम पर भी दृष्टि रखनी चाहिए. ब्याज दरों में वृद्धि के पश्चात भी अमरीकी अर्थव्यवस्था में सतत वृद्धि बनी हुई है. इससे निकट अवधि में वहां ब्याज दरों में कमी की संभावना क्षीण हुई है. यह अमेरिकी शेयर मार्केट में तेजी नहीं आने दे रहा है. शुक्रवार को तो वहां प्रमुख कंपनियों के शेयर के मूल्यों में बहुत बड़ी गिरावट आई. सनफोइ के शेयर 20 प्रतिशत गिरे तो फोर्ड में 13 प्रतिशत की गिरावट आई. यह यूएस अर्थव्यवस्था में मंदी की संभावना आने की आशंका का परिणाम हो सकता है. यद्यपि भारत की अर्थव्यवस्था तथा शेयर मार्केट को लेकर कुछ प्रमुख वैश्विक वित्तीय संस्थान उत्साहित एवं सकारात्मक हैं. मोर्गन स्टेनले, सी ।एलएसए, नोमुरा के बाद जेपी मॉर्गन ने भी रेटिंग बढ़ाई है. यदि वैश्विक कारक थोड़े भी सुधरते हैं तो भारत में बड़ी खरीदारी, विदेशी निवेश आ सकता है.

निवेशकों ने नकद संभाग में 13190 करोड़ की बिकवाली की

पिछले सप्ताह विदेशी संस्थागत निवेशकों ने नकद संभाग में 13190 करोड़ रुपए की भारी बिकवाली की. इस माह में 27 अक्टूबर तक एफआईआई 26958 करोड़ रुपए के शेयर बेच चुके हैं. घरेलू संस्थागत निवेशकों ने उनकी बिकवाली का प्रतिकार करने का प्रयास किया तथा नकद संभाग में 11556 करोड़ रुपए की खरीदारी की .एफआईआई की इंडेक्स फ्यूचर में बिकवाली 3800 करोड़ को रही जो बहुत अधिक नहीं है. निफ्टी में अपने वर्तमान स्तरों से बहुत अधिक गिरावट नहीं आनी चाहिए. इंडेक्स ऑप्शन में एफआईआई की गतिविधि कुछ कम हुई है. संकेत वो इन स्तरों पर अधिक सट्टे की पोजीशन नहीं बनाना चाह रहे हैं. निफ्टी का 200 दिनों का एवरेज 18607 एक अच्छा सपोर्ट का कार्य कर सकता है. निफ्टी के उसके नीचे आने पर एक घबराहट भरी बिकवाली आ सकती परंतु ऐसा हो तो इस घबराहट का लाभ उठा खरीदारी की जा सकती है क्योंकि मध्यम से दीर्घ अवधि में मार्केट पुनः तेज हो अपने उचित मूल्यांकन की ओर बढ़ेंगे. ब्रेंट क्रूड का मूल्य 90 डॉलर प्रति बैरल से अधिक है. इसमें बड़ा उतार चढ़ाव हो रहा है. 95 डॉलर से ऊपर जाने पर भारत के लिए चिंताजनक होगा. यद्यपि युद्ध पर कोई अच्छा समाचार आने पर इसमें तेज गिरावट भी देखी गई हैं. डॉलर इंडेक्स 106 .41 तथा यूएस बॉन्ड यील्ड 4 .84 है.

युद्ध विराम की मरीचिका

क्या गाजा में युद्ध विराम की संभावना बन रही है या बन सकती है? इस सवाल का ठोस जवाब अभी संभव नहीं है, लेकिन अल जजीरा का दावा है कि युद्ध विराम और गाजा से बंधकों की रिहाई में कतर की मध्यस्थता में काफी प्रगति हुई है, लेकिन पश्चिमी मीडिया इन खबरों पर खामोश हैं. इसके साथ ही रूस में हमास, इरान और रूस के नेताओं के बीच हुई बातचीत ने दुनिया को एक तरह से सजग कर दिया है. इस बीच अमेरिका के विश्वविद्यालयों में युद्ध विरोधी प्रदर्शन तेज हो गए हैं. युद्ध विरोधी प्रदर्शनों से यूरोप के देशों की सत्ता परेशान है. इस बीच अमेरिका के एक पोर्टल 'पोलिटिको' ने एक अमेरिकी खुफिया दस्तावेज जारी कर दुनिया को हैरान कर दिया है. बाइडन प्रशासन के इस दस्तावेज में युद्ध को अमेरिकी प्रगति और आर्थिक स्थिरता के लिए जरूरी बताया जा रहा है. हालांकि बाइडन के इस नरेटिव से उनके ही मतदाता बेहद परेशान हैं. एक ताजा सर्वे में बाइडन की पार्टी में ही उनके समर्थन में 11 प्रतिशत की गिरावट दिखायी गयी है और अमेरिका के अप्रुवल रेट में बाइडन लगातार कमजोर होते दिख रहे हैं. इन हालातों में युद्ध विराम का प्रश्न एक अंधेरी सुरंग में कैदी की तरह दिख रहा है. बावजूद इसके अल जजीरा के दावे को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है. हमास के हमलों के बाद अमेरिका के जो बाइडेन प्रशासन ने फिलिस्तीन विवाद में इजराइल को संपूर्ण समर्थन देने की नीति अपनाई है. जी-7 के सदस्य देशों के अलावा ज्यादातर यूरोपीय सरकारें भी अपने चिर-परिचित स्वभाव के मुताबिक बिना कोई सवाल उठाए अमेरिका के पीछे हो चली हैं. उन्होंने गाज़ा में इजराइल की अंधाधुंध कार्रवाइयों की कोई ठोस आलोचना नहीं की है, लेकिन अब संकेत हैं कि इस रुख पर उन देशों में फूट पड़ रही है. पहले एक ब्रिटिश वित्तीय अखबार ने अपनी एक लंबी रिपोर्ट में बताया कि यूरोपियन यूनियन के राजनयिक इस नीति से परेशान हैं. उन्होंने राय जताई है कि अपने मौजूदा रुख से अमेरिका और यूरोप ने विकासशील दुनिया में अपना नैतिक बल खो दिया है. उनके मुताबिक उन्होंने बड़ी मुश्किल से कई विकासशील देशों को यूक्रेन के मामले में रूस के खिलाफ लामबंद किया था, मगर अब वे देश ही पूछ रहे हैं कि जो दलील पश्चिम यूक्रेन के मामले में दे रहा था, गाज़ा में उनके उलट आचरण क्यों कर रहा है. उधर अमेरिका से खबर आई है कि वहां विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी जोश पॉल ने अमेरिकी नीति को नैतिकता के विरुद्ध बताते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. इस त्यागपत्र की खबर के साथ ही एक अमेरिकी मीडिया संस्थान ने अपनी एक लंबी रिपोर्ट में बताया कि बाइडेन प्रशासन की इजराइल-फिलस्तीन नीति को लेकर विदेश मंत्रालय के अंदर 'विद्रोह' पनप रहा है.

> अमेरिका के विश्वविद्यालयों में युद्ध विरोधी प्रदर्शन तेज हो गए हैं. युद्ध विरोधी प्रदर्शनों से यूरोप के देशों की सत्ता परेशान है. इस बीच अमेरिका के एक पोर्टल 'पोलिटिको' ने एक अमेरिकी खुफिया दस्तावेज जारी कर दुनिया को हैरान कर दिया है.

सुभाषित

अङ्गणवेदी वसुधा कुल्या जलधिः स्थली च पातालम्।
वाल्मिकः च सुमेरूः कृतप्रतिज्ञाम्पस्य धीरस्य।।

अपनी प्रतिज्ञा पर दृढ़ रहने वाले धीर व्यक्ति के लिए यह वसुधा (पृथ्वी) एक बगिया के समान होता है, समुद्र एक नहर के समान होता है (जब चाहे तैर कर पार कर लो), पाताल लोक एक मनोरंजन स्थल के समान होता है और सुमेरु पर्वत एक चींटी के घर के समान होता है. अतः मनुष्य को दृढ़प्रतिज्ञ एवं धीर-गम्भीर होना चाहिए.

कमल की राह चल रहे कमलनाथ

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से शुरू हुई धर्मनिरपेक्षता की मिसाल मोहब्बत की दुकान मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में गायब नजर आ रही है. एमपी में कांग्रेस का चेहरा बने कमलनाथ खुद को हिंदुओं का असली हितैषी बताने की होड़ में कुछ भी करने को तैयार हैं. कमलनाथ की इस चाल के सामने भाजपा का हिंदुत्व फीका नजर आने लगा है. कमलनाथ की यह चुनावी चाल भाजपा पर भारी पड़ तो रही है, लेकिन इसको लेकर कांग्रेस कितनी सहज होगी, यह आनेवाला समय बताएगा.

• देश-काल

बृजेंद्र दूबे

मध्य प्रदेश की राजनीति में कांग्रेस नेता पूर्व सीएम कमलनाथ हनुमान भक्त के रूप में पहले से मशहूर हैं. साथ ही कांग्रेस में वे सॉफ्ट हिंदुत्व के चेहरे भी रहे हैं. प्रदेश में हनुमान मंदिर, संतों के दर्शन और पूजा पाठ, प्रियंका गांधी से नर्मदा पूजा आदि करवा कर भाजपा को उसी की भाषा में जवाब देने के लिए जाने जाते रहे हैं. पर इस बार के चुनावों में तो उन्होंने सॉफ्ट हिंदुत्व की सीमा रेखा ही पार कर ली है. हाल के दिनों में कमलनाथ की राजनीति कट्टर हिंदुत्व की ओर बढ़ रही है. दरअसल कमलनाथ को पता है कि एमपी की राजनीति में मुसलमान कांग्रेस को छोड़ कर कहां जाएंगे. वे जानते हैं कि वे चाहे कितना भी हिंदुत्व की पैरवी कर लें, मुस्लिम वोट उनसे छिटकने वाले नहीं हैं. यही कारण है कि कमलनाथ राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान छोड़ कर हिंदुत्व की पिच पर जम कर बैटिंग कर रहे हैं. कई बार तो ऐसा लगता है कि उनके हिंदुत्व के आगे भाजपा भी फीकी नजर आ रही है. खास तौर पर दशहरे पर कमलनाथ ने जो हिंदुओं के लिए वादे किए हैं, उससे तो यही लगता है कि उनकी सरकार केवल हिंदुओं की सरकार होगी.

इसी साल 12 जून को प्रियंका गांधी ने मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक राजधानी जबलपुर में 101 ब्राह्मणों के साथ मां नर्मदा का पूजन कर कांग्रेस के चुनावी अभियान की दिशा तय कर दी थी. जबलपुर शहर में बजरंगबली की 30-30 फीट की गदा भी प्रियंका की अगवानी के लिए लगाई गई थी. कर्नाटक में राहुल गांधी ने भाजपा के बजरंगबली के नारे को मोहब्बत की दुकान की धर्मनिरपेक्षता से चुनौती दी थी. मध्यप्रदेश तक पहुंचते-पहुंचते कांग्रेस भी बजरंगबली के चरणों में बिछ गई है. हिंदू राष्ट्र की वकालत करने वाले धीरेंद्र शास्त्री के प्रवचन कमलनाथ अपने घर छिंदवाड़ा में करा चुके हैं. शिव कथा वाचक प्रदीप मिश्रा का भी आशीर्वचन लिया जा चुका है. हद तो तब हो गई जब कांग्रेस ने मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट नवरात्र के पहले दिन सुबह 9 बजकर 9 मिनट पर जारी की.

इसे कमलनाथ का हार्ड हिंदुत्व का दांव ही माना जा रहा है कि एमपी में कांग्रेस मुस्लिमों से दूरी बनाती हुई नजर आ रही है. कांग्रेस ने एमपी चुनाव के लिए कई समितियां बनाईं पर 102 सदस्यों में सिर्फ तीन मुस्लिम नेताओं को ही जगह मिल सकी. इसी तरह विधायिकी के लिए मुस्लिम उम्मीदवारों की संख्या भी कांग्रेस ने कम कर दी है. कांग्रेस ने 2018 के विधानसभा चुनाव में तीन मुस्लिम प्रत्याशी उतारे थे, जबकि 2023 में कुल 2 मुस्लिमों को ही जगह दी गई है. राजनीतिक के विश्लेषक भी मान रहे हैं कि कांग्रेस 7 परसेंट वोट के लिए अपना 93 प्रतिशत हिंदू वोट नहीं खराब करना चाहती है. वैसे भी मुस्लिम वोट कहीं ओवैसी की पार्टी ले जाती है तो कहीं समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी.

कमलनाथ का नया हिन्दुत्व कार्ड है श्रीलंका में सीता माता का मंदिर बनवाने का वादा. हालांकि कमलनाथ के नेतृत्व वाली 2018 में बनी सरकार ने श्रीलंका में माता सीता के मंदिर के निर्माण की योजना बनाई थी, पर इसका काम शुरू हो पाता इसके पहले ही प्रदेश में तख्तापलट हो गया और भाजपा की सरकार बन गई. कमलनाथ ने एक बार फिर वादा किया है कि अगर कांग्रेस की सरकार बनती है, तो श्रीलंका में देवी सीता के मंदिर का निर्माण दोबारा शुरू किया जाएगा. विजयादशमी के अवसर पर कमलनाथ ने हिंदू जनता के लिए कई तरह के वादे किए हैं. मंदिरों में दर्शन के लिए टिकट सिस्टम हटाने की बात करके उन्होंने भाजपा पर सीधा हमला किया है. भगवान परशुराम के जन्मस्थल जानापाव को भी तीर्थस्थल घोषित करके उसका विकास करने का वादा किया है. हिंदुओं को परिजनों के मृत होने पर उनके अस्थि विसर्जन एवं अंत्येष्टि के लिए 10 हजार रुपए की सहायता राशि दिए जाने का भी कमलनाथ ने वादा किया है. कमलनाथ ने अपनी पूर्ववर्ती सरकार में भी पुजारियों और महंतों का ख्याल रखा था, इस बार उनका बीमा करवाने का वादा किया है. यही नहीं कमलनाथ सोची समझी रणनीति के तहत दिग्विजय सिंह से एक निश्चित दूरी बना कर चल रहे हैं. कमलनाथ जानते हैं कि दिग्विजय की छवि एंटी हिंदू की है. इसलिए उन्होंने अपने आपको ऐसे स्टैबलिश किया है कि वे दिग्विजय सिंह के साथ न दिखें.

कमलनाथ भाजपा के हिंदुत्व के कार्ड के ज़रिए ही शिवराज सिंह चौहान को सत्ता से अपदस्थ करना चाहते हैं. पर सवाल उठता है कि क्या कांग्रेस के इस तरह के शॉर्ट कट से पार्टी को नुकसान नहीं होगा? मोदी या भाजपा की काट अगर हिन्दुत्व है फिर भाजपा ही क्यों नहीं जैसे सवालों का जवाब कैसे देगी कांग्रेस? राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि भाजपा से मुकाबले के लिए कांग्रेस ने हिंदुत्व की लकीर बड़ी खींच दी है. इसलिए भाजपा और बड़ी लकीर खीचने की तैयारी में है. शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के कई धर्मस्थलों पर महाकाल जैसा कॉरीडोर बनाने का वादा किया है. कई जगह बहुत तेज गति से काम भी हुए हैं. ओंकारेश्वर में शंकराचार्य की मूर्ति लग चुकी है. दूसरे मध्य प्रदेश में एक नया वोट बैंक तैयार हुआ है. वह है महिलाओं का. महिलाओं के बीच शिवराज सिंह चौहान अपनी तमाम योजनाओं के चलते बहुत लोकप्रिय हैं. हालांकि कांग्रेस भी महिलाओं को लुभाने के लिए तमाम फ्रीबीज वाली योजनाएं ले कर आने का वादा कर रही है. अब देखना है कि महिलाओं को कितना भरोसा जीतने में कामयाब होती है कांग्रेस.

• बोधि-वृक्ष डॉ. सत्यकेतु संजय

सभी लोक हैं पुनरावर्ती

भगवान श्री कृष्ण कहते हैं कि ब्रह्मा से लेकर कीट पतंगादि सभी लोक पुनरावर्ती है. जन्म लेने और मरने तथा पुनः पुनः इसी क्रम मे चलने वाले है, किन्तु कौन्तेय ! मुझे प्राप्त हो कर उस पुरुष का पुनर्जन्म नहीं होता. वे कहते हैं, साधना काल में बुद्धि ही ब्रह्मा है- 'अहंकार सिव बुद्धि अज, मन ससि चित्त महान, बुद्धि जब इष्ट मे प्रवेश करने लगती हैं. तो उसके चार सोपान मनीषियों ने कहे हैं- ब्रह्मविद्, ब्रह्मविद्वर, ब्रह्मविद्वरीयान्, ब्रह्मविद्वरिष्ठ. यही ब्रह्मा के चार मुख हैं. ब्रह्मविद् वह बुद्धि है, जो ब्रह्म विद्या से संयुक्त हो. ब्रह्मविद्वर वह है, जिसे ब्रह्मविद्या में श्रेष्ठता प्राप्त हो. ब्रह्मविद्वरीयान् वह बुद्धि है, जिससे वह ब्रह्मविद्या में दक्ष ही नहीं, वरन् उसका नियन्त्रक, संचालक बन जाता है. ब्रह्म विद्वरिष्ठ बुद्धि का वह अन्तिम छोर है, जिसमें इष्ट प्रवाहित है. यहां तक बुद्धि का अस्तित्व है, क्योकि प्रवाहित होने वाला इष्ट अभी कहीं अलग है और ग्रहण कर्ता बुद्धि अलग है. साधना के पूर्त्ति काल में बुद्धि भी इष्ट में समा जाती है. ब्रह्मा के चतुर्युगों पर कहते हैं कि जब दिन (विद्या) कार्यरत है, उस समय योगी स्वरूप की ओर अग्रसर होता है, अन्तः करण की सहस्रों प्रवृत्तियों में ईश्वरीय प्रकाश का संचार हो उठता है. इसी प्रकार रात्रि (अविद्या) आने पर अन्तः करण की सहस्रों वृत्तियो में माया (मिथ्या संसार) का द्वन्द्व प्रवाहित होता है. अन्तः करण का विभाजन मन, बुद्धि, चित्त और अहंकार चार प्रमुख प्रवृतियो मे किया गया, वैसे अन्तः करण की वृत्तियां अनन्त हैं. अन्तः करण की चार प्रमुख प्रवृत्तियां ही उसके चतुर्युग है. रात और दिन इन्हीं प्रवृतियों में होते हैं. जो पुरुष इसके भेद को तत्व से जानते हैं, वे योगी जन काल के भेद को जानते हैं. ब्रह्मा के रात्रि व दिन को श्री कृष्ण स्पष्ट करते है- ब्रह्मा के दिन (विद्या) के प्रवेश काल मे सम्पूर्ण प्राणी (दैवी सम्पद) अव्यक्त ब्रह्मा (बुद्धि) में जागृत हो जाते हैं और रात्रि के प्रवेश काल में उसी अव्यक्त ब्रह्मा (बुद्धि) में जागृत सूक्ष्म तत्त्व (दैवी सम्पद) अचेत हो जाते हैं. वे प्राणी (दैवी सम्पद) रात्रि (अविद्या) में स्वरूप को स्पष्ट देख नहीं पाते. सब प्राणी (दैवी सम्पद) इस प्रकार जागृत हो कर प्रकृति से विवश हो कर रात्रि (अविद्या) के आने पर अचेत हो जाते है. वे नही देख पाते कि उनका लक्ष्य क्या है?

खाद्यान्न संकट के बीच कुपोषण की चुनौती

• विमर्श

सुबीर राय

नवीनतम वैश्विक भुखमरी सूचकांक में भारत को 111वें स्थान पर रखा गया है, यह जगह 125 मुल्कों में न केवल सबसे निचले पायदानों की है, बल्कि हम पड़ोस के बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल और पाकिस्तान से भी पिछड़े हुए हैं. उम्मीद के मुताबिक भारत सरकार की ओर से खंडन आना ही था. भारत ने इस सूचकांक को नकारते हुए कहा है भुखमरी पैमाने के इस ढंग में प्रणालीगत खामियां हैं. यहां तक कि एक कदम आगे जाकर इसको वह हरकत ठहराया है, जिसमें 'बदनाम करने का इरादा' झलकता है.

यह सूचकांक वेल्ट हंगर हाइफे (डब्ल्यूएचएच) और कंसर्न वर्ल्डवाईड नामक दो नामचीन संस्थानों द्वारा बनाया जाता है. यह भांपते हुए पिछले सूचकांकों की भांति भारत इस बार भी आकलन पर एतराज करेगा, दोनों संस्थाओं ने भारत सरकार से बात करने के बाद और संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों द्वारा उपलब्ध डाटा को शामिल करते हुए यह सूचकांक जारी किया है. असल में, यह सूचकांक समूची वैश्विक व्यवस्था के लिए बुरी खबर बता रहा है. वैश्विक भुखमरी का आंकड़ा बहुत ऊंचे स्तर पर बना हुआ है और इसको नीचे लाने पर प्रगति पिछले सालों में ठहरी-सी है. वर्ष 2008 और 2015 के आंकड़ों में उभार (जो कि वास्तव में स्थिति और बिगड़ने का द्योतक है) अपने से पिछले साल के मुकाबले चार बिंदु अधिक रहा, वहीं 2023 का नवीतनम आंकड़ा 2015 से एक बिंदु कम है. साथ ही, कुपोषण की रेखा भी असल में ऊपर उठी है.वैश्विक और राष्ट्रीय सूचकांक की गणना करने में चार संकेतक इस्तेमाल किए जाते हैं– कुपोषण (नाकाफी कैलोरी ग्राह्यता), लंबाई में आशातीत वृद्धि न होना (उम्र के अनुसार कम लंबाई), कम भार (लंबाई के मुताबिक कम भार) और शिशु-मृत्यु दर (पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मौत). वर्तमान लेखा-जोखा बताता है कि वर्ष 2030 तक विकास ध्येय पाने की पूर्ति में उपरोक्त चारों संकेतक आशान्वित नहीं करते. 2030 तक शून्य भुखमरी ध्येय पाने की दिशा में, 58 राष्ट्र यानी कि नवीनतम सूची में शामिल लगभग आधे देश, शून्य का आंकड़ा पाना तो दूर की बात है, न्यूनतम-भुखमरी स्तर की प्राप्ति भी नहीं कर पाएंगे. वर्ष 2015 से 2023 के बीच बनी इस अधोगति का अध्ययन दो कारण बताता है. पहले कोविड-19 महामारी का आना और उसके बाद रूस-यूक्रेन युद्ध, जिससे खाद्य कीमतों में बहुत ऊंचा उछाल आया. कुछ गरीब मुल्कों में तो लोग एक वक्त के भोजन के लिए संघर्ष कर रहे हैं. छोटे स्तर में ही सही, गैर-बासमती चावल के निर्यात पर रोक लगाकर भारत ने भी अंतरराष्ट्रीय खाद्य तंगी और उच्च मूल्य बनाने में भूमिका निभाई है, क्योंकि सबसे बड़े चावल निर्यातकों में भारत एक है. सूचकांक रिपोर्ट में नीतियों में सुधार के वास्ते कई सिफारिशें सुझायी गई हैं. कहा गया है कि खाद्य व्यवस्था में बदलाव करने में 'भोजन का अधिकार' को प्रक्रिया का आधार बनाया जाए. इस खाद्य व्यवस्था की रूपांतरण प्रक्रिया में युवाओं की क्षमताओं पर निवेश किया जाए. सततापूर्ण, न्यायसंगत और लचीली खाद्य व्यवस्था में निवेश करके सुनिश्चित किया जाए कि युवा जनसंख्या को व्यवहार्य और आकर्षक कमाई करने का मौका मिल पाए. भारत सरकार के लिए इसका मतलब है, 'भोजन का अधिकार' बनाना, जो भले ही संविधान में लिखित रूप में न हो, परंतु 'शिक्षा का अधिकार' की भांति सबकी एक वास्तविक जरूरत है. जिस तरह 'शिक्षा का अधिकार' कार्यक्रम पर क्रियान्वयन हुआ है, लगता है चाहे 'अधिकार' शब्द से यह जरूरत कानूनन पाने की राह खुलती हो, पर जब तक इस पर अमल अर्थपूर्ण न हो पाएगा तब तक यह न्यायसंगत नहीं बन पाएगी. इसके अतिरिक्त, कोई वजह नहीं कि अपने ज्यादा अनुभवों के साथ बड़े-बुजुर्ग खाद्य व्यवस्था में रूपांतरण के लिए बढ़िया योगदान न कर पाएं. वैश्विक भुखमरी सूचकांक पर भारत के एतराजों के पीछे कई कारण हैं. कुपोषण का डाटा, जो कि सूचकांक का मुख्य अवयव है, वह गैलप वर्ल्ड पोल की खोज पर आधारित है, जिसका सर्वेक्षण केवल 3000 लोगों पर आधारित है. इस रिपोर्ट में भारत में उम्र-बनाम-लंबाई और लंबाई-बनाम-भार में असमानता दर बहुत अधिक बताई गई है. यह डाटा राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वे (2019-21) से लिया गया है. भारत सरकार का एतराज यह भी है कि सूचकांक बनाते वक्त वास्तविक समय आधारित 'पोषण ट्रैकर' डाटा को गिना जाना चाहिए था.

> वर्तमान लेखा–जोखा बताता है कि वर्ष 2030 तक विकास ध्येय पाने की पूर्ति में उपरोक्त चारों संकेतक आशान्वित नहीं करते. 2030 तक शून्य भुखमरी ध्येय पाने की दिशा में, 58 राष्ट्र यानी कि नवीनतम सूची में शामिल लगभग आधे देश, शून्य का आंकड़ा पाना तो दूर की बात है, न्यूनतम–भुखमरी स्तर की प्राप्ति भी नहीं कर पाएंगे.

क्यों खराब हो रही है स्कूलों में शिक्षा

• आईना

रविंद्र सरदाना

कुछ दिन पहले एक शिक्षिका ने बताया था कि उनके क्लास में विद्यार्थियों की संख्या गिरकर 18 रह गई है और इस बीच एक और शिक्षक की नियुक्ति कर दी गई है. ऐसा करना खो-खो के खेल जैसा हो गया है, यानी कम संख्या के कारण शिक्षक अतिशेष में आ गए हैं, जिनका कभी भी स्थानांतरण किया जा सकता है. यह स्कूल मुख्य सड़क मार्ग पर है और यहां से शहर आना—जाना आसान है. यहां ट्रांसफर होकर आए नए शिक्षक की 'पहुंच' है, इसलिए ऐसा करवा पाना उनके लिए संभव हो पाया है.

बेबसी की हद है कि यह स्कूल जो बंद होने की कगार पर है, वहां ट्रांसफर का कारोबार जीवित है और पनप रहा है.दस वर्ष पहले इसी प्राइमरी स्कूल में विद्यार्थियों की संख्या 60 से 70 के बीच हुआ करती थी और किसी समय 100 के करीब. मध्यप्रदेश में बड़ी संख्या में ऐसे सरकारी स्कूल हैं, जहां पिछले दो दशकों में विद्यार्थियों की संख्या में कमी आई है और वे बंद होने की कगार पर पहुंच गए हैं. पहले इन शालाओं में 60 से 150 विद्यार्थी हुआ करते थे, जबकि अब उनकी संख्या 20 से 30 के करीब रह गई है. सरकारी भाषा में कहें तो इनका अन्य शाला में विलय होना तय है. यहां छात्र और शिक्षक दोनों ही बेबसी के दिन काट रहे हैं.क्या यह बेबसी की हालत सब जगह है? हमारे आसपास कई सरकारी स्कूल हैं जहां व्यवस्थित पढाई हो रही है. शाला के लिए प्रधान-अध्यापक और उनके साथ एक टीम नज़र आती है. शाला में बच्चों की संख्या पर्याप्त है और उनमें एक उम्मीद का माहौल दिखता है. हो सकता है ये 'सीएम राइज स्कूल' हों, 'मॉडल स्कूल' या कोई सामान्य सरकारी स्कूल हों ! खास बात यह है कि वही सरकारी तंत्र है, वे ही लोग हैं, परंतु स्कूल दो तरह के हैं. एक तरफ, जहां शालाओं को अपने हाल पर छोड़ दिया गया है और सभी उनके बंद होने का रास्ता देख रहे हैं और दूसरी तरफ, एक उम्मीद का माहौल है. एक ही तंत्र में दो-मुंही ढांचा चल रहा है. आखिर यह स्थिति कैसे निर्मित हुई? यह समझने के लिए स्कूल प्रशासन की जड़ों को देखना होगा. सबसे पुरानी जड़ है, 'ट्रांसफर नीति' और उससे सम्बंधित व्यवहार और लेन—देन. हम देखते हैं कि कुछ स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक हैं और कई स्कूलों में शिक्षकों की कमी है. यह अंतर हमें गांव एवं शहर के बीच और रोड किनारे व अंदर के स्कूल के बीच दिखता है. यह अंतर जिलेवार भी नज़र आता है, जैसे आदिवासी-बहुल जिले और अन्य जिले. ट्रांसफर इंडस्ट्री के चलते शालाओं को व्यवस्थित चलाने के लिए टीम नहीं बन पाती. शिक्षक हेडमास्टर को नज़रअंदाज़ करते हैं और प्रधानाध्यापक का सामान्य प्रशासन लागू नहीं हो पाता. यह दो-मुंही व्यवस्था इसलिए बनी, क्योंकि उसी तंत्र ने कुछ शालाओं को बचाया, वहां प्रधानाध्यापक के प्रशासन को कायम रखा और प्रोत्साहन भी दिया. दूसरी ओर, जहां संख्या कम हो रही थी वहां प्रशासन ने शिक्षकों को दोषी ठहराया और प्राइवेट स्कूल पर लगाम नहीं लगाई. कई राज्यों में यह नियम है कि सरकारी स्कूलों की मौजूदगी में एक हद के ऊपर प्राइवेट स्कूलों को अनुमति नहीं दी जाती, ताकि छात्रों को खींचने की प्रतिस्पर्धा न हो. लोगों का विश्वास कायम रखने के लिए कोई कदम नहीं उठाया, जैसे पहले भर्ती अभियान हुआ करता था. इन स्कूलों को बाज़ार से जूझने में मदद नहीं की, बल्कि उन्हें अपने हाल पर छोड़ दिया गया. स्कूल प्रशासन ने सुचारू व्यवस्था बनाने में अपनी भूमिका नहीं निभाई. इस दशा में शिक्षकों का मनोबल टूटा और निराशा का माहौल बन गया. सभी के लिए अपनी नौकरी बचाना लक्ष्य बन गया और व्यवस्था को सुधारने का जज्बा खत्म होने लगा. राजनीतिक शक्ति भी कुछ चुने हुए स्कूल, जैसे - 'सीएम राइज' पर केन्द्रित हो गई. ऐसे में दो-मुंही व्यवस्था अपने आप उभरकर सामने आने लगी. प्रशासन लोगों को दोषी कहने लगा कि उन्होंने अपने बच्चों को सरकारी स्कूल से हटाया और प्राइवेट की होड़ में लग गए. प्रशासन जनता को ही दोषी मानता है, इसलिए ज़रूरी है कि अब जनता से ही आवाज आए कि स्कूल प्रशासन को सभी शालाओं के लिए मज़बूत बनाना है. मध्यप्रदेश में आज स्थिति ऐसी है कि 27 प्रतिशत स्कूलों में बच्चों की संख्या तीस या उससे कम है. एक या दो 'पांच सितारा' स्कूल हमें चकाचौंध कर सकते हैं, पर सार्वजनिक व्यवस्था नहीं सुधरती. सामान्य सार्वजनिक व्यवस्था चाहे वह स्कूल हो या अस्पताल, सुचारू रूप से चलने पर ही विश्वास हासिल कर पाएगी.

> बेबसी की हद है कि यह स्कूल जो बंद होने की कगार पर है, वहां ट्रांसफर का कारोबार जीवित है और पनप रहा है.दस वर्ष पहले इसी प्राइमरी स्कूल में विद्यार्थियों की संख्या 60 से 70 के बीच हुआ करती थी और किसी समय 100 के करीब. मध्यप्रदेश में बड़ी संख्या में ऐसे सरकारी स्कूल हैं, जहां पिछले दो दशकों में विद्यार्थियों की संख्या में कमी आई है.

मीडिया में अन्यत्र

कारोबारी जगत के कुछ पूर्वाग्रह

भारत में महिलाओं की कम श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) को भारतीय समाज में व्याप्त पितृ सत्तात्मक सोच और भारतीय कारोबारी जगत के पूर्वग्रह का उदाहरण माना जाता है.यह बात हालिया सर्वेक्षणों पर भी लागू होती है जो इशारा करते हैं कि पुरुषों द्वारा परिवार पालने के लिए कमाना ही प्रतिमान है, वहीं महिलाओं पर घर के कामकाज का असंगत दबाव होता है और श्रम से होने वाली आय में से 82 फीसदी पर पुरुषों का कब्जा है.सलाहकार सेवा कंपनी ईवाई इंडिया के हालिया विश्लेषण में ये सभी कारक नजर आए. कंपनी ने 2022-23 में 1,040 सूचीबद्ध कंपनियों में नौकरियों के रुझान का अध्ययन किया. इसके साथ ही अध्ययन ने सार्वजनिक शासन की एक अहम नाकामी की ओर भी संकेत किया जिसके तहत कामकाजी महिलाओं के लिए अनुकूल माहौल नहीं बन पाया.ईवाई इंडिया का अध्ययन दिखाता है कि भारत के कारोबारी जगत में जब हम साधारण लिपिकीय स्तर से कार्यकारी स्तर की ओर बढ़ते हैं तो इसके साथ ही विविधता में भी इजाफा होता है.अध्ययन में पाया गया कि प्रबंधकीय या प्रशासनिक स्तर के 70 लाख स्थायी कर्मचारियों में 23 फीसदी महिलाएं थीं. यह अपने आप में बहुत कम आंकड़ा है, क्योंकि 2017-18 से उच्च शिक्षा में महिलाओं का नामांकन पुरुषों से अधिक है. इससे यह संकेत भी मिलता है कि अर्हता को महिलाओं को काम पर रखने के अवरोध के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है. अनुमान के मुताबिक ही सूचना प्रौद्योगिकी और वित्तीय सेवा जैसे अपेक्षाकृत नए और प्रतिस्पर्धी क्षेत्रों में ही पुरुषवाद कम नजर आया. सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कर्मचारियों में 34 फीसदी महिलाएं थीं, जबकि कामगारों में उनका प्रतिशत 42 था. वहीं वित्तीय सेवा क्षेत्र में यह आंकड़ा क्रमशः 23 और 28 फीसदी था. निचले दायरे के रोजगार की बात करें तो वहां तस्वीर ज्यादा खराब नजर आती है. यहां स्थायी कर्मचारियों में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 11 फीसदी थी. यह आंकड़ा भी केवल इसलिए इतना है, क्योंकि टेक्सटाइल क्षेत्र के स्थायी कर्मचारियों में 42 फीसदी महिलाएं हैं. यह दिखाता है कि मातृत्व लाभ, झूला घर, शौचालय और सुरक्षित परिवहन जैसे सहायक ढांचे का किस कदर अभाव है. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा — डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

अंतर/अंतरंग/अंतरण

मोहन और सोहन के बीच भले ही अंतरंग संबंध है, लेकिन सच पूछा जाए तो दोनों के बीच बहुत अंतर है. इस वाक्य में हम देखते हैं कि दो शब्दों अधिक जोर है. वे शब्द हैं अंतर और अंतरंग. दोनों अक्षरों के मेल के कारण समानार्थी प्रतीत होते हैं. सवाल है कि आखिर अंतर क्या है? शब्दकोशों के अनुसार अंतर शब्द संस्कृत तत्सम भी है और अंग्रेजी मूल का भी. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार संज्ञा पुल्लिंग के रूप में तत्सम के अंतर का अर्थ है फर्क, भिन्नता, भेदभाव, किन्हीं दो स्थानों के बीच का फासला, स्थान संबंधी दूरी, शेष, बचा हुआ, समय संबंधी दूरी, अवकाश, अंतःकरण, हृदय, मन, बीच, भीतर का भाग, गणित के अनुसार दो अंकों में एक का दूसरी से अधिकता का परिणाम. इसी प्रकार विशेषण के रूप में इसका अर्थ है आसन्न, निकट, भीतर का, आंतरिक, भिन्न, दूसरा, परस्पर. भिन्न, अन्य या दूसरा के अर्थ में अंतर का प्रयोग होता है. जैसे देशांतर, कालांतर. अंग्रेजी मूल वाला अंतर इंग्लिश के इंटर के समान विभिन्न इकाइयों के बीच पारस्परिक संबंधों का द्योतन करता है. जैसे इंटरनेट का अंतरजाल, इंटरकास्ट का अंतरजातीय तथा इंटरनेशनल अंतरराष्ट्रीय. इसी प्रकार अंतर शब्द के भी असंख्य बाल-बच्चे हैं. अंतरंग शब्द तत्सम विशेषण है. इसका अर्थ है पूरी तरह व्यक्तिगत, निजी, पर्सनल, अभिन्न, आंतरिक, आपसी, करीबी, अंदरूनी, आत्मीय, अत्यंत निकट का, प्रिय, घनिष्ठ, खास, गोपनीय, पारिवारिक. संज्ञा पुल्लिंग के रूप में अंतरंग शब्द का अर्थ है शरीर के आंतरिक अंग, आत्मीय जन, स्वजन. यह अंतर शब्द कई अत्यंत उपयोगी शब्दों का जनक है. जैसे अंतरंगता, मतलब अभिन्नता, नजदीकी, आत्मीयता, घनिष्ठता, भेद या रहस्य जाननेवाला, रहस्यज्ञ. एक शब्द है अंतरण. इसे अकेले में भले पहचानने में समस्या हो, लेकिन जब यह स्थान से जुड़ेगा तो आसानी से पहचान में आ जाएगा. तब यह बन जाएगा स्थानांतरण.

सिर पर सवार ईमानदारी का भूत

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

मैं ईमानदार अधिकारियों को पसंद नहीं करता. कारण यह कि उनमें बुद्धि की कमी होती है. न रिश्वत लेते हैं, न अपनी कोठी बना पाते हैं. न विदेशों की मौज-मस्ती सही ढंग से कर पाते हैं. उन्हें रिश्वत दी जाती है, लेकिन वे इंकार कर देते हैं. यह भी कोई बात हुई? आती हुई लक्ष्मी को कोई ठुकराता है? इसी कारण इन ईमानदारों के घर में हमेशा गरीबी का वास रहता है. जब कलयुग के कायदे से नहीं चलोगे तो दुष्परिणाम तो भुगतना ही पड़ेगा. समाज का सीधा-साधा नियम है कि सुबह को दफ्तर में जाओ तो जेबे खाली हों और दिनभर में उन्हें इतना भर लो कि शाम तक जेबों में रुपए ठूंस ठूंस कर इतने भर दो कि जेबें फट जाएं. इसे कहते हैं, बेईमानी से जिंदगी जीने के मजे. कुछ ईमानदार अफसर बिल्कुल बुद्धिहीन होते हैं. उन्हें न दुनिया से मतलब, न दुनियादारी से कोई मतलब. बस सत्य के स्वप्न में विचरण करते रहते हैं. अरे भाई ! ईमानदारी, साहस और चरित्र शब्दकोश की शोभा बढ़ाने वाले शब्द होते हैं. इनको अपनी कोठी के ड्राइंग रूम में शोकेस में सजा कर रखो. आने वाला हर व्यक्ति जब पूछे कि यह क्या है? तो गर्व से बताना-" यह हमें अभिनंदन के समय मिले हुए स्मृति चिह्न हैं, जिन पर साहस-ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा लिखा हुआ है. इन शब्दों को हमने शोकेस में बंद करके रख दिया है, ताकि ये हमारे ड्राइंग रूम से बाहर न आ पाएं. हम इनके बिना ही दफ्तर में जाते हैं और सारी नौकरी बेईमानी के साथ आराम से काट लेते हैं."

बड़ी संख्या में लोग इसी प्रकार से जीवन यापन कर रहे हैं. जरा अकल से काम लो. किसी को पकड़ो और उसे आरोपी बनाओ तो कम से कम अपनी औकात देखो और सामने वाले की हैसियत का अनुमान लगाओ. तुम ठहरे एक मामूली सरकारी कर्मचारी. सामने वाला अरबों–खरबों का खेल खेलता है. तुम चाहते हो कि उसे पकड़कर कानून के हवाले कर दोगे? रहने दो भाई! यह तुम्हारे बस की बात नहीं है. पुरानी कहावत है कि कमजोर लोग कानून के शिकंजे में फंसते हैं और ताकतवर लोग कानून के शिकंजे को तोड़कर बाहर आ जाते हैं. उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ पाता. जरा सोचो! बड़े लोगों के पास पैसा किसलिए होता है? वे सबसे पहले तुम्हें रिश्वत दे रहे हैं, ताकि तुम सुगमता से उन्हें गैरकानूनी काम करने दो. लेकिन नहीं, तुम पर तो ईमानदारी का भूत सवार है. तुम रिश्वत के ऑफर को ठुकरा देते हो. जैसे कोई बहुत बड़ा तीर मार लिया. अरे! तुम नहीं लोगे तो रिश्वत कोई दूसरा लेगा, दूसरा नहीं लेगा तो तीसरा लेगा. महत्वपूर्ण पदों पर बैठे हुए बेईमानों की कोई कमी थोड़ी ही है. तुम रुपये नहीं कमाओगे तो कोई दूसरा समझदार आदमी रुपये पकड़ लेगा.

सुकून

फरीदा खानम, श्रेया घोषाल या अन्य किसी की आवाज में इन पंक्तियों को आपने भी शायद कई बार सुना होगा, गुनगुनाया होगा. बेशक हम सभी की जिंदगी में आपाधापी है, भागमभाग है, परेशानियां हैं, पर इन्हीं के बीच चंद घड़ियां ऐसी भी होती हैं जो सुकून की खिड़की खोलती सी नजर आती, जहां से ताजगी भरी हवा आती है और हम रिचार्ज हो जाते हैं पूरे दम खम के साथ अगली पारी खेलने के लिए. व्यस्त जिंदगी से ऐसे ही पल चुराने वाले कुछ लोगों से हमने पूछा, उनकी जिंदगी के कौन से पल हैं आजाद!

वक़्त की क़ैद में ज़िंदगी है मगर...

चंद घड़ियां यही हैं जो आज़ाद हैं

सहेलियों के साथ सरप्राइज डिनर

समाज सेवा और राजनीति समय के नापतौल से नहीं होती. व्यस्तता तो बेशक बहुत है, पर इन पलों में से ही कुछ पल ऐसे चुरा लेती हूं जो मुझे रिचार्ज कर देता. किसी कार्यक्रम में जाने के दौरान प्राकृतिक सौन्दर्य से भरी कोई राह नजर आ जाती है तो कुछ पल के थम जाना पसंद करती हूं. सिमडेगा, लातेहार, गुमला आदि कहीं जा रही हूं और रास्ते में नदी, नाला, पहाड़ी, जंगली पेड़-पौधे-फूल-पत्ती नजर आए तो कुछ समय के लिए रूक जाना तय है, हालांकि कई बार साथ मौजूद दूसरों को यह पसंद नहीं आता. पेड़-पौधों की हरियाली निहार कर या झरने/पोखर/तालाब के पानी की बूंदों से गजब की ताजगी महसूस होती है. स्कूल-कॉलेज के जमाने की सहेलियों के साथ अचानक डिनर या मूवी देखने का प्रोग्राम बनाना भी रिचार्ज कर जाता है. तमाम व्यस्तताओं के बाद भी हम कुछ सहेलियां यह मौका ढूंढ ही लेती हैं. प्रभात तारा स्कूल के अपने बैच की साथियों के साथ रि-यूनियन पार्टी भी पिछले दिनों हमने किया जिसमें देश के कोने-कोने से हमारे बैच के साथी आए. इन दोस्तों के साथ अब और प्रगाढ़ संबंध हुआ. यह साथ, उनसे चैट भी रिचार्ज करता है.

- रमा खलखो

हेल्दी खाना, आउटिंग...

जब भागमभाग बहुत बढ़ जाती है, तो कुछ पल मैं बस खुद के साथ गुजारना पसंद करती हूं. इसके अलावा परिवार के साथ कहीं आउटिंग, हेल्दी खाना, एक्सरसाइज करना...से सब भी मुझे रिचार्ज कर देते हैं. दरअसल हम वर्किंग कपल हैं . दोनों ही व्यस्त रहते हैं. ऐसे में इस तरह के प्रोग्राम नई ताजगी देते हैं.

- अंशु तिवारी

पत्नी के साथ समय गुजारना

फुर्सत के पल यूं तो मिलते कम हैं, पर जब भी मिलते हैं, परिवार के साथ गुजारना पसंद है. पैरेंट्स के साथ, अपनी पत्नी के साथ समय गुजार कर रिफ्रेश हो जाता हूं. प्रकृति पसंद है. दिन भर की थकान के बाद अक्सर कभी धुर्वा डैम तो कभी पतरातू की तरफ पत्नी के साथ चला जाता हूं. वहां कुछ पल तमाम परेशानियों, व्यस्तताओं को भूल कर गुजारता. कभी वीकएंड में मौका मिलता है तो मैक्लुस्कीगंज जैसी आसपास के प्राकृतिक जगहों पर जाना पसंद करता हूं.

- डॉ एकांश देबुका

बापू सेहत के लिए तू तो...

आजकल जमाना डैडी कूल का है. हालांकि डैडी प्रतिकूल तो कभी नहीं रहे, पर कभी उनका अनुशासन इतना तगड़ा होता था कि उसे याद कर आज भी हम गुनगुना दें- बापू सेहत के लिए तू तो हानिकारक है. सुकून के साथ कुछ लोगों ने साझा किए अपने ऐसे ही मजेदार अनुभव

स्टेप्लर से टिका गुलाब

अभिषेक अब्र

बात तब की है जब हम स्कूल में पढ़ते थे. पापा स्कूटर से ऑफिस जाते थे और लौटने पर उनकी ख्वाहिश रहती थी कि हम कमरे में किताब खोल पढ़ते हुए मिले. और हम दो भाइयों को बरामदे में क्रिकेट खेलेन में मजा आता था. पापा का स्कूटर सौ मीटर दूर होता था, तभी स्कूटर की आवाज पहचान कर हमें उनके आने का पता चल जाता था और हम बैट-बॉल फेंक किताब लेकर बैठ जाते. पैरेंट्स गार्डेनिंग के शौकीन थे. हमारे बॉल से कई बार हमारे गार्डेन में लगा गुलाब का फूल भी टूट जाता था. ऐसे में हम झट से स्टेप्लर की मदद से फूल को पौधों पर पहले की तरह टिका देते थे. पर दूसरे दिन जब फूल मुर्झाया लटका दिखता और पापा पास आकर देखते कि उसमें स्टेप्लर लगा है तो हमारी पोल खुल जाती थी.

मुर्गी छोटी क्यों हो गई!

रीता रानी दास

मां छोटी उम्र में ही गुजर गई थीं और हम सभी भाई-बहन पापा के साथ रेलवे कॉलोनी में रहते थे. घर के आगे-पीछे काफी जमीन थी जिसमें पापा गाय, मुर्गी आदि भी पालते थे. यह पापा का शौक था. एक बार पापा शहर से बाहर गए तब एक मुर्गी जाने कैसे मर गई. दीदी ने जब मरी मुर्गी देखी तो डर से मुझे सौ रुपए थमाए और कहा, कहीं से बिल्कुल ऐसी मुर्गी लेकर आओ. मैं एक दुकान से दूसरी दुकान भटकती रही, पर वैसी मुर्गी नहीं मिल रही थी. भूख लग गई तो उसी सौ रुपए को खुल्ला कर कुछ-कुछ खरीद कर खाती रही. फिर एक दुकान में कुछ-कुछ वैसी ही भूरी लेकिन जरा सी छोटी मुर्गी दिखी. मैं उसे लेकर आ गई. हमने दड़बे में उसे रख दिया. अगले दिन जब पापा आए तो सबसे पहले अपने जानवरों-पक्षियों को देखने के लिए गए. वहां उस मुर्गी को देख कर तोड़ा ताज्जुब में पड़े- अरे यह भूरी वाली मुर्गी थोड़ी छोटी क्यों लग रही ! न हमने कुछ कहा, न पापा ने आगे कुछ पूछा. पर बाद के दिनों में यह किस्सा जाने कितनी बार साझा कर हंसी हूं.

ऐसे छूटा वह बोरिंग ब्रेकफास्ट

अनिता शर्मा

ब्रेकफास्ट को लेकर पापा का अनुशासन तगड़ा था. हम सभी भाई-बहनों को थोड़ी सी अंकुरित मूंग दाल, एक गिलास दूध और एक उबला अंडा हर हाल में खाना होता था, उसके बाद जो मर्जी खाएं. पापा का कहना था कि बचपन में ये चीजें नियमित खाने से आगे की जिंदगी में स्वास्थ्य बेहतर रहेगा. अंडा मुझे वैसे भी अधिक पसंद नहीं था, पर उस दिन मेरी प्लेट में जो अंडा आया, वह थोड़ा बड़ा था और दुर्गन्ध भी लगी. मैंने खाने में आना कानी की तो पापा ने तुरंत डांट लगाई, तुम यूं ही अंडा खाने से बचते रहती हो. खैर, किसी तरह खा तो ली, लेकिन उसके बाद जो उल्टी हुई, पापा भी थोड़ा सकते में आ गए कि मेरे डर से बच्ची ने गलत खा लिया. उसके बाद उन्होंने कभी मुझे अंडा खाने के लिए फोर्स नहीं किया, और न मैं उसके बाद कभी जिंदगी में दोबारा अंडा खाई.

कोर्स की किताब और कॉमिक्स

डॉ निशिथ कुमार

पापा उन दिनों सदर हॉस्पिटल में पोस्टेड थे. उनके कार की हॉर्न जैसे ही घर के गेट पर सुनाई देती, हमारी बदमाशियां वहीं थम जाती और हम किताब खोल कर बैठ जाते थे. (अब मेरी नन्हीं बेटी मेरे आने पर दौड़ कर मेरे पास आती है और लिपट जाती है.) तो उस दिन भी पापा की कार की हॉर्न सुनकर जो कॉमिक्स पढ़ रहा था, उसके ऊपर से ही कोर्स किताब लेकर पढ़ने लगा. पापा सीधे हमारे पास आए और उन्होंने किताब के भीतर रखे कॉमिक्स को देख लिया. फिर अच्छी डांट पड़ी. आज पापा की डांट की अहमियत समझ में आती है. दोनों एक पेशे में हैं और दोनों दोस्तों की तरह खूब बात करते हैं.

थोड़ी सी जो पी ली थी

नीलोत्पल रमेश

उन दिनों हाई स्कूल में पढ़ता था. हमारे परिवार में कोई किसी तरह का नशा नहीं करता था. लेकिन मैंने एक दिन दोस्तों के साथ ताड़ी पी ली. अब मुझे तो कोई होश नहीं. गिरता-पड़ता किसी तरह घर पहुंचा. पापा मुझे देख कर आवाक रह गए. तुरंत नहलवाया. फिर मुझसे हनुमान चालीसा पढ़वाई. इसके बाद जो पिटाई की कि जिंदगी में फिर कभी किसी नशा के बारे में मन में ख्याल तक नहीं आया.

मोटिवेशन

बहुत थका हुआ महसूस करते हैं?

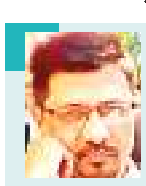

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

कोरोना के बाद से लोग स्वास्थ्य के प्रति ज्यादा सजग हो गए हैं. योगासन, टहलना, खान-पान को लेकर सतर्कता आदि बढ़ गई है. लेकिन तमाम प्रिकॉशन के बाद भी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में इजाफा दिख रहा. इसमें एक समस्या जिससे ज्यादातर लोग जूझ रहे हैं, वह है थकान. हर दूसरा व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से थका हुआ जान पड़ता है. यह नॉर्मल नहीं है. सही खान-पान, एक्सरसाइज के बावजूद लोग थका हुआ क्यों महसूस कर रहे हैं?

1. ओवर थिंकिंग

आज हर व्यक्ति हर वक्त सोचता नजर आता है. व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, धार्मिक समस्याओं के दलदल में फंसा हुआ है. अब पुरुषों को ही लें तो वे समस्याओं के बारे में सोचते दिखते हैं. टारगेट पूरा करना है, प्रोजेक्ट-प्रेजेंटेशन, रोज की मीटिंग, बच्चों की पढ़ाई, करिअर, सैलरी, पत्नी की फरमाइश, माता-पिता का स्वास्थ्य, तरह-तरह के टैक्स, बिजली बिल, इन्टरनेट और सैकड़ों अन्य समस्याएं. महिलाएं, बच्चे सभी अपने स्तर पर दिन-रात सोचते रहते हैं. बहुत सोचना दिमाग को भयंकर रूप से थका देता है. जो ज्यादा चिंता करते हैं, उन पर हेल्दी डाइट कोई काम नहीं आता. यही कारण है कि कई पूर्णतः स्वस्थ लोग हार्ट अटैक के शिकार हो चुके हैं.

उपाय : कम सोचिए. जब काम कर रहे हैं, तो बस काम पर फोकस कीजिए. काम को एंज्वॉय कीजिए. खाली समय में अच्छा पढ़िए, अच्छा सुनिए. परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताएं. अनावश्यक सलाह न लीजिए, न दीजिए. हर हाल में नकारात्मक सोच से बाहर निकलिए.

2. ओवर वर्कड और ओवर कमिटेड

हर इंसान ने अपने ऊपर दुनिया भर का बोझ डाल रखा है. एक कामकाजी महिला को ही देखें. घरेलू काम, फिर ऑफिस के काम, बच्चों की पढ़ाई, पैरंट-टीचर मीटिंग, सगे- संबंधियों की शादी या अन्य समारोह, घर के जरूरी सामान मंगाना या लाना... स्कूल के बच्चे भी बोझ से दबे हुए हैं. स्कूल जाना-आना और इस क्रम में ट्रैफिक झेलना, लौट कर जैसे-तैसे खाना खाकर ट्यूशन के लिए भागना, एक ट्यूशन से दूसरा ट्यूशन, लौटने पर स्कूल का होमवर्क-प्रोजेक्ट वर्क, ट्यूशन के एक्सरसाइज, स्कूल में कोई कार्यक्रम/प्रतियोगिता चल रही हो, तो उसकी तैयारी... जाहिर है थका हुआ तो महसूस करेगा ही.

उपाय: उतनी ही जिम्मेदारी लीजिए, जितना आप कर सकते हैं. बच्चे को उतना ही ट्यूशन ज्वॉइन करवाएं, जितना संभव हो. ऐसा रूटीन रखिए कि उसे सप्ताह में 3 दिन ही ट्यूशन जाना पड़े. ओवर वर्क करने से आपको कोई पुरस्कार नहीं मिलने वाला, न कोई क्रेडिट.

3. सोशल मीडिया का एक्सेस प्रयोग

शायद आपने मार्क किया हो, जो लोग व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टा, यू ट्यूब का ज्यादा प्रयोग करते हैं, वे चिड़चिड़े हो जाते हैं. उनमें बेचैनी ज्यादा रहती है. वे बार-बार अपना मोबाइल चेक करते हैं. लाइक्स की चाहत उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से थका देती है. सोशल मीडिया भी बहुत थका देने वाला नशा है. इनका प्रयोग बहुत सीमित करें. इससे बेहतर होगा हेल्दी हॉबी रखना.

4. गलत पहनावा

जी हां, गलत पहनावा भी हमें बहुत थका देता है. अगरआपको चलना ज्यादा पड़ता है या ज्यादा देर तक खड़ा रहना पड़ता है, तो आप हाई हील्स मत पहनिए. आप थक जाएंगी. न सिर्फ पैर बल्कि आपका कमर और कंधा भी दुखने लगेगा. अगर ज्यादा देर खड़ा रहना पड़ता है, तो फ्लैट जूते पहनिए, वह भी अच्छी कंपनी के. अगर आप बहुत टाइट ड्रेस पहन कर काफी देर तक रहते हैं, तब भी आप थक जाएंगे. फैशन और कम्फर्ट में किसी एक को चुनना हो, तो हमेशा कम्फर्ट को चुनें.

मूल मंत्र : ज्यादा सोचना बंद कीजिए. उतनी ही जिम्मेदारी लीजिए जिसे आप ठीक से पूरा कर सकें. सोशल मीडिया का सीमित प्रयोग कीजिए. सही जूतों और कपड़ों का चयन कीजिए. सकारात्मक सोच और काम पर फोकस कीजिए. खुश रहना सीखिए. थकान आपको छू भी नहीं पाएगी.

रमता जोगी

हम साथ-साथ हैं

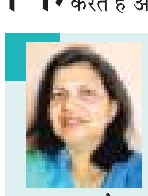

नुपूर अशोक

किसी भी यात्रा की में हम अपना सूटकेस पैक करते हैं और वहां से लौटते वक्त वहां की कुछ यादगार चीजें लाते हैं लेकिन जाने अनजाने हम अपने साथ और भी बहुत कुछ ले जाते हैं - अपनी मान्यताएं, अपने विश्वास, अपनी धारणाएं, अपनी पसंद और अपनी अब तक अर्जित जानकारियां. और ऐसा ही बहुत कुछ हम वहां से संचित करते हैं जो हमारी संरचना में घुल-मिल जाता है.

अमेरिका की अपनी यात्रा में मैं ने ऐसा बहुत कुछ संचित किया. हमारी एक धारणा रही है कि यह एक पूंजीवादी और व्यक्तिवादी देश है, यहां लोग अपने निजी सुख को सर्वोपरि मानते हैं चाहे उसके लिए उन्हें परिवार को त्यागना ही क्यों न पड़े. शायद कई संदर्भों में यह सही भी हो लेकिन मैं ने इसके विपरीत उदाहरण भी देखे.

जिस परिवार के साथ हम वहां थे, उनमें पारिवारिक जुड़ाव इतना अधिक था कि पूरी दुनिया में अलग अलग देशों में कार्यरत सभी सदस्य हर साल एक बार इकट्ठा होकर एक साथ समय बिताते थे. तीन बहनों और एक भाई के परिवार में बच्चों के अलावा उनके जीवनसाथी और उनकी संतानें भी शामिल थीं यानी लगभग पैंतीस-छत्तीस लोग. हर साल यह संख्या बढ़ती ही जाती है. यह पारिवारिक मिलन सिर्फ मिलने के ही उद्देश्य से होता है, किसी शादी ब्याह या अन्य किसी उत्सव के कारण नहीं। सिर्फ मिलने के लिए नौकरी से छुट्टी लेकर लाखों रुपए के टिकट कटा कर, हज़ारों मील की यात्रा कर के सब

एक स्थान पर एकत्रित होते हैं सिर्फ इसलिए ताकि एक दूसरे के साथ समय बिता सकें. स्थान भी तय। किसी नए स्थान पर जाकर पर्यटन की प्रमुखता पारिवारिकता पर हावी होने का कोई खतरा नहीं. एक ही स्थान, धुरी की तरह - उन भाई बहनों के पिता का बनाया हुआ विशाल झील के किनारे बना एक छोटा सा घर जिसे सब केबिन या अमरीकी लहजे में कैबिन कहते हैं.

लगातार बढ़ते सदस्यों की संख्या अब उस घर में समा नहीं सकती इसलिए कुछ लोग कैम्पर यानी चलते फिरते घर अपने साथ लाते हैं और कुछ तम्बू. जाहिर है इसमें फाइव स्टार वाला आराम नहीं है लेकिन सभी को एक साथ रहने की खुशी है. खाने पीने की जिम्मेवारी बांटकर उठाई जाती है - आज सुबह हम कर लेंगे, रात का तुम कर लेना. किसी एक के ऊपर बोझ नहीं, मेहमाननवाजी वाली बात नहीं. हिंदुस्तानी आयोजनों में "क्या खाएं" पर ही पूरा ध्यान रहता है पर यहां "क्या करें" पर अधिक था.

झील में बोटिंग की गई - किराए की नाव पर किसी नाविक के साथ नहीं, खुद की नाव पर खुद चलाकर. नावें भी कई तरह की थीं - मोटरबोट, पैडल बोट, कायाक. कुछ वैसे ही जैसे हमारे घरों में मोटर कार, स्कूटर और साइकल होती है. पानी में जेट स्की भी की गई और बाहर ज़मीन पर कई खेल भी खेले गए. गिटार बजाकर गाने गाए गए और आग जलाकर मार्शमैलो भी भूने गए. गर्म भुने हुए मार्शमैलो को ग्रामक्रैकर यानी कुरकुरे बिस्किट के बीच में डालकर खाना इस प्रदेश की खासियत है और वीडियो कॉल के इस कालखंड में दूरियां तय कर एक साथ मिलना इस परिवार की.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

अंक तालिका

रैंक	टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
1	भारत	06	06	00	12	+1.405
2	दक्षिण अफ्रीका	06	04	01	10	+2.032
3	न्यूजीलैंड	06	04	02	08	+1.232
4	ऑस्ट्रेलिया	06	04	02	08	+0.970
5	श्रीलंका	05	02	03	04	-0.205
6	पाकिस्तान	06	02	04	04	-0.387
7	अफगानिस्तान	05	02	03	04	-0.969
8	नीदरलैंड	06	02	04	04	-1.277
9	बांग्लादेश	06	01	05	02	-1.338
10	इंग्लैंड	06	01	05	02	-1.652

एक नजर में

भारत	प्लेयर ऑफ द मैच	इंग्लैंड
229/9	रोहित शर्मा	129/10

आगे कौन

सबसे अधिक रन

431

क्विंटन डी कॉक, द. अफ्रीका

सबसे अधिक विकेट

16

एडम जम्पा, ऑस्ट्रेलिया

सिक्सर किंग रोहित शर्मा : 20

बाउंड्री

6: 380 | 4: 1360

भारत ने लगाया जीत का छक्का

100 रनों से जीता भारत

रोहित के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 18000 रन पूरे

रोहित शर्मा ने इस मुकाबले में जैसे ही 47 रन बनाए उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 18000 रन पूरे कर लिए. वह ऐसा करने वाले भारत के 5वें और दुनिया के 20वें बल्लेबाज हैं. बतौर कप्तान रोहित शर्मा का यह 100वां इंटरनेशनल मैच भी है.

भारत के लिए सबसे ज्यादा इंटरनेशनल रन बनाने वाले बल्लेबाज

सचिन तेंदुलकर - 34357 रन
विराट कोहली - 26121 रन
राहुल द्रविड़ - 24208 रन
सौरव गांगुली - 18575 रन
रोहित शर्मा - 18040 रन*

4 विकेट चटकाए शमी ने | **87** रन बनाये रोहित ने

भाषा । लखनऊ

भारतीय गेंदबाजों की आक्रामक गेंदबाजी और रोहित की शानदार बल्लेबाजी के बदौलत भारत ने यहां इंग्लैंड को 100 रनों से हराया. भारत के लिए मोहम्मद शमी ने 4 विकेट चटकाए, वहीं बुमराह ने तीन और कुलदीप ने दो विकेट लिए. इससे पहले भारत कप्तान रोहित शर्मा के अर्धशतक के बावजूद इंग्लैंड की धारदार गेंदबाजी के सामने रविवार को यहां आईसीसी क्रिकेट विश्व कप मुकाबले में नौ विकेट पर 229 रन बनाया. डेविड विली (45 रन पर तीन विकेट), क्रिस वोक्स (33 रन पर दो विकेट) और आदिल राशिद (35 रन पर दो विकेट) की सटीक गेंदबाजी के सामने भारत ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए. रोहित ने 87 रन की पारी खेलने के अलावा लोकेश राहुल (39) के साथ उस समय चौथे विकेट के लिए 91 रन जोड़े जब भारत 40 रन पर तीन विकेट गंवाकर संकट में था. सूर्यकुमार यादव ने 49 रन की पारी खेलकर भारत का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई. टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरे भारत की शुरुआत खराब रही और टीम ने 12वें ओवर में 40 रन तक ही सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल (09), विराट कोहली (00) और श्रेयस अय्यर (04) के विकेट गंवा दिए. विली ने रोहित को पारी का पहला ओवर मेडन डाला जबकि भारतीय कप्तान ने इस तेज गेंदबाज के अगले ओवर में एक चौके और दो छक्के से अपने तेवर दिखाए.

विश्व कप में 20 साल बाद इंग्लैंड से जीता भारत

भारतीय टीम ने विश्व कप में इंग्लैंड को लंबे इंतजार के बाद 20 साल बाद हराया है. भारतीय टीम ने विश्व कप में आखिरी बार इंग्लैंड को 2003 में डरबन के मैदान पर 82 रनों से हराया था.

विश्व कप में पहली बार जीरो पर आउट हुए विराट व रूट

विश्व कप में पहली बार ऐसा हुआ है की भारत के दिग्गज बल्लेबाज जीरो पर आउट हुए. विराट के साथ-साथ रूट को भी इस मैच में बिना रन बनाए पवेलियन लौटना पड़ा.

स्कोरबोर्ड

भारत	रन	बॉल	4	6
रोहित कै लिविंगस्टोन बो आदिल राशिद	87	101	10	3
गिल बो क्रिस वोक्स	9	13	1	0
कोहली कै स्टोक्स बो विली	0	9	0	0
अय्यर कै मार्क वुड बो क्रिस वोक्स	4	16	0	0
राहुल कै बेयरस्टो बो विली	39	58	3	0
सूर्यकुमार यादव कै वोक्स बो विली	49	47	4	1
जड़ेजा एलबीडब्ल्यू बो आदिल रशीद	8	13	0	0
शमी कै बटलर बो मार्क वुड	1	5	0	0
बुमराह रन आउट (बटलर)	16	25	1	0
कुलदीप नाबाद	9	13	1	0

अतिरिक्त : 7, कुल : 229/ 9, 50 ओवर, विकेट पतन : 26-1, 27-2, 40-3, 131-4, 164-5, 182-6, 183-7, 208-8, 229-9, गेंदबाजी : विली : 10-2-45-3, क्रिस वोक्स : 9-1-33-2, आदिल रशीद : 10-0-35-2, मार्क वुड : 9-1-46-1, लिविंगस्टोन : 4-1-29-0, मोईन : 8-0-37-0

इंग्लैंड	रन	बॉल	4	6
बेयरस्टो बो शमी	14	23	2	0
मलान बो बुमरा	16	17	2	1
रूट एलबीडब्ल्यू बो बुमरा	0	1	0	0
स्टोक्स बो शमी	0	1	0	0
बटलर बो कुलदीप यादव	10	23	1	0
मोईन कै राहुल बो शमी	15	31	0	0
लियाम लिविंगस्टोन बल्लेबाजी	27	46	2	0
वोक्स कै राहुल बो जड़ेजा	10	20	1	0
डेविड विली नॉटआउट	16	17	0	2
आदिल रशीद बो शमी	13	20	2	0
मार्क वुड बो बुमराह	0	1	0	0

अतिरिक्त : 8, कुल : 129/10, 34.5 ओवर, विकेट पतन : 30-1, 30-2, 33-3, 39-4, 52-5, 81-6, 98-7, 98-8, 122-9, 129-10, गेंदबाजी : जसप्रीत बुमराह : 6.5-1-32-3, मोहम्मद सिराज : 6-0-33-0, मोहम्मद शमी : 7-2-22-4, कुलदीप यादव : 8-0-24-2, रवींद्र जड़ेजा : 7-1-16-1

विश्व कप में अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन: शाकिब

संवाददाता । कोलकाता

बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन ने नीदरलैंड के हाथों 87 रन की हार के बाद स्वीकार किया कि यह विश्व कप में उनका अभी तक का सबसे खराब प्रदर्शन है. बांग्लादेश के सामने 230 रन का अपेक्षाकृत छोटा लक्ष्य था लेकिन उसकी टीम 42.2 ओवर में 142 रन पर आउट हो गई जो उसकी लगातार पांचवीं हार है. इससे वह सेमीफाइनल की दौड़ से लगभग बाहर हो गया है. शाकिब ने शनिवार को मैच के बाद संवाददाताओं से कहा कि आप निश्चित तौर पर ऐसा कह सकते हो कि यह बांग्लादेश का विश्व कप में सबसे खराब प्रदर्शन है. मेरे पास इसका जवाब नहीं है कि हमने इस तरह का प्रदर्शन क्यों किया. हमारा क्षेत्ररक्षण खराब था और पूरे टूर्नामेंट में हम वैसी बल्लेबाजी नहीं कर पाए जैसे हमें करनी चाहिए थी. उन्होंने कहा कि यह बड़ी चिंता का विषय है. आज एक और दिन था जब हमने नीदरलैंड को दो अंक इनाम में दिए. इस हार को पचा पाना बहुत मुश्किल है.

नीदरलैंड को 'बड़े राष्ट्र' का दर्जा दे आईसीसी : डी लीडे

संवाददाता । कोलकाता

नीदरलैंड के ऑलराउंडर बास डी लीडे का मानना है कि विश्व कप में दो बड़े उलटफेर करने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को उन्हें 'बड़े राष्ट्र' का दर्जा देना चाहिए. नीदरलैंड वर्तमान विश्व कप में भाग लेने वाला एकमात्र एसोसिएट देश है. उसने धर्मशाला में दक्षिण अफ्रीका को 38 रन से हराकर क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया था. इसके बाद उसने शनिवार को यहां बांग्लादेश को 87 से पराजित करके साबित कर दिया कि दक्षिण अफ्रीका पर उसकी जीत महज संयोग नहीं थी. डी लीडे ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा कि हमारे लिए और नीदरलैंड क्रिकेट के लिए प्रत्येक जीत बड़ी जीत है. हम अपने देश के युवाओं को इस खेल से जुड़ने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं. उन्होंने कहा कि हम आने वाले वर्षों में हमें एक संभावित बड़े राष्ट्र के रूप में देखने के लिए आईसीसी का ध्यान आकर्षित करने का भी प्रयास करना चाहते हैं. इसलिए हमारे लिए प्रत्येक जीत काफी महत्वपूर्ण है.

विश्व कप: अफगानिस्तान के सामने सतर्क रहना चाहेगा श्रीलंका

दोनों टीमों के लिए करो या मरो

भाषा । पुणे

लगातार दो जीत से उत्साहित श्रीलंका को वनडे विश्व कप में अपनी उम्मीदें जीवंत रखने के लिए अफगानिस्तान के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले मैच में आत्ममुग्धता से बचना होगा. श्रीलंका और अफगानिस्तान ने अभी तक पांच मैच में दो-दो जीत दर्ज किए हैं और वह सेमीफाइनल में जगह बनाने की दौड़ में शामिल हैं. इसके लिए हालांकि उन्हें अपने बाकी बचे सभी मैच जीतने होंगे और अन्य मैच के परिणाम अपने अनुकूल रहने के लिए भी दुआ करनी होगी. इस मैच में हालांकि एक टीम को ही जीत मिलेगी और ऐसे में दूसरी टीम की संभावना लगभग खत्म हो जाएगी. श्रीलंका ने पहले तीन मैच में पराजय झेलने के बाद अगले दो मैच में जीत दर्ज करके अपनी उम्मीद जगाई है लेकिन वह अगर अफगानिस्तान को कम करके आंकते हैं तो यह उनकी बहुत बड़ी भूल होगी. अफगानिस्तान ने इंग्लैंड और पाकिस्तान को हराकर अपनी क्षमता का अच्छा परिचय दिया है और वह अब श्रीलंका के खिलाफ अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखने की कोशिश करेगा. श्रीलंका को इंग्लैंड के खिलाफ पिछले मैच में लाहिरू कुमारा की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन और मजबूत क्षेत्ररक्षण के कारण जीत मिली. अनुभवी ऑल राउंडर एंजेलो मैथ्यूज के जुड़ने से टीम को मजबूती मिली है. दिलशान मदुशंका और कुसान राजिथा ने प्रतियोगिता में अब तक 11 और 7 विकेट लिए हैं और श्रीलंका को अगर अपनी जीत का

सिलसिला जारी रखना है तो स्पिनर महेश तीक्षणा को अच्छा प्रदर्शन करना होगा. बल्लेबाजी में पथुम निसांका और सदीरा समरविक्रमा इस साल अपने दो सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाजों के रूप में उभरे हैं. टीम को इन दोनों के अलावा कप्तान कुसल मेंडिस से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी.

अफगानिस्तान की बल्लेबाजी मजबूत : श्रीलंका के सामने अफगानिस्तान की बल्लेबाजी मजबूत नजर आ रही है. अफगानिस्तान के रहमनुल्लाह गुरबाज ने अपनी टीम के लिए सर्वाधिक 224 रन बनाए हैं लेकिन इब्राहिम जादरान, हशमतुल्लाह शाहिदी, रहमत शाह ने भी पिछले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया है,.और वे श्रीलंका के खिलाफ आत्मविश्वास बनाए रखना चाहेंगे. गेंदबाजी में अफगानिस्तान का दारोमदार तेज गेंदबाज नवीन उल हक तथा राशिद खान, मोहम्मद नबी और मुजीब उर रहमान की स्पिन तिकड़ी पर टिका रहेगा.

टीमें

श्रीलंका : कुसल मेंडिस (कप्तान), कुसल परेरा, पथुम निसांका, दुशमंत चमीरा, दिमुथ करुणारत्ने, सदीरा समरविक्रमा, चैरिथ असलांका, धनंजय डी सिल्वा, महेश तीक्षणा, डुनिथ वेलालेज, कासुन राजिथा, एंजेलो मैथ्यूज, दिलशान मदुशंका, दुशान हेमंथा, चमिका करुणारत्ने.

अफगानिस्तान : हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, रियाज हसन, रहमत शाह, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), अजमतुल्ला उमरजई, राशिद खान, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, फजलहक फारूकी, अब्दुल रहमान और नवीन उल हक.

अंपायर व ऑनलाइन स्कोरर प्रशिक्षण शिविर संपन्न

रांची। रांची जिला क्रिकेट संघ (आरडीसीए) द्वारा अंपायर एवं ऑनलाइन स्कोरर का एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर रविवार को आयोजित किया गया. शिविर में 20 पुराने और 30 नए लोगों ने भाग लिया. मास्टर ट्रेनर के रूप में जेएससीए के अजय कुकराती, सौमितो पटनायक, चंचल भट्टाचार्जी, रमेश सिंह, प्रशांत कुमार ने सभी को नए और पुराने नियमों की जानकारी दी. साथ ही मैदान में होने वाली दिक्कतों से कैसे निकलें, उसे बताया. संघ के सचिव शैलेंद्र कुमार ने नए अंपायरों एवं ऑनलाइन स्कोरर से परिचय कर इस क्षेत्र में आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दी. सूरज कुमार पांडेय और जुलकर नयन को जेएससीए के स्कोरर बनने के लिए बधाई दी.

दूसरे दिन तक शीर्ष पर रांची

खेलो झारखंड एथलेटिक्स टूर्नामेंट

संवाददाता । रांची

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद रांची के तत्वावधान में रांची के खेल गांव स्थित बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम में आयोजित खेलो झारखंड अंतर्गत राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के दूसरे दिन पदक तालिका में रांची की टीम पहले स्थान पर चल रही है. 27 से 31 अक्टूबर 2023 तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में लगभग 2300 से अधिक खिलाड़ी समेत 288 कोच मैनेजर भाग ले रहे है. दूसरे दिन तीनों आयु वर्ग के बालक एवं बालिकाओं के बीच प्रतिस्पर्धा हुई, जिसमे प्रतिभागियों ने शानदार परफॉर्मेंस दिया. दूसरे दिन पदक विजेताओं को राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग ने पदक विजेताओं को पदक एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया.

सन्नी रंजन सिंह ने जीता कांस्य

खेल संवाददाता । रांची

37वें राष्ट्रीय खेल में झारखंड के सन्नी रंजन सिंह ने पेंचक सिलाट में कांस्य पदक जीतकर पदक तालिका में झारखंड का खाता खोला. 25 अक्टूबर से 9 नवम्बर तक गोवा में आयोजित 37 वें राष्ट्रीय खेल में रविवार को पेंचेक सिलाट के खिलाड़ी सन्नी रंजन सिंह ने 70- 75 किलो वर्ग में कांस्य पदक जीता. बता दें देश के 28 राज्यों एवं 8 केंद्र शासित राज्यों के 43 खेलों में कुल 10000 से अधिक खिलाड़ियों का दल इस राष्ट्रीय खेल महापर्व में भाग ले रहे है. झारखंड से 25 खेलों में 351 सदस्यीय खिलाड़ियों एवं अधिकारियों के दल ने इस टूर्नामेंट में भाग लिया है. वहीं अन्य खेल की बात करें तो झारखंड की बीच फुटबॉल पुरुष टीम ने अपने दूसरे मैच में दिल्ली को पराजित किया. वहीं एथलेटिक्स में सदानंद कुमार 100 मीटर प्रारंभिक राउंड में छठे स्थान पर रहे. पदक विजेता सन्नी रंजन सिंह को राज्य के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, खेल मंत्री हफीजुल हसन, खेल सचिव मनोज कुमार, खेल निदेशक सुशांत गौरव, झारखंड ओलंपिक संघ के पदाधिकारीयों ने बधाई दी.

राष्ट्रीय खेल

- राष्ट्रीय खेल में झारखंड का खुला खाता
- झारखंड की बीच फुटबॉल पुरुष टीम में दिल्ली को हराया

वीमेंस एशियन चैंपियंन ट्रॉफी रांची के जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में चीन से भिड़ेगा भारत

एशियाड में चीन से मिली हार का बदला लेने उतरेगा भारत

शुभम किशोर । रांची

भारत की मेजबानी में झारखंड वीमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ मैदान में दो दिनों में 6 मुकाबले खेले जा चुके हैं. सभी 6 टीमों भारत, जापान, चीन, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड ने 2-2 मैच खेल लिये हैं. भारत और जापान ने अपने दोनों मुकाबले जीत कर पहले व दूसरे स्थान पर हैं. सोमवार को भारत और चीन के मुकाबला खेला जाएगा, जहां भारतीय टीम एशियन गेम्स में चीन से मिली हार का बदला लेने उतरेगी. सोमवार को अन्य मैच में कोरिया का मुकाबला मलेशिया से, थाइलैंड का मुकाबला जापान से होगा.

आज के मैच

शाम 4 बजे : कोरिया बनाम मलेशिया
शाम 6 :15 बजे : थाइलैंड बनाम जापान
रात 8 :30 बजे : भारत बनाम चीन

भारत ने अपने दोनों मैच जीते

चाइना पहले मुकाबले में कोरिया से मिली हार को भुलाकर दूसरे मुकाबले में थाईलैंड को 6-0 से हराकर जीत का लय बरकरार रखना चाहेगी. वहीं मेजबान भारत ने पहले दोनों मुकाबले में एकतरफा जीत दर्ज की है.

चीन के खिलाफ भारत का पलड़ा भारी

भारत और चीन के बीच आखिरी 5 मुकाबलों के आंकड़ों को देखा जाए, तो भारत हावी रहा है. हांगझोऊ में संपन्न हुए एशियन गेम्स में भारत को चीन ने 4-0 से मात देकर प्रतियोगिता से बाहर किया था. इसके अलावा आखिरी 5 मैच में भारत ने 3 मुकाबलों में जीत दर्ज की है वहीं एक मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ है.

दो मैच में चीन ने हासिल किए है 18 पेनाल्टी कॉर्नर

भारत को चीन के पेनाल्टी से सावधान रहना होगा. प्रतियोगिता के पहले 2 मुकाबलों में चाइना ने 18 पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किए हैं. हालांकि उनमें से 3 को ही गोल में तब्दील कर पाई है. वहीं भारत ने 13 पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किए हैं, उनमें से 3 गोल किए हैं.

झारखंड की खिलाड़ियों पर रहेगी नजर

भारत को होम क्राउड का पूरा समर्थन मिल रहा है. झारखंड की तीनों खिलाड़ी सलीमा टेटे, निक्की प्रधान और संगीता कुमारी बेहतरीन प्रदर्शन कर रही हैं. 4 गोल के साथ संगीता प्रतियोगिता की टॉप गोल स्कोरर हैं. दर्शक झारखंड की खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने का कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं.

2-8 नवंबर तक होगा प्रतियोगिता का आयोजन

नेशनल चेस चैंपियनशिप के लिए मैस्कॉट का अनावरण

संवाददाता । रांची

36वीं राष्ट्रीय अंडर-9 बालक एवं बलिकाओं की शतरंज चैंपियनशिप के लिए मास्कॉर्ट लॉन्च किया गया. रांची के प्रेस क्लब में आयोजित प्रेसवार्ता में ऑल झारखंड चेस एसोसिएशन के उमाशंकर चौधरी बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन 2 नवंबर से 8 नवंबर तक द वेब इंटरनेशनल जमशेदपुर में होगा. प्रतियोगिता की कुल प्राइज मनी पांच लाख है, जिसमें पहले नंबर पर रहने वाले को 50 हजार और दूसरे नंबर पर रहने वाले को 36 हजार रुपये की राशि दी जाएगी. इस प्रतियोगिता में कुल 380 प्रतिभागियों ने भाग लिया है. जिसमें झारखंड के 48 प्रतिभागी हैं. विजेता खिलाड़ी को एशियन और इंटरनेशनल कैडेट के लिए चुना जायेगा.

मास्कॉर्ट के लिए किया गया दिरी का चयण

ऑर्गनाइजिंग कमेटी के मेंबर एनके सिंह ने मास्कॉर्ट की जानकारी देते हुए कहा इसके लिए दिरी यानी बाघ का चयन किया गया है. उन्होंने बताया कि शतरंज के खिलाड़ी बाघ की तरह चतुर होते हैं और इंतजार करके अपने प्रतिद्वंदी का शिकार करते हैं. संताली भाषा से व्युत्पन्न, "दिरी" शतरंज के सार को अपनाते हुए रणनीति और बुद्धि की भावना का प्रतीक है. उन्होंने बताया कि शतरंज में रणनीति महत्वपूर्ण है और दिरी सामरिक चाल और सटीकता का प्रतीक है, जिसमें युवा शतरंज प्रतिभाओं का लक्ष्य महारत हासिल करना है.

राहुल गांधी का किसान अवतार...

रायपुर के पास कठिया गांव का दौरा किया और धान की फसल की कटाई में किसानों तथा मजदूरों की मदद की

कांग्रेस सरकार के पांच सबसे बेहतरीन काम पूरे भारत में दोहराएंगे : राहुल गांधी

रायपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने छत्तीसगढ़ में किसानों के लिए लागू की गई पांच योजनाओं को लेकर रविवार को कहा कि इस मॉडल को पूरे भारत में दोहराया जाएगा. राहुल शनिवार से चुनावी राज्य छत्तीसगढ़ के दो दिवसीय दौरे पर हैं. वह रविवार को राजनांदगांव और कवर्धा निर्वाचन क्षेत्रों में दो चुनावी रैलियों को संबोधित करेंगे. कांग्रेस के पदाधिकारियों ने बताया कि राहुल ने रविवार सुबह रायपुर के करीब कठिया गांव का दौरा किया और धान की फसल की कटाई में किसानों तथा मजदूरों की मदद की. इस दौरान उन्होंने किसानों से बातचीत भी की. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव और अन्य नेता भी राहुल के साथ मौजूद थे. पार्टी ने धान के खेत में काम कर रहे किसानों के साथ राहुल की तस्वीरें भी जारी की हैं. राहुल ने यही तस्वीरें अपने 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट कीं और लिखा, 'किसान खुशहाल तो भारत खुशहाल! छत्तीसगढ़ के किसानों के लिए कांग्रेस सरकार के पांच सबसे बेहतरीन काम, जिन्होंने उन्हें भारत में सबसे खुशहाल बनाया, 1-धान पर एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) 2,640 रुपये प्रति क्विंटल, 2-26 लाख किसानों को 23,000 करोड़ रुपये की इनपुट सब्सिडी, 3-19 लाख किसानों का 10,000 करोड़ रुपये का कर्ज माफ, 4-बिजली का बिल आधा, 5-पांच लाख कृषि मजदूरों को 7,000 रुपये प्रति वर्ष. एक ऐसा मॉडल, जिसे हम पूरे भारत में दोहराएंगे.' ये सभी योजनाएं 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद भूपेश बघेल सरकार ने शुरू की थीं.

मन की बात की 106वीं कड़ी में पीएम मोदी ने कहा- देश आदिवासी समाज का कृतज्ञ है

मेरा युवा भारत संगठन की घोषणा 31 को

संवाददाता। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री मोदी ने 31 अक्टूबर को लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर मेरा युवा भारत नामक एक संगठन की नींव रखे जाने की घोषणा की, जो राष्ट्र निर्माण से जुड़े विभिन्न आयोजनों में देश के युवाओं को सक्रिय भागीदारी करने का अवसर देगा.

प्रधानमंत्री आकाशवाणी पर रविवार को मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 106वीं कड़ी में देशवासियों से रूबरू थे. देशवासियों से अपने विचार साझा करते हुए मोदी ने आदिवासी समाज को भी नमन किया. पीएम मोदी ने कहा कि वह मन की बात के जरिये देशवासियों, विशेषकर उन युवाओं के लिए एक खुशखबरी साझा कर रहे हैं, जिनके दिलों में भारत के लिए कुछ करने का जज़्बा, सपने और संकल्प हैं. उन्होंने कहा, यह खुशखबरी देशवासियों के लिए तो है ही है, मेरे नौजवान साथियों आपके लिए विशेष है. दो दिन बाद ही 31 अक्टूबर को एक बहुत बड़े राष्ट्रव्यापी संगठन की नींव रखी जा रही है और वो भी सरदार साहब की जयंती के दिन. इस संगठन का नाम है मेरा युवा भारत. प्रधानमंत्री ने कहा, यह संगठन भारत के युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जुड़े विभिन्न आयोजनों में सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर देगा.

इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि को लेकर श्रद्धांजलि अर्पित की

उन्होंने बताया कि इस दिन न सिर्फ अमृत कलश यात्रा का, बल्कि पिछले ढाई साल से चल रहे आजादी के अमृत महोत्सव का भी समापन होगा. प्रधानमंत्री ने कहा कि अमृत कलश यात्रा के लिए देशभर से जमा की गयी मिट्टी अब दिल्ली पहुंचने लगी है और इस मिट्टी को एक विशाल भारत कलश में रखा जायेगा तथा दिल्ली में अमृत वाटिका बनाई जायेगी. मोदी ने लोगों से इस अवसर पर रन फॉर यूनिटी यानी एकता दौड़ का आयोजन करने और इसमें बडी संख्या में शामिल होने की अपील की है. प्रधानमंत्री ने 31 अक्टूबर को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि के मद्देनजर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की.

खादी उत्पादों की बिक्री सवा लाख करोड़ तक पहुंच गयी

इस क्रम में पिछले कुछ वर्षों में खादी से जुड़े उत्पादों की बिक्री में हुए इजाफे का जिक्र किया. उन्होंने देशवासियों से एक बार फिर स्थानीय उत्पादों को अधिक से अधिक खरीदने की अपील की और आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को पूरा करने का आह्वान किया. प्रधानमंत्री ने इस माह की शुरुआत में गांधी जयंती पर दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित खादी भंडार में एक ही दिन में डेढ़ करोड़ रुपये से ज्यादा की बिक्री का उल्लेख करते हुए कहा, 10 साल पहले देश में जहां खादी उत्पादों की बिक्री बड़ी मुश्किल से 30 हजार करोड़ रुपये से भी कम की थी, आज यह बढ़कर सवा लाख करोड़ रुपये के आसपास पहुंच गयी है.

उत्पाद खरीदते समय डिजिटल लेन-देन करने का अनुरोध

आज भारत दुनिया में विनिर्माण का बड़ा केंद्र बन रहा है. कई बड़े ब्रांड यहीं पर अपने उत्पाद तैयार कर रहे हैं. अगर हम उन उत्पादों को अपनाते हैं, तो मेक इन इंडिया को बढ़ावा मिलता है और यह भी 'लोकल के लिए वोकल ही होना होता है. प्रधानमंत्री ने ऐसे उत्पादों को खरीदते समय डिजिटल लेन-देन का सहारा लेने का अनुरोध किया. कहा कि जब आप भारत में बने, भारतीयों द्वारा बनाये गये उत्पादों से अपनी दिवाली रोशन करेंगे और अपने परिवार की हर छोटी-मोटी आवश्यकता लोकल से पूरी करेंगे, तो त्योहार की जगमगाहट ज्यादा बढ़ेगी. साथ ही स्थानीय लोगों का जीवन शानदार बनेगा. इससे भारत भी आत्मनिर्भर बनेगा.

पर्यटन या तीर्थटन पर जायें, तो स्थानीय उत्पाद जरूर खरीदें

उन्होंने कहा कि खादी की बिक्री बढ़ने का मतलब है कि इसका फायदा शहर से लेकर गांव तक में अलग-अलग लोगों तक पहुंचता है. मोदी ने कहा कि इस बिक्री का लाभ बुनकरों, हस्तशिल्प कारीगरों, किसानों, आयुर्वेदिक पौधे लगाने वालों और कुटीर उद्योगों को मिलता है. प्रधानमंत्री ने इसे वोकल फोर लोकल अभियान की 'ताकत' बताते हुए देशवासियों से आग्रह किया कि वे जब भी पर्यटन या तीर्थटन पर जायें, तो वहां के स्थानीय उत्पादों को जरूर खरीदें. उन्होंने लोगों से अपनी यात्रा के कुल बजट के कुछ हिस्से को स्थानीय उत्पादों की खरीदारी के लिए रखने का आग्रह किया.

माई भारत डॉट जीओवी डॉट इन नाम से बनी वेबसाइट

मोदी ने इसके लिए माई भारत डॉट जीओवी डॉट इन नाम से एक वेबसाइट शुरु किये जाने की घोषणा करते हुए युवाओं से इस पर पंजीकरण कराने और विभिन्न कार्यक्रमों के लिए साइन अप करने की अपील की. सरदार पटेल की जयंती का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि इस अवसर पर 31 अक्टूबर को गुजरात में स्टैचू ऑफ यूनिटी पर एकता दिवस से जुड़ा मुख्य समारोह होता है, लेकिन इस बार इसके अलावा दिल्ली में कर्तव्य पथ पर बहुत ही विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा.

मोदी ने तमिल लेखक शिव शंकरी का जिक्र किया

उन्होंने साहित्य को एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को प्रगाढ़ करने का सबसे बेहतरीन माध्यम करार दिया और इस कड़ी में तमिलनाडु की धरोहर से जुडे दो प्रेरक प्रयासों की चर्चा की. मोदी ने तमिल लेखक शिव शंकरी का जिक्र किया, जिन्होंने साहित्य से देश को धागे में पिरोने और जोड़ने की एक परियोजना को आकार दिया है. प्रधानमंत्री ने कहा, 'वह (शंकरी) 16 वर्षों से इस परियोजना पर काम कर रही हैं और उन्होंने 18 भारतीय भाषाओं में लिखे साहित्य का अनुवाद किया है.

शिव शंकरी व पेरूमल के प्रयास सबके लिए मिसाल हैं

उन्होंने कन्याकुमारी से कश्मीर तक और इंफाल से जैसलमेर तक देशभर में यात्राएं कीं, ताकि अलग-अलग राज्यों के लेखकों और कवियों का साक्षात्कार ले सकें. शंकरी ने अपनी यात्रा की कमेंट्री तमिल और अंग्रेजी, दोनों भाषाओं में प्रकाशित की है. मुझे उनकी इस संकल्प शक्ति पर गर्व है. कन्याकुमारी के थिरु ए के पेरूमल का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि वह तमिलनाडु के अलग-अलग हिस्सों में यात्राएं करते हैं और स्थानीय कला स्वरूपों को खोजकर उसे अपनी किताब का हिस्सा बनाते हैं. उन्होंने कहा, शिव शंकरी और पेरूमल के प्रयास हर किसी के लिए एक मिसाल हैं.

आओ जानें

एक व्यक्ति जीवन के कितने दिन किस काम पर खर्च करता है

सोने पर	26 साल	मनोरंजक गतिविधियां	1.5 साल
काम पर	15 साल		
टीवी देखना	8.8 साल	व्यायाम	1.25 साल
शॉपिंग में	8.5 साल	होटल एवं बार	1.00 साल
खाने-पीने	3.6 साल	ऑनलाइन पोर्न	300 दिन
इटंरनेट सर्फिंग	3.2 साल	बाथरूम	240 दिन
सोशल मीडिया	3.00 साल	हंसना	240 दिन
मुलाकात	2 साल	सेक्स	117 दिन
आत्मसंतुष्टि	1.5 साल	ट्रैफिक जाम	160 दिन
यात्रा	1.5 साल	चिल्लाना	30 दिन

गुजरात का दो दिवसीय दौरा करेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

▪ कई परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे

भाषा। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस महीने के आखिरी दो दिन अपने गृह राज्य गुजरात में रहेंगे और इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे व रेल, सड़क, पेयजल और सिंचाई जैसे विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 5,800 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे. प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने रविवार को एक बयान में यह जानकारी दी.

पीएमओ के मुताबिक प्रधानमंत्री 30 अक्टूबर को सुबह करीब 10:30 बजे अंबाजी मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे, दोपहर करीब 12 बजे मेहसाणा में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे और अगले दिन सुबह करीब आठ बजे केवडिया में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे, जिसके बाद राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह मनाया जाएगा.

▼ ब्रीफ खबरें

चुनावी बांड योजना पर सुनवाई 31 अक्टूबर को

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ 31 अक्टूबर को चुनावी बांड योजना के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई करेगी. कोर्ट ने पांच जजों वाली संविधान पीठ के गठन को अधिसूचित किया है. सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर प्रकाशित वाद सूची के अनुसार, सीजेआई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ 31 अक्टूबर को इस मामले की सुनेगी. पीठ में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, बीआर गवई, जेबी. पारदीवाला और मनोज मिश्रा शामिल हैं. सुप्रीम कोर्ट ने 16 अक्टूबर को संविधान के अनुच्छेद 145(4) के संबंध में उठाये गये मुद्दे के महत्व को स्वीकार करते हुए सभी याचिकाओं को पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ को भेजने का निर्णय लिया था.

आरएसएस के वयोवृद्ध विचारक आर हरि का निधन

कोच्चि। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वयोवृद्ध नेता और संगठन के पूर्व बौद्धिक प्रमुख आर. हरि का यहां के एक निजी अस्पताल में उम्र सबंधी बीमारियों की वजह से निधन हो गया. संघ के सूत्रों ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि 93 वर्षीय संघ प्रचारक एक विचारक, सफल लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता भी थे. रंगा हरि को संघ कार्यकर्ता हरि 'एट्टन' (बड़े भाई) या हरि जी के नाम से भी जानते थे. उन्होंने अपना पूरा जीवन संघ परिवार और उसके विचारों के प्रचार को समर्पित कर दिया. वह राज्य के पहले प्रचारक थे जो संघ में शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचे थे. हरि केरल के एर्णाकुलम जिले के निवासी थे और अपने कॉलेज के दिनों से ही संघ की गतिविधियों और कार्यक्रमों में शामिल होते थे.

गाजा के बड़े अस्पताल के पास इजराइल ने किये हवाई हमले

एजेंसी। दीर अल बलाह (गाजा पट्टी)

खास बातें

- हमले के बाद अस्पताल पहुंचना बहुत मुश्किल हो गया है
- इजरायल इस क्षेत्र का संपर्क काट देना चाहता है

इजराइल के युद्धक विमानों ने रविवार तड़के गाजा के सबसे बड़े अस्पताल के पास हमले किए. इस अस्पताल में बड़ी संख्या में मरीज उपचाराधीन हैं और हजारों लोगों ने शरण ली हुई है. स्थानीय निवासियों ने यह जानकारी दी. इजराइल ने बिना अधिक साक्ष्य साझा किए दावा किया कि हमास के उग्रवादी अस्पताल का अड्डे के तौर पर इस्तेमाल कर रहे थे.

इससे एक दिन पहले इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था कि हमास के खिलाफ इजराइल युद्ध के 'दूसरे चरण' में प्रवेश कर रहा है. हमास ने सात अक्टूबर को इजराइल पर जबरदस्त हमले किए थे, जिसके बाद से इजराइल ने जवाबी हमले तेज किए हैं. इजराइल ने गाजा पट्टी में इंटरनेट और संचार के अन्य माध्यम बंद कर दिए हैं, जिससे वहां रहने वाले 23 लाख लोगों का आपस में तथा बाहरी दुनिया से संपर्क कट गया है.

इजराइल ने शुक्रवार रात से गाजा पर हवाई और जमीनी हमले भी तेज कर दिए हैं. स्थानीय टेलीकॉम कंपनी के मुताबिक, रविवार तड़के काफी हद तक संचार माध्यमों की बहाली की गई है. गाजा के निवासियों ने कहा कि इजराइली हवाई हमलों के कारण शिफा अस्पताल की ओर जाने वाले अधिकतर रास्ते क्षतिग्रस्त हो गए.

प्याज की बढ़ती कीमतों पर सरकार पर निशाना साधा

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्याज की बढ़ती कीमतों को लेकर रविवार को नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना की और कहा कि पांच राज्यों के लोग आगामी चुनावों में भाजपा को हराकर फिर से प्याज के दाम बढ़ने का राज बताएंगे. खड़गे ने यह टिप्पणी ऐसे समय की है, जब राष्ट्रीय राजधानी के थोक बाजार में प्याज की कीमतें बढ़कर 65-80 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई हैं. खड़गे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा सरकार के पिछले साढ़े नौ साल में महंगाई के बोझ तले दबी जनता की रोती-बिलखती आवाज सुनाई देती है. उन्होंने कहा, '...हर बार महंगाई के मुद्दे पर, मोदी सरकार ने जनता का मखौल उड़ाया और कुछ इस तरह छेड़ा साज - 'महंगाई दिखती ही नहीं', 'मैं प्याज खाती नहीं', 'बाकी देशों से तो बेहतर है.' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'भला क्यों हुआ फिर से प्याज महंगा? अब भाजपा को पराजित कर पांच राज्यों के लोग बताएंगे इसका राज.'

कमलनाथ के साथ 'मतभेद' नहीं : दिग्विजय

भाषा। भोपाल

मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने पार्टी की प्रदेश इकाई के प्रमुख कमलनाथ के साथ किसी भी प्रकार के मतभेद से इनकार किया और दावा किया कि इस प्रकार की बात सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा किया जा रहा दुष्प्रचार है. सिंह ने एक बयान में कहा कि कई समाचारपत्रों में दावा किया गया है कि उन्होंने झाबुआ और खातेगांव की अपनी यात्रा अप्रसन्न होने की वजह रद्द कर दी. उन्होंने कहा, भाजपा में इन दिनों गुटबाजी चरम पर है और इस पर पर्दा डालने के लिए वे कांग्रेस के नेताओं के बीच मतभेदों की गलत खबरें प्रचारित कर रहे हैं, खासतौर पर कमलनाथ और मेरे बीच. कांग्रेस का हर नेता एकजुट होकर भाजपा को हराने के लिए प्रतिबद्ध है.

राज्यसभा सदस्य ने कहा कि उन्होंने अपना झाबुआ और खातेगांव का दौरा इसलिए रद्द कर दिया, क्योंकि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव संगठनात्मक और चुनावी महत्व के कुछ मुद्दों पर चर्चा करना चाहते थे. उन्होंने कहा कि कांगेस में कोई गुटबाजी नहीं है. भाजपा की प्रदेश इकाई के सचिव रजनीश अग्रवाल ने कहा कि कमलनाथ और सिंह के बीच मतभेद जगजाहिर हैं तथा उनके बीच की बातचीत के वीडियो रिकॉर्ड हैं और उससे यह साबित भी होता है. अग्रवाल ने कहा, हालिया घटनाओं से यह स्पष्ट है कि कमलनाथ और उनके समर्थक सिंह को प्रचार से दूर रखना चाहते हैं.

उन्होंने कहा कि टिकट बंटवारे के बाद प्रदर्शन होने पर कमलनाथ ने खुलेआम सिंह के कपड़े 'फाड़ने' को कहा था. सिंह ने इसके बाद टिकट वितरण के लिए कमलनाथ को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि चुनावी फॉर्म पर कमलनाथ के हस्ताक्षर होते हैं, जो पार्टी के प्रदेश प्रमुख हैं. भाजपा नेता ने कहा, 'उनके बीच मतभेद दिखाने के लिए और किस चीज की जरूरत है.

कांग्रेस ने उम्मीदवारों की सूची जारी की

बेंगलुरु। कांग्रेस ने अगले वर्ष होने वाले कर्नाटक विधान परिषद चुनाव के लिए रविवार को उम्मीदवारों की सूची जारी की. कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव के सी वेणुगोपाल ने एक बयान में कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्य विधान परिषद में पांच निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवारों के नामों को मंजूरी दे दी है.

भाजपा ने दो उम्मीदवारों के नाम घोषित किए

भोपाल। भाजपा ने रविवार को मध्य प्रदेश की गुना और विदिशा विधानसभा सीट के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा की. इसके साथ ही सत्तारूढ़ भाजपा ने राज्य की सभी 230 विधानसभा सीट के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है. राज्य में 17 नवंबर को चुनाव है.

शर्मिला टैगोर को मिला सम्मान

अभिनेत्री शर्मिला टैगोर को रविवार को जामिया मिलिया इस्लामिया के सर्वोच्च सम्मान 'इम्तियाज-ए-जामिया' से नवाजा गया.

साक्षात्कार कांग्रेस ने तेलंगाना के जुबली हिल्स विधानसभा सीट से अपना उम्मीदवार बनाया

चुनावी पिच पर आक्रामक बल्लेबाजी करूंगा : अजहरुद्दीन

भाषा। नयी दिल्ली

क्रिकेट के मैदान पर कभी अपनी धुआंधार बल्लेबाजी और तेजी से गेंद लपकने के लिए पहचाने जाने वाले मोहम्मद अजहरुद्दीन ने तेलंगाना में चुनावी मैदान में उतरते हुए कहा कि वह इस नयी पिच पर आक्रामक बल्लेबाजी और उचित क्षेत्ररक्षण करेंगे. कांग्रेस ने उन्हें जुबली हिल्स विधानसभा सीट से अपना उम्मीदवार बनाया है.

हैदराबाद के धाकड़ बल्लेबाज अजहर ने क्रिकेट के क्षेत्र में अपनी एक अलग छाप छोड़ी थी. एक के बाद एक लगातार तीन शतकों से क्रिकेट करियर का आगाज करने वाले अजहर ने 2009 में उत्तर प्रदेश की मुरादाबाद लोकसभा सीट से जीत दर्ज कर अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत की थी. वह 2014 में राजस्थान की टोंक-सवाई माधोपुर सीट से हार गए थे और अब वह पहली बार तेलंगाना के चुनावी मैदान में उतरते हुए सिकंदराबाद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के तहत आने वाली जुबली हिल्स विधानसभा सीट भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) से छीनने की कोशिश करेंगे.

खास बातें

- अजहर ने 2009 में मुरादाबाद लोकसभा सीट से जीत दर्ज की थी
- पहली बार तेलंगाना से चुनावी मैदान में उतरेंगे

खड़गे जी, सोनिया जी, राहुल जी, प्रियंका जी का धन्यवाद

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा कि वह उत्तर प्रदेश से सांसद बनने और फिर टोंक-सवाई माधोपुर से 2014 का लोकसभा चुनाव असफलतापूर्वक लड़ने के बाद अपने गृह राज्य से चुनाव लड़ना और तेलंगाना के लोगों के लिए कुछ करना चाहते हैं. अजहर ने कहा, 'मुझे अपने राज्य से इस बार टिकट पाकर बहुत खुशी हुई. मैं आलाकमान - मल्लिकार्जुग खड़गे जी, सोनिया गांधी जी, राहुल जी, प्रियंका जी और सबसे महत्वपूर्ण हमारे पीसीसी प्रमुख ए रेवंत रेड्डी को मुझे यह अवसर देने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं. इंशा अल्लाह हम अपना सर्वश्रेठ प्रयास करेंगे और चुनाव जीतेंगे.' तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस के पक्ष में 'बदलाव की बयार' बह रही है और 'हम निश्चित रूप से जीतेंगे.' उन्होंने कहा, 'यह सही समय है, हमारे पास सही लोग हैं, हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं और जनता भी चाहती है कि कांग्रेस सत्ता में आए. केवल कुछ शहरी इलाकों में विकास हुआ है और कहीं नहीं, इसलिए हम वहां ध्यान केंद्रित करेंगे और हमने जो छह गारंटी दी हैं, हम निश्चित रूप से उन्हें लागू करेंगे.'

सिख समुदाय ने राम जन्मभूमि आंदोलन शुरू किया: राजनाथ

भाषा। लखनऊ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सनातन धर्म के लिए सिख समुदायों के कार्यों का उल्लेख करते हुए रविवार को कहा कि वो सिख ही थे, जिन्होंने राम जन्मभूमि आंदोलन शुरू किया और कोई भी भारतीय उनके योगदान को कभी भुला नहीं सकता. गुरु ग्रंथ साहिब के प्रकाश उत्सव पर लखनऊ के आलमबाग गुरुद्वारा में सिख समुदाय के सदस्यों को संबोधित करते हुए राजनाथ ने कहा, सिख समुदाय ने सनातन धर्म की रक्षा के लिए बहुत कुछ किया है। कोई भी भारतीय राम जन्मभूमि के लिए सिख समुदाय के योगदान को भुला नहीं सकता. उन्होंने कहा, मैं सरकारी रिकॉर्ड के आधार पर एक महत्वपूर्ण तथ्य साझा करना चाहता हूं. एक दिसंबर, 1858 को दर्ज एक प्राथमिकी के मुताबिक, सिखों के एक समूह ने गुरु गोविंद सिंह के नाम का नारा लगाते हुए उस परिसर पर कब्जा कर लिया था और दीवारों पर हर जगह राम-राम लिख दिया था.

सत्ता का सेमीफाइनल

काम किया दिल से, (क्या) कांग्रेस फिर से...?

सुधीर सक्सेना
वरिष्ठ पत्रकार

मरुधरा राजस्थान में एक होर्डिंग आपको राजधानी जयपुर से लेकर तमाम नगरों में प्रमुखता से दिखाई देगा और मुमकिन है कि वह होर्डिंग दूर और देर तलक आपका पीछा करता रहे. इस होर्डिंग की इबारत बहुत संक्षिप्त है, लेकिन इस छोटी-सी इबारत का संदेश बड़ा है और उससे भी बड़ा है उसमें निहित प्रश्न. इबारत है 'काम किया दिल से, कांग्रेस फिर से' गिने-चुने शब्द... सादा इबारत. मगर इस वाक्य में अगर्चे क्या चस्पां कर दें तो वाक्य बड़ा मानीखेज हो जाता है और वह एक बड़े सवाल की शक्ल में उभर आता है.

राजस्थान में कांग्रेस सत्ता में है. करीब पाँच साल पहले वह राजपूताने में तब सत्ता में आई थी, जब दिल्ली से कांग्रेस-मुक्त भारत की हुंकारी भरी जा रही थी. हर कोई जानता है कि गुजरात से दिल्ली का रास्ता राजस्थान से होकर जाता है. दिल्ली का तख्त हासिल करने के लिए, राजस्थान फतह करना जरूरी है. गत चुनाव में भाजपा ने लोकसभा की सभी 25 सीटें जीती थीं. भाजपा चाहेगी कि सन 24 में उसकी पुनरावृत्ति हो, लेकिन विधानसभा चुनाव के नतीजे भगवा महत्त्वाकांक्षा की राह में कांटे बिछा सकते हैं. होडिंग का मजमून इसी सन्दर्भ से जुड़ा हुआ है.

क्या कांग्रेस फिर से का उत्तर तलाशने के लिए सन्दर्भों को खंगालना जरूरी है. अशोक गहलोत बड़े वरिष्ठ और परिपक्व राजनेता हैं. बतौर मुख्यमंत्री उनका रास्ता पुरखार रहा है और इसके पुरखार होने का सबसे बड़ा सबब रहे हैं सचिन पायलट. सचिन को राजनीति बिरसे में मिली है. ठीक ज्योतिरादित्य की मानिंद, लेकिन दोनों ही युवा नेता सियासत के खेल में कच्चे साबित हुए हैं.

प्रदेश की 23 सीटों पर पलड़े को ऊपर-नीचे करने की ताब गुज्जरों में है, किंतु ऐसी परिस्थितियां नहीं हैं कि इन्हें किसी ओर हांका जा सके. गुज्जर बीते वर्षों में भाजपा और सचिन दोनों से छिटके हैं. गुज्जरों की बड़ी बिरादरी आज मुंडेर पर है. सिर्फ गुज्जर ही नहीं, बड़ी संख्या में लोग मुंडेर पर हैं. इसमें शक नहीं कि ऐसे लोगों को लुभाने और अपने पाले में करने में अशोक गहलोत ने कोई कोर-कसर नहीं उठा रखी है और अपने राजनीतिक और सामरिक कौशल से वह इसमें सफल भी रहे हैं. यह अकारण नहीं है कि राजस्थान में एंटीइनकम्बेसी का घनत्व बहुत कम है. गहलोत की सामाजिक सुरक्षा योजनाएं कामयाब रही हैं. औरतों को मोबाइल फोनों और वाई-फाई ने उनके चेहरों पर चमक पैदा की है. पेंशन योजना कारगर रही है. और सर्वाधिक ''दुआ'' बटोरी है, मुख्यमंत्री की स्वास्थ्य-स्कीम ने.

पकी उम्र में गहलोत फ्रंट फुट पर खेल रहे हैं. कलाई के मोड़ से गेंद को सीमा रेखा के पार भेजने का हुनर, उन्होंने विकसित कर लिया है. भाजपा के पास आज गहलोत का तोड़ नहीं है. नतीजा यह कि वह गहलोत को घेरने में विफल है.

आसन्न चुनाव में गहलोत के नेतृत्व में कांग्रेस की सफलता की संभावना का एक बड़ा भेद भी भाजपा नेतृत्व की शैली में निहित है. पूर्व मुख्यंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया की अवहेलना यकीनन भाजपा को भारी पड़ेगी. मोदी-शाह का वसुंधरा को हलके में लेना भाजपा को कई कारणों से भारी पड़ेगा. भाजपा के पास सूबे में कोई और पैन राजस्थान लीडर नहीं है. कहा जाता है कि राजस्थान में सत्ता का रास्ता मेवाड़ से होकर जाता है, जहां कभी मोहनलाल सुखाड़िया जैसे नेता का बोलबाला था. वरिष्ठ पत्रकार अनुराग त्रिवेदी कहते है, 'कोई ताज्जुब नहीं कि इस दफा मेवाड़ से भाजपा का सूपड़ा साफ हो जाये. सोचने की बात है कि मेवाड़ गया तो भाजपा पांव कहां टिकाएगी?

राजस्थान में फिलवक्त अजब तमाशा दरपेश है. मिर्धा- परिवार अब पहले-सा सशक्त नहीं रहा, जगदीप धनकड़, गुलाब कटारिया दूर बैठे चाबी भर रहे हैं. सतीश पूनियार, राजेंद्र राठौड़, गजेंद्र शेखावत सब अपना-अपना खेल खेल रहे हैं. मेघवाल बनाम मेघवाल का दौर जारी है, यात्राओं में भीड़ कम है, तामझाम ज्यादा. लाल डायरी 'हौवा' नहीं बन सकी है. उसकी चीजें मोदी-शाह के अनुरूप आकार नहीं ले रही है. प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार ओम सैनी दो टूक कहते हैं कि भाजपा का ढर्रा फ्लॉप हो गया है और अचरज नहीं होना चाहिए अगर 156 सीटें जीतने का गहलोत का अरसा पहले का कथन सच साबित हो जाये.

राजस्थान में क्यों आक्रामक नहीं हो पा रही भाजपा?

देवेंद्र शास्त्री
वरिष्ठ पत्रकार

राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी का चुनाव प्रचार कुछ उलझ सा गया है. पैसा है. काम करने के लिए कार्यकर्ताओं का काडर है. पर दिशा कहीं दिखाई नहीं दे रही है. फोकस गड़बड़ाया हुआ लग रहा है. जिस क्लैरिटी, तीव्रता और आक्रामकता के लिए भाजपा जानी जाती है, वह पार्टी के प्रचार अभियान से नदारद है.

चुनाव मोदी जी के नाम पर लड़ा जा रहा है. इससे प्रचार अभियान का फोकस केंद्र की प्लानिंग पर चला गया है. इसके तहत मोदीजी, शाह और नड्डा जी जैसे नेता प्रदेश में बड़ी-बड़ी सभाएं करते हैं. बाकायदा सभाएं आयोजित करने के लिए वेंडर्स और कार्यकर्ताओं की टीमों का गठन किया गया है. दूसरा एक्शन केंद्रीय जांच एजेंसियों का होता है. जिसमें कुछ नेताओं के पास पूर्व में ही जानकारी होती है कि कौन सी एजेंसी का किस नेता या किस कारोबारी पर छापा पड़ेगा. उसके लिए क्या बोलना है यह भी तैयारी पहले ही कर ली जाती है.

अशोक गहलोंत के बेटे वैभव गहलोत, गोविंद सिंह डोटासरा और हुड़ला का खिलाफ कार्रवाई हुई उससे एक हफ्ते पहले ही भाजपा नेताओं की तरफ से ईडी, सीबीआई की कार्रवाई की चर्चाएं शुरु हो गई थीं. एजेंसियों की कार्रवाई से पहले जानकारी कौन किस को देता है, यह बताना तो मुश्किल है. लेकिन भाजपा के नेताओं से लगातार बात करें तो कहीं न कहीं से हिंट मिल जाएगा. आप नेता संजय सिंह के जेल जाने और अरविंद को जेल में डालने की जानकारी मुझे यहां के कुछ आरएसएस से जुडे सूत्रों ने पहले ही दी थी. अरविंद केजरीवाल के जेल जाने को लेकर तो दो बार तारीखों का हवाला भी दिया गया. यह बात दीगर है कि इन तारीखों पर कोई कार्रवाई सामने आई नहीं लेकिन इतना अनुमान तो आप लगा ही सकते हैं कि केंद्र सरकार एजेंसियों का दुरूपयोग अपनी पार्टी के हित साधने के लिए पूरी प्लानिंग के साथ कर रही है. इसके पीछे ऐसे संगठन का दिमाग काम कर रहा है जो लंबे समय के और अल्प समय के षडयंत्र रचने और उनको अमल में लाने की दक्षता रखता है.

अब केंद्रीय नेताओं के चेहरे राजस्थान में वोट दिलवा सकते हैं या नहीं? इस सवाल का जवाब आप कांग्रेस में मोहनलाल सुखाड़िया व अशोक गहलोत और भाजपा में भैरोंसिंह शेखावत व वसुंधरा राजे की राजनीति से समझ सकते हैं. इन सभी नेताओं ने केंद्रीय आला कमान को चुनौती दी और केंद्रीय नेतृत्व से मतभेद के बावजूद राजस्थान की जनता का विश्वास हासिल किया. इसलिए भाजपा का मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ना राजस्थान में फायदे का सौदा होगा, यह कहना और समझना गलती होगी. अगर स्थानीय नेताओं ने विश्वास नहीं जताया तो केंद्रीय नेतृत्व वोट नहीं खींच सकेगा.

चूंकि चुनाव मोदीजी लड़ रहे हैं इसलिए उनके बास तीन ही हथियार हैं जिनका वो इस्तेमाल धड़ल्ले से कर रहे हैं. पहला अपना चेहरा और बड़ी सभाएं. दूसरा पैसा और तीसरा केंद्रीय एजेंसियों के जरिए मौजूदा कांग्रेस सरकार के मंत्री, विधायक और नेताओं को भ्रष्टाचार के आरोपों में लपेटना.

राजस्थान में ये तीनों हथियार कितने कारगर है, आप भाजपा के मौजूदा चुनाव प्रचार अभियान से समझ सकते हैं. कांग्रेस इस मामले में भाजपा से कुछ आगे चल रही है. ग्राउड लेवल पर मौजूदा विधायकों के प्रति नाराजगी को अगर रेवड़ियों की घोषणाओं से कांग्रेस ने कवर कर लिया तो भाजपा के लिए जनता के बीच कुछ कहने को बचेगा नहीं. मोदीजी, शाह और नड्डाजी एजेंसियों की कार्रवाई को ही अपने भाषण का आधार बनायेंगे. फ्री बिजली, फ्री इलाज, महिलाओं को सालाना 10 हजार रुपये, युवकों को टेबलेट, महिलाओं को मोबाइल जैसे लुभावने वादों का भाजपा विरोध भी करने से हिचकिचा रही है. चूकि मोदीजी रेवड़ी कल्चर को खराब बता चुके हैं, इसलिए लोग मान कर चल रहे हैं कि कांग्रेस की घोषणाओं का भाजपा के पास कोई सटीक उत्तर नहीं है. भाजपा ने अभी तक अपने संकल्प पत्र के बारे में भी को हलचल नहीं दिखाई है. सच यह है कि भाजपा के प्रचार अभियान से तीखापन गायब है. प्रदेश का पूरा नेतृत्व केंद्र की तरफ टकटकी लगाये बैठा है.

छत्तीसगढ़ : आप के 40 प्रतिशत उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के पहले चरण में किस्मत आजमा रहे 223 उम्मीदवारों में से 26 ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी दी है. इनमें से 16 गंभीर आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं. छत्तीसगढ़ इलेक्शन वॉच और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट के अनुसार, पहले चरण के 223 उम्मीदवारों में से 26 (12 फीसदी) उम्मीदवारों ने चुनाव आयोग को अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी दी है.

एडीआर के मुताबिक, पहले चरण के भाजपा के 20 उम्मीदवारों में से पांच (25 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले होने की जानकारी दी है. वहीं, कांग्रेस के 20 में से दो (10 प्रतिशत), आम आदमी पार्टी (आप) के 10 में से चार उम्मीदवार (40 प्रतिशत) और जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के 15 में से तीन (20 प्रतिशत) उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने का खुलासा किया है. छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के पहले चरण के 20 निर्वाचन क्षेत्रों में से पांच- कांकेर, चित्रकोट, खैरागढ़, पंडरिया और कवर्धा ऐसे हैं, जहां तीन या उससे अधिक उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मामले हैं. रिपोर्ट के अनुसार, जिन भाजपा उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं, उनमें विजय शर्मा (कवर्धा), विक्रांत सिंह (खैरागढ़), विनायक गोयल (चित्रकोट-एसटी), आशाराम नेताम (कांकेर-एसटी) और सोयम मुक्का (सुकमा-एसटी) शामिल हैं.

मध्यप्रदेश : कांग्रेसी क्षत्रपों के झगड़े से भाजपा की उम्मीद जगी

पंकज मुकाती
वरिष्ठ पत्रकार, भोपाल

मध्यप्रदेश में चुनावी अभियान तेजी पर है. क्या है दोनों दलों का मिजाज, इसे समझने से पहले दो बयानों को पढ़िए. बहुत कुछ साफ हो जाएगा...

कांग्रेस के एक पूर्व सांसद ने कहा- कांग्रेस राजा और उद्योगपति चला रहे हैं. कांग्रेस अब राजनीतिक दल नहीं कॉर्पोरेट कंपनी है. राजा अपने चहेतों को और उद्योगपति अपने फायदे-नुकसान के हिसाब से टिकट आपस में बांट रहे हैं.

भाजपा के 18 साल के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा- मैं ख़त्म नहीं हुआ, फीनिक्स पक्षी की तरह राख में से फिर ज़िंदगी लेकर लौटूंगा.

कुछ ऐसा ही सच है दोनों पार्टियों का. कांग्रेस दो नेताओं के भरोसे हैं. पार्टी सामंती ढंग से चल रही है. भाजपा राख के ढेर में से वापसी की उम्मीद में रात-दिन लगी हुई. शिवराज सिंह चौहान की आखिरी कुछ महीने में सीधे घर-घर को लाभ देने वाली योजनाएं असर करती दिख रही हैं. जिस भाजपा को उनके अपने नेता छह महीने पहले तक बेहद कमजोर, बहुमत से दूर मान रहे थे वे भी अब मुकाबले के नजदीकी होने की सम्भावना मान रहे हैं. निश्चित ही अभी भी कांग्रेस थोड़ा आगे है. इसमें कांग्रेस की अपनी बहुत मेहनत नहीं है. सरकार की एंटीइंकम्बैंसी, भाजपा कार्यकर्ताओं की नाराजगी जैसे फैक्टर कांग्रेस को अपने आप जगह बनाने का मौका दे रहे हैं.

कर्नाटक की जीत के बाद मध्यप्रदेश में भाजपा सतर्क हुई तो कांग्रेस उम्मीद के उड़न खटोले पर सवार हो गई. सत्ता आने की आहट ने ही कांग्रेस के सोये हुए क्षत्रपों को जगा दिया. इसके बाद 'कमलनाथ मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं' की आवाजें उठीं. भाजपा ने इस लड़ाई में अपना उजला भविष्य पढ़ लिया. कमलदल को पूरी उम्मीद थी कि कमलनाथ अपने ही साथियों के हाथों कमजोर होंगे. पिछले तीन दिन से यही हो रहा है. दो सबसे उम्रदराज नेता बच्चों की तरह एक दूसरे से रूठे हुए हैं. सीटों के बंटवारे को लेकर कमलनाथ और दिग्विजय के बीच अबोला चल रहा है. दोनों सयाने बचकाने से नजर आ रहे हैं. दिग्वियय ने अपने सभी चुनावी दौरे रद्द कर दिए. वे प्रियंका गांधी की सभा में भी नहीं गए.

दरअसल, जिस दिन शिवपुरी सीट से वीरेंद्र रघुवंशी के समर्थकों ने कमलनाथ का बंगला घेरा, विवाद ने उसी दिन डेरा डाल लिया था. कमलनाथ ने इन समर्थकों को कह दिया-जाकर दिग्विजय और उनके बेटे जयवर्धन के कपडे फाड़ो. इसके दूसरे दिन कांग्रेस के वचन पत्र समारोह में दिग्विजय ने मंच से ही कहा - कपड़े उनके फटने चाहिए जो फॉर्म बी पर साइन करता है. फॉर्म बी पर साइन प्रदेश अध्यक्ष यानी कमलनाथ के होते हैं. कांग्रेस के संगठन का एक व्यक्ति की मनमानी बन जाना कांग्रेस की स्थिति को कमजोर करता दिख रहा है. नेताओं की लड़ाई देख कर इस पार्टी के प्रति जनता का भरोसा कम होता जा रहा है.

ये तो बात हुई कांग्रेस की. भाजपा की स्थिति छह महीने पहले की सत्तर सीटों की तुलना में बेहद सुधार पर दिखती है. उसने अपने अस्तबल के सारे घोड़े मैदान में उतार दिए हैं. सात सांसदों और एक राष्ट्रीय महासचिव का विधानसभा के मैदान में उतरना साफ़ संकेत है कि पार्टी एक-एक सीट और वोट को लेकर बेहद गंभीर है. इसके अलावा केंद्रीय नेतृत्व ने कमान खुद संभाल रखी है. इसके उलट कांग्रेस ने बड़ी सीटों को हारा हुआ मान कर उनपर ठीक प्रत्याशी देने की भी कोशिश नहीं की. शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ भी बेहद कमजोर उम्मीदवार दिया है. भाजपा की लाड़ली बहना योजना बड़ा बदलाव ला सकती है. इसमें एक करोड़ 31 लाख महिलाओं को लाभ मिल रहा है. इसमें भाजपा को यदि एक चौथाई भी वोट हासिल हो जाते हैं, तो वह कुल मतदाता का करीब 5 फीसदी होगा. ये योजना गेमचेंजर साबित हो सकती है. वैसे भी मध्यप्रदेश में एक से डेढ़ फीसदी के अंतर से ही सरकारें बनती-बिगड़ती रही हैं.

▪ भाजपा के 18 साल के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा– मैं ख़त्म नहीं हुआ, फीनिक्स पक्षी की तरह राख में से फिर ज़िंदगी लेकर लौटूंगा.

पर एक बात नहीं भूलना चाहिए कि मध्य प्रदेश में भाजपा शासन भ्रष्टाचार और घोटालों से भरा रहा है. प्रदेश में इतना भ्रष्टाचार कभी सामने नहीं आया. जनता विधायकों की मनमानी, मंत्रियों के घोटाले, अफसरों की जिद्द, कुशासन सब देख रही है. वह चेहरा बदलना चाहती है, पर सामने जो चेहरे हैं वे भी बहुत उजले नहीं दिख रहे. कांग्रेसी चेहरे अपने झगड़ों में ही इतने उलझे हैं कि उन्हें भाजपा के घोटाले, भ्रष्टाचार जनता के सामने ले जाने की फुर्सत नहीं.

कुल मिलाकर, इस वक्त अगर मतदान होगा तो दोनों दल बराबरी पर खड़े हैं. जो भी बागियों को मनाने में कामयाब होगा, उसकी ही जीत होगी.

कॅरियर-काउंसिलिंग

बेहतर भविष्य निर्माण के लिए इन 10 कोर्स का कर सकते हैं चयन

एजुकेशन रिपोर्टर/रजनीश प्रसाद

आज के दौर में हर छात्र-छात्रा अपने भविष्य को लेकर चिंतित रहते हैं. पढ़ाई पूरी होने के बाद कैसे जल्द से जल्द जॉब पाने की चिंता में रहते है. 12वीं के बाद से ही छात्र अपने पसंद के कोर्स की ओर बढ़ने लगते है. कई विद्यार्थियों को यह पता ही नहीं होता है कि किस कोर्स के बाद क्या हो सकता है. छात्र अक्सर अपने मित्रों, माता पिता या अन्य व्यक्तियों से बात करते रहते है और पढ़ाई के बाद किस फील्ड में अच्छी कमाई होगी इस बात पर जोर देते है. अक्सर 12वीं पास करने के बाद ही कॅरियर निर्माण की योजना बनाई जाती है. 12वीं पास करने के साथ ही बच्चों और अभिभावकों में यह विचार आने लगते हैं कि बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए किस कोर्स को करना बेहतर रहेगा. लेकिन आज पढ़ाई के साथ-साथ कुछ ऐसे कोर्स भी हैं जिनकी मदद से आप न केवल अच्छा कॅरियर बना सकते हैं बल्कि लाखों की कमाई भी कर सकते हैं. आज हमारे देश में भी बहुत से ऐसे कोर्सेज हैं जिनको करके आप लाखों में सैलरी प्राप्त कर सकते हैं.

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

आज पूरी दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में तेजी से ग्रोथ हो रही है. बार्ड और चैटजीपीटी जैसे टूल्स के आने के बाद से टेक्नोलॉजी में क्रांति आई है जिसके चलते आने वाले सालों में इसमें लाखों नौकरियों का जन्म होगा. आप विज्ञान और गणित की शिक्षा के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में डिग्री या डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं. इस क्षेत्र में बैचलर इन एआई, बैचलर इन कंप्यूटर साइंस एवं एआई, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में बीटेक आदि स्नातक कोर्स कर सकते हैं. इसके अलावा आप स्नातक के अलावा ऑनलाइन या ऑफलाइन सर्टिफिकेट या डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं.

बिजनेस मैनेजमेंट

बिजनेस मैनेजमेंट का क्षेत्र भी काफी तेजी के साथ बढ़ा है. ऐसे में युवा एमबीए सहित बिजनेस मैनेजमेंट के अन्य कोर्स कर सकते हैं. अगर मैनेजमेंट का कोर्स अच्छे संस्थानों किया जाए, तो युवाओं को करोड़ों के पैकेज मिल सकते हैं. आईआईएम के अलावा भी कई ऐसे संस्थान हैं जो बिजनेस मैनेजमेंट का कोर्स कराते हैं. इसके लिए आप डॉ. विवेक बिंद्रा की कंपनी ''बड़ा बिजनेस और जीएलए यूनिवर्सिटी'' द्वारा शुरू किये गए 'बिलिनेयर ब्लूप्रिंट' कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं. यहां देश के जाने माने दिग्गजों से पढ़ाई कर के आप अपने कॅरियर को नई उंचाईयों पर ले जा सकते हैं.

मशीन लर्निंग एक्सपर्ट

कोरोना काल के बाद से ही लोगों की जिंदगी डिजिटल हो गई है. आज बदलती टेक्नोलॉजी की दुनिया में लोगों की जिंदगी भी बदल रही है. मशीनों पर लोगों की निर्भरता बढ़ चुकी है. मशीन लर्निंग एक्सपर्ट्स का काम कम्प्यूटर और स्मार्टफोन के अंदर इंस्टाल किए जाने वाले सॉफ्टवेयर को डेवलपर करना होता है. यह डिवाइस इंसानों की तरफ से दिए टास्क को समझकर काम करती है. आजकल बहुत से सॉफ्टवेयर आ गए हैं, जिनके जरिए आप किसी भी बात को बोलकर किसी भी भाषा में ट्रांसलेट कर सकते हैं. देश के कई संस्थान इस तरह के कोर्सेज चलाते हैं. यह कोर्स करने पर आप आसानी से लाखों रूपये कमा सकते हैं.

डाटा एनालिस्ट

अगर आप किसी शॉर्ट टर्म कोर्स को ढूंढ रहे हैं तो आप डाटा एनालिस्ट का कोर्स कर सकते हैं. आज के समय में इसकी बहुत डिमांड है. डाटा किसी भी व्यक्ति या सूचना से जुड़ा होता है. यह टेक्स्ट, वीडियो, इमेज, ग्राफिक सहित अन्य फॉर्म में हो सकता है. जब इन्हें मिला दिया जाता है तो यह सूचना बन जाती है. डाटा एनालिस्ट का काम किसी भी कंपनी की सूचनाओं को स्टोर करके किसी भी फॉर्म में रखना होता है ताकि जरूरत पड़ने पर इस्तेमाल किया जा सके. आप डाटा एनालिस्ट की पढ़ाई कर भारत में 1 लाख रुपए से 5 लाख रुपए महीना शुरुआती दौर में कमा सकते हैं.

एथिकल हैकर

हैंकिग का क्षेत्र आज तेजी से उभर रहा है. लीगल हैंकिंग करने वालों की आज बहुत मांग है. सायबर क्राइम को रोकने में भी एथिकल हैकर की एहम भूमिका होती है. आज हमारे देश में एक रिपोर्ट के मुताबिक लगभग 73 करोड़ लोग इंटरनेट का उपयोग करते हैं. इसकी संख्या वर्ष 2025 तक 90 करोड़ होने का अनुमान है. ऐसे में बैंक्स, सरकारी एजेंसियों और सभी लोगों के डाटा को सुरक्षित रखने के लिए एथिकल हैकर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है. इस क्षेत्र में अंडर ग्रेजुएट कोर्स कर आप आगे बढ़ सकते हैं. इसके साथ वर्तमान समय में स्नातक कोर्स के साथ-साथ बहुत से डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स भी मौजूद हैं. इस क्षेत्र में आप परमानेंट नौकरी के अलावा विभिन्न कंपनियों के लिए फ्रीलांसर के तौर पर काम करके लाखों कमा सकते हैं. यह कॅरियर के लिहाज से बहुत अच्छा विकल्प है.

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

लाखों की नौकरी पाने की चाह में आप सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनने का विकल्प भी चुन सकते हैं. सॉफ्टवेयर इंजीनियर का मुख्य काम कम्प्यूटर, स्मार्टफोन, मोबाइल आदि का सॉफ्टवेयर तैयार करना होता है. इसके अलावा वह प्रोग्रामिंग करता है. प्रोग्रामिंग के लिए कोडिंग बहुत जरूरी है. अगर आपको साइंस पसंद है तो आप सॉफ्टवेयर इंजीनियर का कोर्स कर सकते हैं. देश के कई एनआईटी, आईआईटी सहित प्राइवेट इंस्टीट्यूट हैं जहां यह कोर्स होता है. कोर्स करने के बाद 1 लाख रुपए से 10 लाख रुपए महीने तक की शुरुआती कमाई की जा सकती है.

फुल स्टैक डेवलपर

आए दिन नई-नई वेबसाइट और ऐप शुरू होते हैं. लेकिन इन्हें सफल बनाने में डेवलोपर का हाथ होता है. किसी भी वेबसाइट को जब विकसित किया जाता है तो उस वेबसाइट के फ्रंट-एन्ड, बैके-एन्ड के साथ ही साथ डेटाबेस पर काम करने वाले को फुल स्टैक डेवलपर कहते हैं. अगर आपको वेबसाइट और ऐप बनाने में रूचि है तो आप इससे जुड़े कोर्स को कर सकते हैं और हर महीने लाखों की कमाई कर सकते हैं. यही नहीं आप खुद की भी वेबासइट या ऐप बना कर बिजनेस शुरू कर सकते हैं.

चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए)

हर छोटी से बड़ी कंपनी को अपना लेखा-जोखा रखने के लिए एक चार्टर्ड अकाउंटेंट की जरूरत पड़ती है. टैक्स फाइलिंग के समय तो विशेष रूप से हर कोई सीए को ही याद करता है. छोटे से बड़ी चीजों का हिसाब रखने के लिए सीए का होना आवश्यक होता है. ऐसे में इस कोर्स को करके आप बढ़िया कॅरियर विकल्प चुन सकते हैं. सीए की पढ़ाई पूरी करने के बाद कंपनियों में आसानी से जॉब मिल सकती है. इसके अलावा आपके लिए बैंकिंग सेक्टर में नौकरी प्राप्त करने के दरवाजे भी ओपन हो जाएंगे. आप सीए का कोर्स करके लाखों में वेतन प्राप्त कर सकते हैं.

इन्वेस्टमेंट बैंकर

इन्वेस्टमेंट बैंकर का भी क्रेज तेजी से बढ़ा है. ये लोगों को निवेश के जरिए बेहतर रिटर्न प्लान आदि के बारे में जानकारी देते हैं. कई कंपनियों और बैकों में इन्वेस्टमेंट बैंकर को हायर किया जाता है. ऐसे में अगर आपको निवेश की अच्छी समझ है तो इस फील्ड में कॅरियर बना सकते हैं. इन्वेस्टमेंट बैंकर को करोड़ों रुपए की सैलरी मिलती है.

क्लाउड इंजीनियर

अगर आपको साइंस से लगाव है तो आप क्लाउड इंजीनियर के तौर पर भी कॅरियर बना सकते हैं. क्लाउड कम्प्यूटिंग इंटरनेट पर सेवा और डिलीवरी है. जिसमें सर्वर, स्टोरेज, डेटाबेस, नेटवर्किंग, सॉफ्टवेयर और एनालिसिस शामिल हैं, जो क्लाउड सर्वर पर सेव होते हैं. हालांकि, क्लाउड सर्विस बहुत महंगी होती हैं. कई ऐसे संस्थान हैं जो यह कोर्स कराते हैं. ऐसे में आप इस कोर्स को करके अच्छे पैसे कमा सकते हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)